खबरों के 68 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें jabdesh1@yahoo.com

# देशबन्धु

जबलपुर, बुधवार 29 नवम्बर 2023 | वर्ष –68 | अंक –20 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ हादसा और हकीकत... ■ गाजा संघर्ष ने बढ़ाया... 04

■ पाकिस्तान पर क्यों अमेरिका मेहरबरन... ■ सिर्फ यूरोप तक सिमटी नहीं है दुनिया... 09

■ जंक फूड से होने वाले नुकसान में तीसरे... ■ न्यूनतम निर्यात मूल्य लागू होने से प्याज... 11

■ स्मिथ और जम्पा तीसरे... ■ भारत के पास पाकिस्तान... 10

## सार संक्षेप

### राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बनी दिल्ली की मतदाता

**नई दिल्ली।** दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी कृष्णामूर्ति ने मंगलवार को यहां

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उनका नया मतदाता पहचान पत्र सौंपा जिसके साथ वह अब दिल्ली की मतदाता बन गई। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी। श्रीमती मुर्मू के राष्ट्रपति बनने के बाद राजधानी दिल्ली के पते पर उनका नया मतदाता पहचान पत्र बनाया गया है।

### रोजगार मेले में 51 हजार नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे मोदी

**नई दिल्ली।** प्रधान मंत्री

नरेंद्र मोदी गुरूवार को रोजगार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 51 हजार से अधिक नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे। यह रोजगार मेला देश भर में 37 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। ये भर्ती केंद्र सरकार के विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में की गई हैं। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी राजस्व विभाग, गृह मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, वित्तीय सेवा विभाग, रक्षा मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में नियुक्त किए गए हैं।

**सूचना**

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

**बिरादरी कारोबार**

**चूहा-सुनती हो-** कुश्ती संघ के चुनाव पर लगी रोक शीर्ष अदालत ने हटा दी है।

**चुहिया- हां प्रिये-** सही है, `आरोपों और राजनीति की कुश्ती' में खिलाड़ियों के हित प्रभावित होना ठीक नहीं।

# जीत गई जिन्दगी

## 17 दिन मौत के चंगुल में फंसे रहे 41 मजदूर

## सफलता मिलते ही लगे भारत माता के जयकारे

***उत्तरकाशी।*** *जिन्दगी ने मौत से 17 दिन बाद जंग जीत ली। उत्तरकाशी की टनल में फंसे 41 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। और यह मुश्किल तथा जोखिम भरे काम के अंतिम चरण को रैट होल ड्रिलिंग के सहारे सफलता मिली। अमेरिकन ड्रिलिंग मशीन आगर का ड्रिलर टूटने के बाद इस प्रतिबंधित पद्धति का सहारा लिया गया और सफलता ने कदम चूम लिये। देर शाम 7.05 बजे जैसे ही पहला मजदूर पाइप के जरिए सुरंग से बाहर लाया गया तो भारत मां और भगवान के जयकारे गूंज उठे। टीवी स्क्रीनों पर इस मुहिम को टकटकी लगाए देख रहे देशवासियों ने भी राहत की सांस ली।*

## देर शाम 7.05 बजे निकाला गया पहला श्रमिक, फिर एक-एक कर बाहर लाए गए सभी

सिलक्यारा टनल के अंदर 12 नवंबर की अलसुबह 5:30 बजे 41 मजदूर फंस गए थे। सभी 41 मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया। टनल के बाहर एंबुलेंस तैनात की गई थी, जिसके जरिए मजदूरों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है। उल्लेखनीय है कि- 41 मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए कई एजेंसियां दिन-रात लगी रही हैं। अब, जबकि मजदूरों को निकालने पर सभी के चेहरे पर खुशी की लहर है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी वहां पर मौजूद रहे और बाहर निकले मजदूर से बातचीत की और उनका हाल जाना। धामी ने रेस्क्यू टीमों को बधाई दी। उन्होंने अपने ट्यूटर एकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा बाबा बौखनाग जी की असीम कृपा रही।

### सवालों ने सिर उठाया

उधर मजदूरों की जान बचने के बाद अब यह सवाल सिर उठा रहे हैं कि- इस भयावह हादसे के लिए जिम्मेदार कौन हैं? सुरंग निर्माण में मजदूरों के लिए पहले से ही लाइफ लाइन क्यों नहीं डाली गई? अंतरराष्ट्रीय सुरंग निर्माण नियमों का किस हद तक पालन हुआ आदि..। (विस्तृत खबर पृष्ठ 2 पर भी देखें)

### 9 साल पहले लगा था रैट होल माइनिंग पर प्रतिबंध

साल 2024 में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने मजदूरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस विधि पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, इसके बाद भी कई इलाकों में रैट होल माइनिंग जारी है, जो कि अवैध माना जाता है। मेघालय में सबसे ज्यादा रैट होल माइनिंग होती है, जिसके कारण न जाने कितने ही मजदूरों को अपनी जान गंवानी पड़ जाती है।

**रैट माइनर्स नहीं हैं कारीगर**–बचाव अभियान में शामिल एक अधिकारी ने स्पष्ट करते हुए बताया कि इस रेस्क्यू ऑपरेशन में चुने गए कारीगर रैट माइनर्स नहीं हैं, बल्कि दो प्राइवेट कंपनी की दो टीमें हैं। इन लोगों को दो-तीन टीमों में विभाजित किया गया और प्रत्येक टीम एक निर्धारित समय तक स्टील पाइप में जाकर खुदाई की। एक टीम में तीन व्यक्ति को रखा गया, जिसमें से एक का काम खुदाई करना, दूसरे का मलबा इकट्ठा करना और तीसरे का काम मलबे को बाहर निकालना था।

## शिवराज बोले- पांचवीं बार बनेगी प्रदेश में भाजपा सरकार

**भोपाल.** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विश्वास जताया है कि भारतीय जनता पार्टी राज्य में पांचवीं बार सरकार बनाएगी। महिलाओं के लिए अपनी सरकार की प्रमुख लाडली बहना योजना का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री शिवराज ने सोमवार रात कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने ईमानदारी से प्रयास किए हैं और लाडली बहना (योजना के लाभार्थियों) ने पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी बाधाओं को दूर कर दिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सीहोर जिले में अपने गृह क्षेत्र बुधनी में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

### पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगाने की याचिका खारिज

**नई दिल्ली, (एजेंसियां)।** पाकिस्तानी कलाकारों को भारत में प्रस्तुति देने से रोकने की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा- इतनी छोटी सोच न रखें। साल 2016 में हुए उरी हमले के बाद से भारत ने पाकिस्तानी कलाकारों पर 7 साल का बैन लगा दिया था।

## सर्वोच्च अदालत ने कहा- छोटी सोच न रखें

यह सीमा अब साल 2023 में खत्म हो गई है। सिने एक्टिविस्ट फैज अनवर कुरैशी ने इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। वहां से याचिका खारिज होने के बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिका पर सुप्रीम कोट के जस्टिस संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की बेंच ने कहा कि हम बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने के इच्छुक नहीं है। आपको भी इस अपील पर दबाव नहीं डालना चाहिए। याचिकाकर्ता के खिलाफ हाईकोर्ट की ओर से की गई कुछ टिप्पणियों को हटाने की याचिका भी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। बेंच ने कहा कि यह आपके लिए एक अच्छा सबक है।

**सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया हाई कोर्ट का आदेश**

## कुश्ती संघ के चुनाव पर लगी रोक हटी

**इंफाल।** देश की सर्वोच्च न्यायालय ने कुश्ती संघ के चुनाव पर लगी रोक को हटा दिया है। न्यायालय ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए चुनाव पर लगी रोक को हटाने का आदेश दिया है। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव कराने पर लगी रोक को खारिज कर दिया। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस पंकज मित्तल की बेंच ने कहा कि वो यह नहीं समझ पा रहे कि उच्च न्यायालय ने चुनाव की पूरी प्रक्रिया के महत्व को कैसे नहीं समझा।

बेंच ने कहा, हरियाणा कुश्ती संघ द्वारा दायर एक रिट याचिका लंबित होने पर उच्च न्यायालय ने एक अंतरिम आदेश में डब्ल्यूएफआई के चुनाव पर रोक लगा दी। हमें यह बात समझ नहीं आ रही कि उच्च न्यायालय द्वारा इस पूरी चुनावी प्रक्रिया के महत्व को कैसे समझा नहीं गया। उचित यही होता कि चुनाव कराने की अनुमति दी गयी होती और चुनाव को लंबित रिट याचिका के नतीजे के अधीन किया जाता। बेंच ने अपने आदेश में आगे कहा-इसी के अनुसार अंतरिम राहत देने वाले विवादित आदेश को रद्द किया जाता है। निर्वाचन अधिकारी संशोधित चुनाव कार्यक्रम तैयार करके चुनाव को आगे बढ़ा सकता है। हम स्पष्ट करते हैं कि चुनाव का नतीजा याचिका में पारित आदेश के अधीन होगा। उच्चतम न्यायालय ने पहले डब्ल्यूएफआई का कार्यभार संभालने के लिए गठित तदर्थ समिति की पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा कुश्ती संस्था के चुनाव कराने पर लगायी रोक को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा था।

## इंडिया गठबंधन को लेकर कांग्रेस फिर सक्रिय

### तीन दिसम्बर से पहले सहयोगियों से करेगी बात

**नई दिल्ली, देशबन्धु।** पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म होते ही कांग्रेस लोकसभा चुनाव 2024 की रणनीति कों लेकर इंडिया गठबंधन के दलों को फिर से साधने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि तीन दिसम्बर से पहले वह सहयोगी दलों से बातचीत करेगी। हालांकि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में उसका सहयोगी दलों के साथ जो रवैया रहा, वह आगे की राह में मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

### शीतकालीन सत्र के लिए भी तय करेगी रणनीति

मालूम हो कि पांच राज्यों के चुनाव से पहले 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन का गठन बड़ी गर्मजोशी के साथ हुआ था। लेकिन विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद यह नेपथ्य में चला गया। सीटों का बंटवारा न होने से कांग्रेस के खिलाफ इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों सपा, आम आदमी पार्टी,जद यू ने अपने उम्मीदवार भी उतारे और भाजपा के साथ ही कांग्रेस पर भी जमकर हमला किया। लेकिन अब सूत्र बता रहे हैं कि मंगलवार को तेलंगाना का चुनाव प्रचार खत्म होते ही कांग्रेसी रणनीतिकार इंडिया गठबंधन की रणनीति को लेकर चर्चा करने लगे हैं। सूत्र बता रहे हैं कि पार्टी नेतृत्व ने तय किया है कि तीन दिसम्बर से पहले कांग्रेस इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगियों सें बातचीत कर अगली बैठक की जगह और तारीख तय करने की कोशिश करेगी। माना जा रहा है कि इसके जरिए कांगेस सहयोगी दलों के साथ संबंधों में जो कडवाहट आई है, न केवल उसे दूर करने की कोशिश करेगी बल्कि चार दिसम्बर से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र के लिए संयुक्त रणनीति भी तय करेगी।

## मणिपुर : 7 दिनों के भीतर हो लावारिस शवों का अंतिम संस्कार : सुको

**नई दिल्ली।** सर्वोच्च न्यायालय (एससी) ने मंगलवार को मणिपुर के शवगृहों में पड़े शवों को दफनाने या दाह संस्कार सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए। राज्य में मई में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से कई लोगों की मौत हो चुकी है।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीशों की महिला समिति द्वारा एक रिपोर्ट दाखिल की गई है, जिसमें राज्य के मुर्दाघरों में पड़े शवों की स्थिति का संकेत दिया गया है। इस समिति का नेतृत्व न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) गीता मित्तल द्वारा किया गया। इसने इस बात पर भी गौर किया कि 169 शवों में से 81 पर उनके परिजनों ने दावा किया है, जबकि 88 शवों पर दावा नहीं किया गया है। पीठ ने पाया कि राज्य सरकार ने नौ स्थलों की पहचान की है जहां शवों को दफनाया जा सकता है।

## संजय सिंह को नहीं मिली जमानत

**नई दिल्ली, देशबन्धु।** दिल्ली शराब नीति केस में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की जमानत याचिका पर मंगलवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। आप नेता को मंगलवार को भी जमानत नहीं मिल सकी। उन्होंने कोर्ट में 24 नवंबर को जमानत याचिका लगाई थी। कोर्ट ने इस मामले में ईडी को नोटिस जारी किया है। अब 6 दिसंबर को अगली सुनवाई होगी। कोर्ट ने ईडी को उसी दिन जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया है।

## तेलंगाना में प्रचार खत्म, 30 को मतदान

**हैदराबाद, (एजेंसियां)।** तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार शाम को समाप्त हो गया। सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), कांग्रेस और भाजपा के शीर्ष नेताओं ने अंतिम दिन राज्य भर में चुनावी रैलियों को संबोधित किया और रोड शो में भाग लिया। मोटरसाइकिल रैलियां, पदयात्राएं, नुक्कड़ सभाएं, पब्लिक मीटिंग और घर-घर जाकर प्रचार करना शाम तक जारी रहा। उम्मीदवारों और उनकी पार्टियों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए आखिरी कोशिश की। बीआरएस ने 2018 के चुनावों में 119 सदस्यीय विधानसभा

### आखिरी दिन सभी प्रमुख दलों ने प्रचार में झोंकी ताकत

में 88 सीटें हासिल की थीं। अब यह यहां लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है, जबकि कांग्रेस और भाजपा दोनों सत्ता हासिल करने की कोशिश में हैं।

**राहुल, प्रियंका ने किया रोड शो**-कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राज्य कांग्रेस प्रमुख रेवंत रेड्डी ने पार्टी उम्मीदवार मयनामपल्ली हनुमंत राव के समर्थन में हैदराबाद के मल्काजगिरी निर्वाचन क्षेत्र में एक रोड शो के साथ अपना अभियान समाप्त किया।

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से मोतियाबिंद ऑपरेशन मध्य भारत का सबसे आधुनिक नया युग

आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर

डॉ. पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894

जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL

Affiliation No.: 1031302 School No.: 51319

An English Medium Co-educational School

ADMISSIONS OPEN

Class: Nursery 12th (Science, Commerce & Humanities)

Call us: 0761-2676370, 9826587200

Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com E-mail: apncbseschool@gmail.com

**रिपोर्ट** सुप्रीम कोर्ट में पूर्व चीफ जस्टिस ने किया खुलासा

# मणिपुर हिंसा में एनजीओ ही असली खलनायक!

**इम्फाल।** पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में भड़की हिंसा को लेकर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बनाई गई कमिटी ने राज्य में तनाव बढ़ाने के लिए एनजीओ को जिम्मेदार ठहराया है। मणिपुर में फील्ड विजिट करने और जमीन पर जाकर तमाम तथ्यों पर गौर करने के बाद जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल की अध्यक्षता वाले पैनल ने कहा है कि एनजीआ लोगों को शवगृह से उनके परिवार वालों का शव लेने तक से रोक रहे हैं।

पैनल ने कहा कि इंफाल के शवगृहों में 88 ऐसे शव हैं, जिन्हें परिजन लेने के लिए तैयार नहीं हैं और उनपर सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन्स का दबाव है। वे लोगों को सरकार से मिलने वाली मदद राशि लेने से भी रोक दे रहे हैं। लोग अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करना चाहते हैं पर डर के कारण वे शव भी नहीं ले पा रहे हैं।

देश की सबसे बड़ी अदालत में पूर्व चीफ जस्टिस द्वारा फाइल की गई रिपोर्ट में बताया गया है कि ये एनजीओ मृतकों के परिजनों को भड़काकर उन्हें

### लाशों पर कैसे रोटी सेंक रहे गैर-सरकारी संगठन ?

शासन-प्रशासन के खिलाफ खड़ा कर रहे हैं और कई मांगें करवा रहे हैं। पूर्व जस्टिस के नेतृत्व वाली कमिटी ने शीर्ष अदालत को बताया कि, कुछ ऐसे तत्व हैं जो कि चाहते हैं कि राज्य में तनाव बना रहे और वे शांति स्थापित करने में बाधक बन रहे हैं। इसलिए जो कुछ याचिकाकर्ता एनजीओ हैं, वे सुप्रीम कोर्ट के सामने सही तथ्य नहीं रख रहे हैं और अदालत को गुमराह कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी ने बताया है कि राज्य सरकार ने मृतकों के शवों के अंतिम संस्कार के लिए 9 जगहें तय की थीं। मृतकों के परिजनों को इन 9 स्थानों में से किसी भी जगह अंतिम संस्कार करने की आज़ादी दी गई थी। लेकिन, कई एनजीओ ने सामूहिक अंतिम संस्कार का विरोध किया और एक सरकारी रेशम उत्पादन फार्म में अवैध रूप से सामूहिक दफ़नाने का प्रयास किया, जिसके परिणामस्वरूप हजारों लोगों ने साइट पर मार्च किया, और कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई।

इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार के हस्तक्षेप से ही कार्यक्रम स्थगित किया गया। इस कारण मणिपुर में तनाव और बढ़ गया, जो जल्दी खत्म नहीं हो सका। पूर्व चीफ जस्टिस ने अपनी रिपोर्ट के जरिए सुप्रीम कोर्ट को आगे बताया है कि एक एनजीओ ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

# देश-विदेश

## राजनाथ ने अत्याधुनिक युद्धपोत का अनावरण किया

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को यहां नौसेना के अत्याधुनिक युद्धपोत इम्फाल की शिखा का अनावरण किया। इस अवसर पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह तथा रक्षा मंत्रालय और मणिपुर के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे। इम्फाल की शिखा के डिजाइन में बाईं ओर मणिपुर की ऐतिहासिक धरोहर 'कांगला महल' और दाईं ओर राज्य के पौराणिक प्राणी 'कांगला सा' को दर्शाया गया है। इससे मणिपुर के लोगों द्वारा देश की स्वतंत्रता , संप्रभुता और सुरक्षा के लिए दिए गए बलिदान को महत्व दिया गया है। 'कांगला महल' मणिपुर का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थल है।

# आखिरकार उम्मीद और संघर्ष की जीत हुई, 17 दिन बाद मजदूरों ने देखी बाहर की दुनिया

## सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स ने मजदूरों की जान बचाने में निभाई अहम भूमिका

**उत्तरकाशी।** आखिरकार उम्मीद और संघर्ष की जीत हुई। 17 दिनों तक उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को आज सुरक्षित बाहर निकाला गया और इन मजदूरों ने 17 दिन बाद अंधेरी सुरंग से निकलकर बाहर की दुनिया देखी। हालांकि देर शाम बाहर आने के कारण वे सूर्य की रोशनी नहीं देख सके जो आज देखेंगे । मजदूरों के बच जाने पर उनके परिजनों और बचाव में जुटे दलों में बेहद हर्ष व्याप्त है वहीं पूजा-पाठ और मन्नतें पूरी करने का दौर भी चल पड़ा है।

दुनियाभर के कई एक्सपर्टस को रेस्क्यू अभियान में शामिल किया गया। ओएनजीसी, एसजेवीएनएल, आरवीएनएल, एनएचआईडीसीएल और टीएचडीसीएल को विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपी गई। इंटरनेशनल टनलिंग एंड अंडरग्राउंड स्पेस एसोसिएशन के ऑस्ट्रेलिया स्थित अध्यक्ष अर्नोल्ड डिक्स को बुलाया गया। वो 20 नवंबर को सुरंग स्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने पिछले 17 दिनों में हमेशा सभी को पॉजीटिव रहने की सलाह दी। डिक्स दिन-रात सुरंग स्थल पर मजदूरों से संपर्क में रहे।

**कौन हैं अर्नोल्ड डिक्स?** - प्रोफेसर अर्नोल्ड डिक्स मजदूरों को सुरंग से बाहर निकालने वाले एक्सपर्ट्स में एक हैं। वो भूमिगत और परिवहन बुनियादी ढांचे में विशेषज्ञ हैं। वो न सिर्फ भूमिगत निर्माण से जुड़े जोखिमों पर सलाह देते हैं बल्कि भूमिगत सुरंग बनाने में दुनिया के अग्रणी विशेषज्ञों में से वो एक हैं डिक्स ब्रिटिश इंस्टीट्यूट ऑफ इन्वेस्टिगेटर्स में बैरिस्टर भी हैं।

इंजीनियरिंग, भूविज्ञान, कानून और जोखिम प्रबंधन मामलों में तीन दशकों का अनुभव है। साल 2022 में उन्हें अमेरिका के नेशनल फायर प्रोटेक्शन एसोसिएशन द्वारा समिति सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मंगलवार को जब सुरंग में फंसे मजदूरों को बाहर निकालाने की कोशिश चल रही थी, तो अर्नोल्ड डिक्स सुरंग के नजदीक मौजूद भगवान बौख नाग देवता की पूजा-अर्चना में शामिल हुए।

## इन राज्यों के रहने वाले मजदूर फसे थे

उत्तराखंड 2, हिमाचल प्रदेश 1, उत्तर प्रदेश 8, बिहार 5, पश्चिम बंगाल 3, असम 2, झारखंड 15, ओडिशा 5।

**ये मजदूर फंसे थे** -गब्बर सिह नेगी, उत्तराखंड, सबाह अहमद, बिहार, सोनु शाह, बिहार, मनिर तालुकदार, पश्चिम बंगाल, सेविक पखेरा, पश्चिम बंगाल, अखिलेष कुमार, यूपी, जयदेव परमानिक, पश्चिम बंगाल, वीरेन्द्र किसकू, बिहार, सपन मंडल, ओडिशा, सुशील कुमार, बिहार, विश्वजीत कुमार, झारखंड, सुबोध कुमार, झारखंड, भगवान बत्रा, ओडिशा, अंकित, यूपी, राम मिलन, यूपी, सत्यदेव, यूपी, सन्तोष, यूपी, जय प्रकाश, यूपी, राम सुन्दर, उत्तराखंड, मंजीत, यूपी, अनिल बेदिया, झारखंड, श्राजेद्र बेदिया, झारखंड, सुकराम, झारखंड, टिकू सरदार, झारखंड, गुनोधर, झारखंड, रनजीत, झारखंड, रविन्द्र, झारखंड, समीर, झारखंड, विशेषर नायक, ओडिशा, राजू नायक, ओडिशा, महादेव, झारखंड, मुदतू मुर्म, झारखडं, धीरेन, ओडिशा, चमरा उरॉव, झारखंड, विजय होरो, झारखंड, गणपति, झारखंड, संजय, असम, राम प्रसाद, असम, विशाल, हिमाचल प्रदेश, पुष्कर, उत्तराखंड, दीपक कुमार, बिहार।

### चीन में बढ़ रहे रेस्पिरेटरी बीमारी के मामले, फिलहाल भारत को ज्यादा खतरा नहीं पर सावधानी जरूरी

# स्वास्थ्य मंत्रालय सभी राज्यों के संपर्क में, दिशा-निर्देश दिए, तैयारियां कराईं

**नई दिल्ली।** कोरोना महामारी का दंश झेल चुकी पूरी दुनिया भी उस खौफनाक मंजर को भूल नहीं पाएं। इस गंभीर बीमारी की वजह से दुनियाभर में कई लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। इस महामारी की शुरुआत चीन से हुई थी, जहां वुहान शहर से इसका पहला मामला सामने आया था और फिर धीरे-धीरे से इस वायरस से पूरी दुनिया में कोहराम मचा दिया था। कुछ देर से ही सही पर बाद में भारत में भी कोरोना ने तेजी से पांव पसारे थे।

इसी बीच अब चीन में एक और बीमारी कहर बरपा रही है। बीते कुछ समय से यहां पर लगातार रेस्पिरेटरी संबंधी बीमारी के मामले सामने आ रहे हैं। इस बीमारी की वजह से चीन के अस्पतालों में लगातार मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। खासतौर पर इस संक्रमण की वजह से अस्पताल में भर्ती होने वालों मरीजों में ज्यादातर बच्चे हैं। हालांकि, बच्चों के अलावा बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं भी इसकी चपेट में आ सकती हैं।

इस बीमारी के खतरे को देखते हुए भारत में भी आशंकाएं गहरा रही हैं। इस बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने तेजी से संज्ञान लेते हुए सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी की है और संभावित आपदा से निपटने के लिए पर्याप्त तैयारियां कराई गई हैं स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया लगातार राज्यों के स्वास्थ्य प्रमुखों और प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क में हैं। वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि- फिलहाल भारत को इससे ज्यादा खतरा नहीं है लेकिन हमें अभी से सावधान रहना होगा।

**क्या यह कोरोना की तरह कोई नई महामारी है?**-चीन में फैले इस संक्रमण को लेकर लोगों के मन में कई तरह के सवाल आ रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि यह कोरोना की तरह एक नई महामारी की शुरुआत हो सकती है। हालांकि, अभी तक इसे लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। मामले में चीनी अधिकारियों का कहना है कि रेस्पिरेटरी संबंधी इस बीमारी की बढ़ोतरी के पीछे इन्फ्लूएंजा, माइकोप्लाज्मा निमोनिया, रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस (आरएसवी), और SARS-CoV-2 जैसे ज्ञात रोगजनक

जिम्मेदार हैं। वहीं, डब्ल्यूएचओ के अनुसार, माइकोप्लाज्मा निमोनिया, एक सामान्य संक्रमण है, जो आम तौर पर छोटे बच्चों को प्रभावित करता है। 18 साल से कम उम्र के ज्यादातर मरीजों को इसके प्रभावित करने की संभावना है।

**कैसे फैलता है माइकोप्लाज्मा संक्रमण?**-किसी आम संक्रमण की ही तरह माइकोप्लाज्मा संक्रमित व्यक्तियों के खांसने और छींकने के दौरान निकली बूंदों के संपर्क में आने से फैलता है। ऐसा माना जाता है कि इसके फैलने के लिए लंबे समय तक निकट संपर्क होना जरूरी है। परिवारों, स्कूलों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में इसका प्रसार धीरे-धीरे होता है। इस संक्रमण की अवधि आमतौर पर 10 दिनों से कम होती है, लेकिन कई बार यह ज्यादा बढ़ भी सकती है।

**माइकोप्लाज्मा संक्रमण का निदान**-माइकोप्लाज्मा संक्रमण का निदान करने के लिए आमतौर पर माइकोप्लाज्मा संक्रमण के लक्षणों पर गौर किया जाता है। इसके अलावा छाती के एक्स-रे के आधार पर भी इसकी पहचान की जाती है। वहीं, कुछ मामलों में, ब्लड टेस्ट के आधार पर इसका निदान किया जा सकता है।

**माइकोप्लाज्मा संक्रमण से बचने के तरीके**-किसी भी अन्य संक्रमण की ही तरह माइकोप्लाज्मा संक्रमण को भी फैलने से रोका जा सकता है, अगर कुछ जरूरी सुरक्षा उपायों का पालन किया जाए। आप निम्न तरीकों से माइकोप्लाज्मा संक्रमण से अपना बचाव कर सकते हैं। नियमित रूप से अपने हाथ धोएं, उचित रूप से मास्क का इस्तेमाल करें,संक्रमित व्यक्तियों के निकट संपर्क से बचें, अपने आसपास अच्छा वेंटिलेशन सुनिश्चित करें, बीमार होने या लक्षण नजर आने पर घर पर ही रहें, जरूरत पड़ने परीक्षण और डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

**क्या बीमारी से भारत को खतरा है?**-नहीं, अभी तक इसे लेकर भारत को खतरा नहीं है। मौजूद समय में यहां इस बीमारी का प्रकोप काफी हद तक नियंत्रित है। चीन के बढ़ते मामलों को देखते हुए खुद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने जानकारी देते हुए कहा कि -सरकार सक्रिय रूप से स्थिति की निगरानी कर रही है और सभी जरूरी उपाय अपना रही है। वर्तमान में भारत के पास इस तरह के संक्रमण से लड़ने के लिए टीके और दवाएं आसानी से उपलब्ध होने की संभावना है। उदाहरण के लिए, माइकोप्लाज्मा निमोनिया के इलाज लिए हमारे पास एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसिन मौजूद है। लेख में उल्लिखित सलाह और सुझाव सिर्फ सामान्य सूचना के उद्देश्य के लिए हैं और इन्हें पेशेवर चिकित्सा सलाह के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। कोई भी सवाल या परेशानी हो तो हमेशा अपने डॉक्टर से सलाह लें।

### नई बीमारी के यह हैं लक्षण

बात करें इसके लक्षणों की, तो माइकोप्लाज्मा संक्रमण के सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, ब्रोंकाइटिस, गले में खराश, सिरदर्द और थकान आदि शामिल हैं। इसके अलावा निमोनिया भी इसका एक लगातार परिणाम है, जिसकी वजह से कई बार गंभीर मामलों में अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत भी पड़ सकती है। साथ ही इस संक्रमण की वजह से मध्य कान की समस्याएं (ओटिटिस मीडिया) भी हो सकती हैं। इसके लक्षण कुछ दिनों से लेकर एक महीने तक रह सकती है। यह लक्षण आम तौर पर संक्रमित होने के दो से तीन सप्ताह बाद शुरू होते हैं।

# प्रधानमंत्री बोले- सफलता भावुक करने वाली, अभियान से जुड़े सभी लोगों के जज्बे को सलाम

**नई दिल्ली।** मजदूरों को सफलतापूर्वक सुरक्षित बाहर निकाल लिये जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया वेब साइड एक्स पर लिखा कि- यह सफलता भावुक कर देने वाली है जो साथी टनल में फसे थे उनका साहस और धैर्य हर किसी को प्रेरित करता रहेगा। मैं सभी की कुशलता और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि- अभियान से जुड़े सभी लोगों के जज्बे को सलाम करता हूं जिनकी संकल्प शक्ति और बहादुरी से श्रमिकों को नया जीवन मिला। यह अद्भुत टीम वर्क है। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से भी फोन पर बातचीत की।

## बचाव में आई कौन-कौन सी अड़चनें?, किस दिन क्या हुआ

**उत्तरकाशी।** मजदूरों ने टनल से बाहर निकलकर राहत के सांस ली। उनके चेहरे पर दूसरी जिंदगी मिलने की खुशी साफ देखी जा रही है। एक मजदूर के परिवार ने कहा कि अब इनके बाहर निकालने के बाद वो 17 दिन बाद दिवाली का त्योहार मनाएगा।

**टनल के अंदर रखे गए स्ट्रेचर और गद्दे**-उत्तराखंड एनडीएमए के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा- मजदूरों को तुरंत बाहर नहीं निकाला गया। टनल के अंदर एम्बुलेंस के अलावा स्ट्रेचर और गद्दे पहुंचाए गए थें। यहां अस्पताल बना दिया गया है। रेस्क्यू के बाद मजदूरों को यही रखा गया और प्रारंभिक परीक्षण के बाद बाहर लाया गया।

**कब क्या हुआ-12 नवंबर**- 12 नवंबर की सुबह करीब 5.30 बजे उत्तरकाशी में बन रही सिलक्यारा-डंडालगांव टनल का एक हिस्सा भरभराकर धंस गया। मलबा करीब 60 मीटर तक फैल गया और टनल से बाहर निकले का रास्ता ब्लॉक हो गया। अंदर काम कर रहे 41 मजदूर फंस गए। इसके तुरंत बाद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। टनल से पानी निकालने के लिए बिछाए गए पाइप से ऑक्सीजन, दवा, भोजन और पानी अंदर भेजा जाने लगा।

**13 नवंबर**- 35 हॉर्स पावर की ऑगर मशीन से 15 मीटर तक मलबा हटाया गया। शाम तक टनल के अंदर से 25 मीटर तक मिट्टी के अंदर पाइप लाइन डाली जाने लगी। मजदूरों को पाइप के जरिए लगातार ऑक्सीजन और खाना-पानी मुहैया कराया जाना शुरू हुआ।

**14 नवंबर**- टनल में लगातार मिट्टी धंसने से नॉर्वे और थाईलैंड के एक्सपर्ट्स से सलाह ली गई। ऑगर ड्रिलिंग मशीन और हाइड्रोलिक जैक को काम में लगाया। लेकिन लगातार मलबा आने से रेस्क्यू में दिक्कत हुई। इसके बाद 900 एमएम यानी करीब 35 इंच मोटे पाइप डालकर मजदूरों को बाहर निकालने का प्लान बना। इसके लिए ऑगर ड्रिलिंग मशीन और हाइड्रोलिक जैक की मदद ली गई।

**15 नवंबर**- रेस्क्यू ऑपरेशन के तहत कुछ देर ड्रिल करने के बाद ऑगर मशीन के कुछ पार्ट्स खराब हो गए। पीएमओ के हस्तक्षेप के बाद दिल्ली से एयरफोर्स का हरक्यूलिस विमान हैवी ऑगर मशीन लेकर चिल्यानीसौड़ हेलीपैड पहुंचा। इसे विमान से निकालने में तीन घंटे लग गए।

**16 नवंबर**- इसके बाद 200 हॉर्स पावर वाली अमेरिकन ड्रिलिंग मशीन ऑगर का इंस्टॉलेशन पूरा हुआ। शाम 8 बजे से रेस्क्यू ऑपरेशन दोबारा शुरू हुआ। रात में टनल के अंदर 18 मीटर पाइप डाले गए। इसी दिन सीएम पुष्कर सिंह धामी ने रेस्क्यू ऑपरेशन की रिव्यू मीटिंग की।

**17 नवंबर**- दोपहर 12 बजे ऑगर मशीन के रास्ते में पत्थर आने से ड्रिलिंग रुकी। मशीन से टनल के अंदर 24 मीटर पाइप डाला गया। नई ऑगर मशीन रात में इंदौर से देहरादून पहुंची, जिसे उत्तरकाशी के लिए भेजा गया।

**18 नवंबर**- दिनभर ड्रिलिंग का काम रुका रहा। पीएमओ के सलाहकार भास्कर खुल्बे और डिप्टी सेक्रेटरी मंगेश घिल्डियाल उत्तरकाशी पहुंचे। पांच जगहों से ड्रिलिंग की योजना बनी।

**19 नवंबर**- सुबह केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तराखंड ष्टरूपुष्कर धामी उत्तरकाशी पहुंचे। उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया। शाम 4 बजे ड्रिलिंग दोबारा शुरू हुई। खाना पहुंचाने के लिए एक और टनल बनाने की शुरुआत हुई।

**20 नवंबर**- इंटरनेशनल टनलिंग एक्सपर्ट ऑर्नल्ड डिक्स ने उत्तरकाशी पहुंचकर सर्वे किया और वर्टिकल ड्रिलिंग के लिए 2 स्पॉट फाइनल किए। मजदूरों को खाना देने के लिए 6 इंच की नई पाइपलाइन डालने में सफलता मिली।

**21 नवंबर**- एंडोस्कोपी के जरिए कैमरा अंदर भेजा गया और फंसे हुए मजदूरों की तस्वीर पहली बार सामने आई। उनसे बात भी की गई। मजदूरों तक 6 इंच की नई पाइपलाइन के जरिए खाना पहुंचाने में सफलता मिली।

**22 नवंबर**- मजदूरों को नाश्ता, लंच और डिनर भेजने में कामयाबी मिली। मजदूरों के बाहर निकलने के मद्देनजर 41 एंबुलेंस मंगवाई गईं। डॉक्टरों की टीम को टनल के पास तैनात किया गया। इसके अलावा चिल्यानीसौड़ में 41 बेड का हॉस्पिटल तैयार करवाया गया।

**23 नवंबर**- अमेरिकी ऑगर ड्रिल मशीन से ड्रिलिंग के दौरान तेज कंपन होने से इसका प्लेटफॉर्म धंस गया। इसके बाद ड्रिलिंग अगले दिन की सुबह तक रोक दी गई।

**24 नवंबर**- सुबह ड्रिलिंग का काम शुरू हुआ तो ऑगर मशीन के रास्ते में स्टील के पाइप आ गए, जिसके चलते पाइप मुड़ गया। ऑगर मशीन को भी नुकसान हुआ था, उसे भी ठीक कर लिया गया।

**25 नवंबर**- शुक्रवार को ऑगर मशीन टूटने के चलते रेस्क्यू का काम शनिवार को भी रुका रहा। इंटरनेशनल टनलिंग एक्सपर्ट अरनॉल्ड डिक्स ने कहा है कि अब ऑगर से ड्रिलिंग नहीं होगी, न ही दूसरी मशीन बुलाई जाएगी।

**26 नवंबर**- मजदूरों को बाहर निकालने के लिए वर्टिकल ड्रिलिंग शुरू हुई। वर्टिकल ड्रिलिंग के तहत पहाड़ में ऊपर से नीचे की तरफ बड़ा होल करके रास्ता बनाया जा रहा है।

**27 नवंबर**- सुबह 3 बजे सिल्क्यारा की तरफ से फंसे ऑगर मशीन के 13.9 मीटर लंबे पार्ट्स निकाल लिए। देर शाम तक ऑगर मशीन का हेड भी मलबे से निकाला गया। इसके बाद रैट माइनर्स ने मैन्युअली ड्रिलिंग शुरू की। रैट माइनर्स 800रूके पाइप में घुसकर ड्रिलिंग की। ये बारी-बारी से पाइप के अंदर जाते, फिर हाथ के सहारे छोटे फावड़े से खुदाई करते थे। इस दौरान 36 मीटर वर्टिकल ड्रिलिंग भी पूरी हो गई।

**28 नवंबर**- एनडीआरएफ की टीम टनल के अंदर दाखिल हुई है। अभी करीब 2 मीटर की खुदाई बाकी थी जिसे रैट स्पानर्स ने पूरा कर लिया। और फिर एक अतिरिक्त पाइप लगाकर सुरक्षित निकासी की व्यवस्था बनाई गई। और शाम 7.05 बजे से मजदूरों को बाहर निकालना शुरू किया गया। सभी को एक-एक कर सुरक्षित निकाल लिया गया।


**केनरा बैंक** Canara Bank
भारत सरकार का उपक्रम
प्रधान कार्यालयः 112, जे.सी. रोड, बैंगलुरु

क्षेत्रीय कार्यालयः जबलपुर
**ई-नीलामी विक्रय सूचना**
**(ई-नीलामी दि. 30/12/2023)**

परिशिष्ट– IV क (नियम 8 (6) का परन्तुक देखें) **अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस**

**वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के नियम 8(6) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना**

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित अचल संपत्तियों के ऋणियों एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक हैं तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संम्पत्तियों का सांकेतिक कब्जा ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय दिनांक **30/12/2023** को **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु "जैसा है जहाँ है, जो है जैसा है" एवं "जो कुछ भी है" के आधार पर किया जा रहा है।

| क्र. सं. | शाखा एवं खाते/ जमानतदार का नाम | मांग सूचना दिनांक / कब्जा दिनांक | बकाया राशि | संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक विवरण | आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ऋणी– जमना प्रसाद पुत्र– श्री सूरज प्रसाद, प्लाट नं. 3/2, सांई विहार कालोनी, सुहागी, जबलपुर (A/c. No. 78107510001375) जमानतदार– श्री गिरवर पुत्र श्री सुमेरा खोवा मंडी शाखा, मो: 9425400371 | 13-11-2009 / 22-07-2010 | Rs. 3493600.21 + 31–11–2023 से देय ब्याज व अन्य खर्चे | मकान नजूल ब्लॉक 426, पटवारी हल्का नं. 20/17, खसरा नं. 4/16, 4/17, प्लाट नं. 3/2, मौजा– सुहागी, महाराजपुर, ब्लॉक– पनागर, जबलपुर, क्षेत्रफल– 800 वर्गफुट । चतुर्सीमाः उत्तर– अन्य की सम्पत्ति, दक्षिण– अन्य की सम्पत्ति, पूर्व– अन्य की सम्पत्ति, पश्चिम– रोड | Rs. 3,60,000/- / Rs. 36,000/- / Rs. 10,000/- |
| 2 | ऋणी– श्री गिरवर पुत्र– श्री सुमेरा, प्लाट नं. 2/2, सांई विहार कालोनी, सुहागी, जबलपुर (A/c. No. 78107510001367) जमानतदार– श्री जमना प्रसाद पुत्र श्री सरजू प्रसाद खोवा मंडी शाखा, मो: 9425400371 | 13-11-2009 / 22-07-2010 | Rs. 3309420.29 + 31–11–2023 से देय ब्याज व अन्य खर्चे | मकान नजूल ब्लॉक 426, पटवारी हल्का नं. 20/17, खसरा नं. 4/16, 4/17, प्लाट नं. 3/2, मौजा– सुहागी, महाराजपुर, ब्लॉक–पनागर, जबलपुर क्षेत्रफल 800 वर्गफुट । चतुर्सीमाः उत्तर– विक्रेता की संपत्ति, दक्षिण– विक्रेता की संपत्ति, पूर्व– विक्रेता की संपत्ति, पश्चिम– साइड रोड | Rs. 3,60,000/- / Rs. 36,000/- / Rs. 10,000/- |

**ई– नीलामी की दिनांक 30/12/2023, समय– दोपहर 1.00 से 2.00 बजे तक (5 मिनिट के असीमित विस्तार पर)**

नियम व शर्तेः– सिक्युरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंसियल एसेस्ट्स एन्ड इनफोर्समेंट ऑफ सिक्युरिटी इन्ट्रेस्ट एक्ट (सरफेसी एक्ट 2002 के अंतर्गत) शर्तें–नियम व शर्तेः– सिक्युरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंसियल एसेस्ट्स एन्ड इनफोर्समेंट ऑफ सिक्युरिटी इन्ट्रेस्ट एक्ट (सरफेसी एक्ट 2002 के अंतर्गत) शर्तें–

(1) ई–नीलामी "जहाँ है जैसी है" तथा "बिना किसी शिकायत" के आधार पर तथा सरफेसी अधिनियम तथा उसके नियमों के अधीन की जाएगी । नीलामी बोली ऑनलाइन इलेक्ट्रोनिक प्रक्रिया के तहत वेबसाइट www.bankeauctions.com के माध्यम से निविदाकर्ताओं के मध्य परस्पर बोली के अनुसार दिनांक 30/12/2023 को (समयः दोपहर 1.00 से 2.00 बजे तक) 05 मिनिट के असीमित विस्तार सहित आयोजित की जाएगी । निविदाकर्ता अपनी बोली, बिड वृद्धि राशि केवल उपरोक्त तालिका में "बिड बोली वृद्धि राशि" के गुणन में वृद्धि कर सकता है । (2) इच्छुक निविदाकर्ता यूजर आईडी एवं पासवर्ड वेबसाइट www.bankeauctions.com पर अपना नाम पंजीकृत कर निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं । यूजर आईडी/पासवर्ड से संबंधित किसी भी प्रकार की सहायता हेतु मे. सी–1 इंडिया प्रा.लि. हेल्पलाइन नं. 124–4302020/21/22/23, श्री मिथलेश कुमार– 7080804466, हेल्प लाईन ई–मेः mpcg@c1india.com, support@bankeauctions.com पर संपर्क कर सकते हैं । (3) सम्पत्ति का निरीक्षण प्राधिकृत अधिकारी के साथ पूर्व नियुक्ति के साथ, अपरान्ह 3.00 बजे से शाम 5.00 बजे के बीच या उससे पहले 27/12/2023 तक किया जा सकता है। (4) इच्छुक निविदाकर्ता अपनी धरोहर राशि (ईएमडी) (आरक्षित मूल्य का 10%) DD के द्वारा उपरोक्त दर्शाए गए संबंधित शाखा के खाते में दिनांक 28/12/2023 को सायं 5.30 बजे तक या उससे पूर्व जमा कर सकते हैं । (5) वेब पोर्टल पर निविदाकार के पंजीकरण पश्चात इच्छुक निविदाकार/क्रेता को निम्नवत दस्तावेज दिनांक 28/12/2023 को सायं 5.30 बजे तक या उसके पूर्व वेबपोर्टल पर अपलोड करना आवश्यक होगा । जैसे i) DD चालन प्रति ii) पैनकार्ड iii) पहचान पत्र (केवाईसी) जैसे स्व–सत्यापित वोटर कार्ड/ड्राइविंग लायसेन्स/पासपोर्ट इत्यादि । iv) निवास प्रमाण पत्र की प्रति (जिनके बिना बिड निरस्त की जा सकती है) उक्त बिड प्रपत्र एवं अन्य विवरण मुहरबंद लिफाफे में , जिसके ऊपर "ई–नीलामी हेतु निविदा" लिखकर केनरा बैंक की संबंधित शाखा को दिनांक 28/12/2023 को सायं 5.30 बजे तक या उसके पूर्व आवश्यक रूप से प्राप्त हो जाए । (6) ई–नीलामी प्रक्रिया में केवल वैध यूजर आईडी/पासवर्ड धारक तथा धरोहर राशि के भुगतान की पुष्टिकृत निविदाकर्ता ही भाग ले सकेंगे । निविदाकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि बोली (बिड) जमा करने तथा ई–नीलामी में सम्मिलित होने से पूर्व सी–1 इंडिया प्रा.लि. के वेबपोर्टल www.bankeauctions.com पर उपलब्ध ई–नीलामी के विस्तृत नियमों व शर्तों का अवलोकन कर सकते हैं। (7) प्राधिकृत अधिकारी के अधिकतम ज्ञान एवं जानकारी अनुसार किसी भी संपत्ति/यों पर कोई भार नहीं है। यद्यपि इच्छुक निविदाकर्ता बिड भरने से पूर्व संपत्ति पर प्रभार, नीलामी हेतु प्रस्तुत संपत्ति/यों का स्वामित्व तथा दावों/अधिकार/देनदारियों आदि विषय में स्वतंत्र जाँच कर सकते हैं । ई–नीलामी नोटिस बैंक द्वारा किसी भी प्रकार की प्रतिबद्धता अथवा अभिवेदन नियत नहीं करता है। संपत्तियाँ वर्तमान भार या भविष्य के प्रभार जो बैंक की जानकारी में हो अथवा नहीं, के सहित नीलाम की जा रही है। प्राधिकृत अधिकारी/प्रतिभूत लेनदार किसी भी प्रकार से तृतीय पक्ष के दावों /अधिकारों/देनदारियों के लिए उत्तरदायी नहीं रहेंगे। (8) यह निविदाकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह निविदा के पूर्व संपत्ति व उसके विनिर्देशन का स्वयं निरीक्षण कर संतुष्ट हो लेवें। (9) सफल उच्चतम बोलीकर्ता की अग्रिम धरोहर जमा राशि (ईएमडी) विक्रय प्रतिफल के अंश के रूप में प्रतिधारित की जाएगी तथा असफल बोलीकर्ताओं को ईएमडी वापिस की जाएगी। अग्रिम धरोहर जमा राशि पर कोई ब्याज देय नहीं होगा। (10) नीलामी ऊपर बताए अनुसार आरक्षित मूल्य पर शुरू होगी। बोलीकर्ता को रू. 10,000/- के गुणांक पर बोली लगाना होगा। जो बोलीदाता ई– नीलामी के बंद होने पर उच्चतम बोली (आरक्षित मूल्य से कम नहीं) प्रस्तुत करता है। उसे सफल बोलीकर्ता घोषित किया जायेगा। सफल बोलीकर्ता के पक्ष में बिक्री की पुष्टि सुरक्षित लेनदार द्वारा की गई पुष्टि के अधीन होगा। सफल बोलीकर्ता को विक्रय मूल्य का 25% प्रतिशत (अग्रिम धरोहर राशि समायोजित करते हुए) 01–01–2024 को सुबह 10.00 बजे से सायं 04.30 बजे तक जमा करना अनिवार्य होगा अन्यथा सफल बोलीकर्ता द्वारा जमा की गई 10% की अग्रिम धरोहर राशि को बैंक द्वारा जब्त किया जायेगा तथा विक्रय मूल्य की शेष 75% प्रतिशत राशि 15 दिन के अंदर जमा करना होगा। सफल बोलीकर्ता द्वारा भुगतान करने में असफल रहने की स्थिति में उसके द्वारा जमा राशि जब्त कर ली जाएगी तथा संपत्ति/यों की पुनः नीलामी की जाएगी। (11) निविदाकर्ताओं को सलाह है कि ई–नीलामी में भाग लेने के पूर्व तकनीकी व्यवस्था तैयार रखें । किसी भी प्रकार की इंटरनेट नेटवर्क संबंधी समस्या के लिए प्राधिकृत अधिकारी/बैंक या मे. सी–1 इंडिया प्राइवेट लिमिटिड जिम्मेदार नहीं होगा। (12) वैधानिक/वैधानिक से अतिरिक्त देनदारियाँ, कर, दर, निर्धारण शुल्क, फीस, स्टाम्प शुल्क, पंजीकरण शुल्क आदि क्रेता द्वारा वहन किया जाएगा। (13) प्राधिकृत अधिकारी उच्चतम बोली स्वीकार करने को बाध्य नहीं होगा तथा वह किसी एक या सभी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने या बिना कारण बताए ई–नीलामी स्थगित करने/आगे बढ़ाने/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। (13) संपत्ति से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर (फोन नं. 9425177613, 9039912411, 8349625283) पर संपर्क कर सकते हैं। मुख्य सलाह/शर्तें– इच्छुक निविदाकर्ता ई–नीलामी प्रक्रिया में अपने स्वयं के कार्यालय/स्वेच्छा के स्थान से बोली हेतु सम्मिलित हो सकते हैं । केनरा बैंक एवं सर्विस प्रोवाईडर किसी भी तरह जिम्मेदार नहीं होगा । प्रत्येक निविदाकर्ता द्वारा इंटरनेट कनेक्टीविटी स्वतः सुनिश्चित करनी होगी। बैंक/सेवा प्रदाता किसी भी प्रकार से इंटरनेट कनेक्टीविटी, नेटवर्क समस्या, तंत्र विक्षेप, विद्युत व्यवधान आदि के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

**स्थान– जबलपुर, दिनांक– 29/11/2023**

**प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर**


## प्रथम पृष्ठ का शेष

### मणिपुर हिन्सा में एनजीओ.....

ने डिप्टी कमिश्नर चरुचांदपुर के कार्यालय के एंट्री गेट पर 50 शव रख दिए गए, ये उन लोगों को भी दुखी कर देने वाला था, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल रिपोर्ट के अनुसार, वे लोग अपने प्रियजनों का अंतिम संस्कार करना चाहते हैं और शान्ति चाहते हैं, लेकिन कुछ ह्तह्त और अन्य संगठन हैं, जो इस आग को भड़काए रखना चाहते हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि, यह राज्य सरकार के उन अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बेहद पीड़ादायक था, जो दिन रात मेहनत करके शांति बहाल करने की कोशिशों में जुटे थे। इस तरह से ताबूतों के प्रदर्शन के बाद तनाव और अधिक बढ़ गया था। कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट से एनजीओ और सीएसओ को निर्देश देने की मांग की है और कहा है कि वे लोगों को समझाएं कि वे सहायता राशि ले लें और अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करें। यदि समय रहते वे शवों को नहीं लेते हैं, तो अधिक समय होने पर राज्य सरकार की तरफ से उनका अंतिम संस्कार करवा दिया जाएगा।

# देश-प्रदेश

उवाच

**"मैं आपके बीच भले ही नही आ पाईं, लेकिन आप सबके दिल के बेहद करीब हूं"**

**नई दिल्ली, देशबन्धु।** तेलंगाना में मंगलवार को चुनाव प्रचार का आखिरी दिन रहा। इसी बीच आज कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने तेलंगाना की जनता के लिए एक भावुक वीडियो संदेश जारी कर सूबे में बदलाव के लिए मतदान करने की अपील की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मैं आपके बीच भले ही नही आ पाईं, लेकिन आप सबके दिल के बेहद करीब हूं। आज मै आप सबसे कहना चाहती हूं। तेलंगाना मां के शहीद बेटों का सपना पूरा होते देखना चाहती हूं। उन्होंने कहा-मेरी दिल से इच्छा है कि दोराला तेलंगाना को हम सब प्रजाला तेलंगाना में बदल दें।

## मुख्यमंत्री शिवराज ने कहा : जाबाजों के परिश्रम से बची श्रमिकों की जान

**भोपाल, देशबन्धु।** उत्तरकाशी स्थित लिक्यारा टनल में चल रहे आपरेशन को सफलता प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस सफलता को बाबा केदारनाथ की कृपा और राहत व बचाव कार्य में लगे हमारे जाबाजों के अथक परिश्रम का परिणाम बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि इस सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की दृढ़ इच्छाशक्ति का भी यह परिणाम है, आपने सिद्ध किया कि असंभव कुछ भी नहीं है।

## सुरंग में फसे रहे मजदूरों को एक-एक लाख की आर्थिक सहायता

### बचाव में जिस चीज की जरूरत पड़ी प्रधानमंत्री ने उपलब्ध कराई : वीके सिंह

**उत्तरकाशी।** सुरंग से श्रमिकों के बाहर आते ही उनके लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया गया है। सरकार सुरंग में फंसे मजदूरों को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सिलक्यारा सुरंग में फंसे सभी श्रमिकों को सरकार एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। वहीं उनके अस्पताल में इलाज और घर जाने तक की पूरी व्यवस्था सरकार द्वारा की जाएगी। साथ ही मुख्यमंत्री धामी ने अभियान में जुटे बचाव दल को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने जरुरी होने पर श्रमिकों को हर चिकित्सा सुविधा देने के आदेश दिए हैं। वहीं केन्द्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने कहा, कि अभियान में जिस भी हमें जरूरत पड़ी वह प्रधानमंत्री ने मुहैया करवाई... जितने साधन जुटाए गए हैं, इतने साधन किसी और ऑपरेशन के लिए नहीं जुटाए गए होंगे। इस बचाव अभियान में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, बीआरओ, आरवीएनएल, एसजेवीएनएल, ओएनजीसी, आईटीबीपी, एनएचएआईडीसीएल, टीएचडीसी, उत्तराखंड राज्य शासन, जिला प्रशासन, भारतीय थल सेना, वायुसेना समेत तमाम संगठनों, अधिकारियों और कर्मियों की अहम भूमिका रही।

**डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया**

**बाहर निकलते ही मजदूरों ने बचाव दलों को कहा शुक्रिया**

### भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने दी राहत टीम को बधाई

**भोपाल, देशबन्धु।** भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने उत्तरकाशी टनल से श्रमवीरों को सकुशल निकालने के लिए राहत कार्य में लगी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के बाहर निकालने में टीम ने कड़ा परिश्रम किया है। श्री शर्मा ने श्रमिकों के परिवारों को भी शुभकामनाएं दी हैं।

## पन्ना में बस पलटी, 2 की मौके पर मौत, 2 दर्जन से ज्यादा यात्री घायल

**पन्ना, देशबन्धु।** पहाड़ी खेड़ा से सतना जा रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई, इस हादसे में क्लीनर सहित 2 लोगों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। वही हादसे में 2 दर्जन यात्री घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पन्ना में भर्ती कराया गया है। हादसा सुबह करीब 10 बजे के आसपास हुआ। पुलिस के अनुसार ग्राम पंचायत के भसुडा के बुचुआ नाले के पास तेज रफ्तार बस को काटते समय एक बच्चे को बचाने की कोशिश में ड्राइवर ने बस पर से अपना नियंत्रित खो दिया और बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे के समय बस में करीब 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। बस पलटने ही चीख पुकार मच गई, जिससे आसपास के लोग मौके पर मदद के लिए दौड़ पड़े और यात्रियों को बाहर निकलने का प्रयास किया, कांच तोड़कर घायलों को बाहर निकाला। घटना की खबर तत्काल स्थानीय पुलिस, डायल 100 और एम्बुलेंस को दी गई। खबर मिलते ही बृजपुर थाना प्रभारी बखत सिंह ठाकुर और यातायात प्रभारी ज्योति दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और बस में फंसे यात्रियों को निकालने का प्रयास शुरू किया। एक- एक कर घायल यात्रियों को एम्बुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल इलाज के लिए भिजवाया गया। इस हादसे में बस के नीचे दबने से क्लीनर और यात्री संजय पटेल की मौत हो गई, इन्हें जेसीबी मशीन बुलाकर बस के नीचे से बाहर निकाला गया। हादसे के घायलों को बृजपुर थाना पुलिस और डायल 100 द्वारा पन्ना जिला चिकित्सालय लाया गया है। वहीं हादसे की जानकारी लगते ही पुलिस अधीक्षक सांई कृष्ण एस थोटा भी घायलों का हाल जानने के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचे और घायलों का हाल जाना।

### भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने जताया शोक

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने पन्ना में यात्री बस पलटने से हुई 2 लोगों के असमय निधन पर शोक जताया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा को शांति देने और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदनाए व्यक्त की है।

### आयोग की वेबसाइट और वोटर हेल्पलाइन एप पर देखे जा सकेंगे चुनाव परिणाम

**भोपाल, देशबन्धु।** मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव की मतगणना 3 दिसंबर को मतगणना होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया 3 दिसम्बर को प्रात: 8 बजे से प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों में स्थापित मतगणना केन्द्रों में मतों की गिनती प्रारंभ होगी। मतगणना के राउन्ड-वाइज परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे। सर्वप्रथम प्रात: 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गणना प्रारंभ होगी। इसके आधे घंटे बाद 8.30 बजे ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के तत्काल बाद प्रत्येक उम्मीदवार को मिले डाक मत पत्रों की घोषणा की जाएगी। विधानसभा निर्वाचन-2023 की मतगणना के परिणाम भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https://results.eci.gov.in और वोटर हेल्पलाइन एप (VHA) पर देखे जा सकेंगे। वोटर हेल्पलाइन एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा। इसके अलावा https://ceomadhyapradesh.nic.in पर भी मतगणना के परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे।

### बालाघाट में डाक मतपत्रों से छेड़छाड़ का मामला दिल्ली पहुंचा, कांग्रेस नेता सिंघवी की अगुवाई में चुनाव आयोग से मिले पार्टी नेता

## जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

**नई दिल्ली/भोपाल, देशबन्धु।** मध्य प्रदेश के बालाघाट में डाक मतपत्रों से छेड़छाड़ का मामला दिल्ली तक पहुंच गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंचकर इस मामले की शिकायत की।

पार्टी नेता अभिषेक मनु सिंघवी, सलमान खुर्शीद, गुरदीप सिंह सप्पल की अगुवाई में पार्टी ने आयोग को सौंपे ज्ञापन में बालाघाट का मामला उठाया और कहा कि इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। श्री सिंघवी ने बाद में मीडिया से कहा कि बालाघाट में डाक मतपत्रों के साथ छेड़छाड़ यह गंभीर मामला है इस पर कड़ी कार्रवाई की जाना चाहिए। इससे पहले कांग्रेस ने कल भोपाल में राज्य निर्वाचन अधिकारी अनुपम राजन से भी इस पूरे मामले की शिकायत की थी। पार्टी ने कलेक्टर के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध करते हुए इस पूरे मामले को लेकर आयोग पर भी निशाना साधा था। इसके बाद निर्वाचन आयोग के निर्देश पर कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने एआरओ हिम्मत सिंह को निलंबित कर दिया था। इसके बाद भी मामला शांत नहीं हुआ है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इस मसले पर अधिकारियों को सख्त शब्दों में हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि बालाघाट में जो हुआ है, वह कदाचरण की श्रेणी में आता है। बालाघाट में सोमवार को एआरओ हिम्मत सिंह ने डाक मतपत्रों की पेटी खुलवाकर विधानसभावार सॉर्टिंग करवाई थी। कांग्रेस ने इस मामले में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन को शिकायत की थी और आरोप लगाया है कि डाक मतपत्रों में हेराफेरी की गई है। इस मुद्दे पर कांग्रेस आक्रामक हो गई है। वहीं, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने भी मामले की जानकारी मंगाई थी। भाजपा के प्रवक्ता बालाघाट जिला प्रशासन की कार्रवाई का बचाव करते हुए कांग्रेस के आरोपों पर सवाल उठा रहे हैं।

कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पारदर्शिता और कर्तव्यनिष्ठा लोकतंत्र के बुनियादी उसूल हैं। सोमवार को बालाघाट में डाक मतपत्रों को जिस तरह से खोला गया, वह गंभीर कदाचरण है। उसके बाद सरकारी मशीनरी और जिम्मेदार अधिकारियों ने जिस तरह से इस कृत्य को सही साबित करने की कोशिश की, वह और भी अक्षम्य अपराध है। मैं चुनाव प्रक्रिया में शामिल सभी अधिकारी और कर्मचारियों को याद दिलाना चाहता हूं कि इस समय वह निर्वाचन आयोग के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं, जो मध्य प्रदेश सरकार से अलग एक स्वायत्त संस्था है। वे इस समय किसी पार्टी या मंत्री के मातहत काम नहीं कर रहे हैं। सभी अधिकारी-कर्मचारियों से निवेदन है कि वह किसी भी असंवैधानिक या गैरकानूनी आदेश का पालन न करें और सिर्फ वही कार्य करें जो करना उनका प्रशासनिक दायित्व है। एक-एक अधिकारी और कर्मचारी की कार्यप्रणाली की रिपोर्ट जनता के पास है। मैं कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से भी आग्रह करता हूं कि वह अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए कड़े से कड़े संघर्ष के लिए तैयार रहें। तीन दिसंबर को मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार पर जनता की मुहर लग जाएगी। इसलिए वे निर्द्वंद्व होकर अपने कार्य में जुट जाएं। सत्यमेव जयते।

इध, प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने कहा कि जब चुनाव आयोग के ही स्पष्ट निर्देश हैं कि डाक मतपत्रों की भी गणना 3 दिसंबर के दिन सुबह आठ बजे होगी तो बालाघाट में 27 नवम्बर को स्ट्रॉन्ग रूम कैसे खोला गया, क्या इस कार्य के लिए चुनाव आयोग के ही निर्देश थे। कलेक्टर आरओ कह रहे हैं कि कांग्रेस को कुछ कंफ्यूजन है तो फिर नोडल अफसर को निलंबित क्यों किया गया। असली दोषी तो वही कलेक्टर है, जिनसे उक्त कृत्य की अब निर्वाचन पदाधिकारी जांच करवाएंगे।

### कमलनाथ ने अधिकारियों को चेताया

### कलेक्टर को किया जाए निलंबित

**भोपाल, देशबन्धु।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राज्य के बालाघाट में पोस्टल बैलेट से जुड़े मामले में कलेक्टर को निलंबित करने की मांग की है। सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बालाघाट जिले में पोस्टल बैलेट की प्राप्ति व गिनती में केंद्रीय चुनाव आयोग के नियम व निर्धारित प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ है। जिसकी पूरी जवाबदेही जिला कलेक्टर व पोस्टर बैलेट के रिटर्निंग ऑफिसर की होती है। इसलिए दोनों अधिकारियों का तत्काल निलंबन कर अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। केवल नोडल अफसर का निलंबन करना पर्याप्त नहीं है। बालाघाट जिले से जुड़ा कल एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें कुछ कर्मचारी मतपत्रों को रखते हुए नजर आ रहे थे। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि बालाघाट जिले के इस वीडियो में कर्मचारी पोस्टल बैलेट पत्रों की गिनती कर रहे हैं। वहीं प्रशासन का तर्क था कि बैलेट पत्रों को व्यवस्थित तरीके से रखा जा रहा है। इस मामले में एक तहसीलदार का निलंबन भी हो चुका है।

## शिवराज कैबिनेट की बैठक कल

**भोपाल, देशबन्धु।** शिवराज मंत्रिमंडल के मौजूदा कार्यकाल की अंतिम बैठक गुरूवार को होगी। इस बैठक में सेवानिवृत्त हो रहे मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैस को विदाई दी जा सकती है। साथ ही सरकार के कार्यकाल के दौरान किए गए सफलतम कार्यों के लिए अधिकारियों को बधाई भी दी जाएगी।

इस बैठक में सभी मंत्रियों के अलावा अपर मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों और सचिवों को बुलाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आमतौर पर विधानसभा चुनाव होने के बाद इस तरह कैबिनेट की बैठक बुलाई जाती है। इसमें प्रदेश के विकास के लिए किए गए कार्यों और उसमें सबके सहयोग के लिए आभार जताया जाएगा। इसमें मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना सहित सभी वर्गों के लिए कार्यों का मुख्यमंत्री द्वारा विशेष तौर पर उल्लेख किया जा सकता है। बताया जाता है कि इस बैठक में उसी दिन सेवानिवृत्त हो रहे मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैस को विदाई दी जा सकती है। चर्चा है कि राज्य निर्वाचन आयोग बुधवार को उनकी जगह वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी वीना राणा को मुख्य सचिव का दायित्व दे सकता है।

## स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में उत्कृष्ट पहल के लिए डॉ. रचना दुबे पुरस्कृत

**भोपाल, देशबन्धु।** चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने की उत्कृष्ट पहल के लिए मध्य प्रदेश की डॉ. रचना दुबे को इंटरनेशनल पब्लिक रिलेशन फेस्टिवल 2023 में नेशनल पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन्हें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में आउटस्टेन्डिंग इनीशिएटिव फॉर प्रमोटिंग मेडिकल एण्ड हैल्थ केयर सर्विसेस श्रेणी के अंतर्गत प्रदान किया गया है।पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया ने महिलाओं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मध्य प्रदेश स्वास्थ्य सूचना शिक्षा संचार ब्यूरो की संचालक सह इनफर्टिलिटी एवं सर्वाइकल कैंसर प्रिवेंशन क्लीनिक की प्रभारी डॉ. रचना दुबे को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार 27 नवंबर को डॉ. भीमराव अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर दिल्ली में एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम में प्रदान किया गया।डॉ. रचना दुबे, प्रभारी हैल्थ एण्ड वैलनेस सेन्टर, जे.पी. चिकित्सालय भोपाल, महिलाओं में जो कि एक लाइफस्टाइल डिस्आर्डर है का हॉलिस्टिक ट्रीटमेंट प्रदान कर रही हैं, जो महिलाओं के प्रजनन, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

इनमें से कई लड़कियों को अनियमित मासिक धर्म, हार्मोनल असंतुलन, अनचाहे बाल, मुंहासे, मोटापा, मूड स्विंग्स, तनाव एवं गर्भधारण करने में कठिनाई होती है, जिसका असर उनके सामाजिक जीवन और शिक्षा पर भी पड़ता है।

डॉ. रचना दुबे ने अपने अभिनव प्रयासों से दवाओं के साथ-साथ पीसीओएस की समस्या से समग्र रूप से निपटने के लिए संपूर्ण आहार, मानसिक स्वास्थ्य एवं एंथ्रोपोमैट्रिक मापदंडों के आकलन हेतु हैल्थ मूल्यांकन प्रारुप भी तैयार किया है।अभी तक 2000 लड़कियां एवं महिलाएं लाभान्वित हो चुकी है तथा स्कूल एवं कॉलेजेस् में पीसीओएस जागरुकता शिविरों का आयोजन कर किशोरियों में जागरुकता बढ़ाई है।

### सीईईडब्ल्यू के अध्ययन से मिली जानकारी

## विकसित देशों के लोग ज्यादा फैला रहे कार्बन प्रदूषण

**नई दिल्ली, एजेंसी।** काउंसिल ऑन एनर्जी, इनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के नए अध्ययन के अनुसार, कई विकसित देशों में औसत आय वाले एक व्यक्ति का कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन अर्जेंटीना, ब्राजील, भारत और आसियान क्षेत्र जैसे विकासशील देशों की जनसंख्या में शीर्ष 10 प्रतिशत अमीरों की श्रेणी के किसी व्यक्ति के कार्बन उत्सर्जन से कहीं ज्यादा है।

**विकसित देश का औसत कमाई वाला, भारत के बड़े अमीर से ज्यादा करता है कार्बन प्रदूषण**

सीईईडब्ल्यू द्वारा मंगलवार को यहां इस बारे में जारी एक अध्ययन रिपोर्ट 'द इमीशन डिवाइड: इनएक्विलिटी एक्रॉस कंट्रीज एंड इनकम क्लासेज' के अनुसार सऊदी अरब, अमेरिका या ऑस्ट्रेलिया में कम आय वर्ग की 10 प्रतिशत आबादी में शामिल किसी भी व्यक्ति का कार्बन उत्सर्जन भारत, ब्राजील या आसियान क्षेत्र के सबसे गरीब वर्ग के व्यक्ति की तुलना में 6 से 15 गुना ज्यादा होता है। यह रिपोर्ट ऐसे समय आयी है जब दुनिया भर के नेता इस महीने के अंत में पेरिस जलवायु समझौते को लागू करने में देशों की प्रगति की वैश्विक समीक्षा के लिए दुबई में 28वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (कॉप28) में जुट रहे हैं। सीईईडब्ल्यू की विज्ञप्ति के अनुसार उसका यह अध्ययन रेखांकित करता है कि विकसित देशों और चीन की तरफ से सतत जीवनशैली अपनाने और विकासशील देशों के लिए कार्बन स्पेस को बरकरार रखने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। वर्ल्ड इनएक्विलिटी डेटाबेस और विश्व बैंक के आंकड़ों पर आधारित सीईईडब्ल्यू के अध्ययन ने विकसित और विकासशील दुनिया के 14 देशों, यूरोपीय संघ (ईयू) और आसियान क्षेत्र में विभिन्न आय वर्गों के लिए प्रति व्यक्ति कार्बन डाई-ऑक्साइड उत्सर्जन का विश्लेषण किया है। एक साथ मिलकर ये प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं लगभग 81 प्रतिशत वैश्विक उत्सर्जन, दुनिया के 86 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद और 66 प्रतिशत वैश्विक आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं। इस अध्ययन में पाया गया है कि विकसित देशों और चीन के सर्वाधिक 10 प्रतिशत अमीर अध्ययन में शामिल सभी विकासशील देशों के कुल उत्सर्जन की तुलना में 22 प्रतिशत ज्यादा कार्बन डाई-ऑक्साइड उत्सर्जित करते हैं।

### ठंड के साथ-साथ बारिश का दौर भी शुरू

## बदरीनाथ धाम ने ओढ़ी बर्फ की सफेद चादर

**देहरादून, देशबन्धु।** उत्तराखंड में ठंड के साथ-साथ बारिश का दौर भी शुरू हो गया है। इसी बीच पहाड़ों पर अचानक मौसम बदलने से बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद लगातार बर्फबारी हो रही है। जिससे बदरीनाथ धाम में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है। मौसम विभाग ने आज फिर बर्फबारी और कोहरा छाने का अंदेशा जताया है। जिससे लोगों की परेशानियां बढ़ सकती हैं। बीते दिन प्रदेश भर में कोहरा देखा गया। वहीं, मंगलवार की शुरुआत भी हल्के कोहरे के साथ हुई है। साथ ही मैदानी क्षेत्रों में बादल भी छाए हैं। मौसम के करवट बदलने से बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में बर्फबारी हुई है। साथ ही अन्य उच्च हिमालय क्षेत्र पर बर्फबारी का सिलसिला भी जारी है। जिसके चलते पहाड़ से लेकर मैदान तक ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। यही नहीं, मसूरी में तापमान गिर गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार, उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ के कुछ जगहों पर गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना जताई है।

## सेवानिवृत्ति से 3 दिन पहले तबादला, इंजीनियर ने रेलवे बोर्ड से कहा- यह सरासर पागलपन

**बिलापुर, एजेंसी।** छत्तीसगढ़ से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहांरेलवे के एक कर्मचारी का उसके रिटायरमेंट से तीन दिन पहले सैकड़ों किलोमीटर दूर तबादला कर दिया गया. कर्मचारी ने इस आदेश पर नाराजगी जताते हुए रेलवे बोर्ड को एक पत्र लिखा है। साथ ही रेलवे के आदेश को 'पागलपन' करार दिया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के संचार प्रमुख इंजीनियर का तबादला उनके लिए उत्पीड़न की वजह बन गया है. खबर है कि भारतीय रेलवे में काम करने वाले कर्मचारी का उनकी सेवानिवृत्ति के तीन दिन पहले सैकड़ों किलोमीटर की दूरी पर तबादला कर दिया गया। दरअसल केपी आर्य 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, लेकिन तीन दिन पहले उनका तबादला छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से दिल्ली कर दिया गया. इससे परेशान होकर उन्होंने रेलवे बोर्ड को लेटर लिखा और कहा, यह आदेश सतही तौर पर तो सही लगता है, लेकिन जब एक सप्ताह के भीतर 30 नवंबर 2023 को मैं सेवानिवृत्त हो रहा हूं। यह आदेश साफ तौर पर पागलपन दिखता है। तबादला आदेश में कहा गया, केपी आर्य को 28 नवंबर 2023 को उत्तर रेलवे में उच्च प्रशासनिक ग्रेड (एचएजी) पद का कार्यभार संभालना है, जबकि उनका रिटायरमेंट 30 नवंबर को होने वाला है. आर्या ने उत्तर रेलवे (एनआर) जोन में अपने ट्रांसफर किए जाने को रेलवे बोर्ड की ओर से अपना उत्पीड़न बताया है. मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि एसईसीआर जोन में पहले से ही एचएजी का एक पद खाली था, फिर भी रेलवे बोर्ड ने उन्हें उत्तर रेलवे जोन में इसी पद पर ट्रांसफर करने का फैसला किया. उन्होंने कहा, मैं दिल्ली में उत्तर रेलवे के मुख्यालय में सिर्फ तीन दिन काम करूंगा और भारतीय रेलवे से रिटायर हो जाऊंगा।

श्री आर्या ने कहा कि उनका प्रमोशन 6 महीने पहले ही होना था, पर उसे लंबित कर दिया गया। सेवानिवृत्त के कुछ दिन पहले किया गए इस तबादला को उन्होंने सिर्फ परेशान करने का तरीका बताया है, जिससे सेवानिवृत्त के समय उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़े। उन्होंने कहा, रेलवे मुझे तबादला भत्ते के रूप में करीब तीन लाख रुपए देगी, जो पूरी तरह से जनता के पैसे की बर्बादी है।

देशबन्धु

जबलपुर, बुधवार 29 नवम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन



## हादसा और हकीकत

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में प्रचार का दौर अब खत्म हो गया है। 28 नवंबर की शाम को मतदान के आखिरी दौर यानी तेलंगाना में चुनावों के पहले का प्रचार भी खत्म हो गया। इससे पहले मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में चुनाव हो चुके हैं। 30 तारीख को तेलंगाना में मतदान होगा और उसके बाद 3 दिसंबर को नतीजे आ जाएंगे। यानी 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक प्रधानमंत्री के पास कम से कम चुनावों का कोई काम नहीं होगा। वर्ना वे साल में तीन चौथाई समय इसी में व्यस्त रहते हैं। बचा एक चौथाई वक्त, हरी झंडी दिखाने, मंदिरों में पूजा-पाठ, नियुक्ति पत्र वितरण या फिर मन की बात में निकल जाता है। अभी पांच राज्यों के चुनाव थे, तो श्री मोदी की व्यस्तता अत्यंत बढ़ गई थी। आखिर सारे कामों में सबसे जरूरी उनके लिए भाजपा का प्रचार करना ही तो है। उन्हें भाजपा की खातिर विश्वकप क्रिकेट का फाइनल मुकाबला देखने अहमदाबाद जाना पड़ा, फिर बंगलुरू में तेजस में उड़ान भरनी पड़ी, इसके बाद तिरूपति जाकर बालाजी के दर्शन भी करने पड़े और इन सबके बीच 26 नवंबर को उन्होंने मन की बात भी की। भाजपा सही कहती है कि श्री मोदी 18 घंटे काम करते हैं। मात्र तीन घंटे सोने वाले श्री मोदी दिल्ली से ढाई हजार किलोमीटर दूर मणिपुर नहीं जा पाए। वे दिल्ली से 423 किमी दूर सिलक्यारा भी कम से कम इन पंक्तियों के लिखने तक नहीं पहुंच पाए।

उत्तरकाशी का सिलक्यारा 17 दिनों पहले तब सुर्खियों में आया, जब दीपावली के दिन खबर आई कि यहां बनाई जा रही साढ़े चार किमी की सुरंग में 41 मजदूर फंस गए हैं। कार्तिक अमावस्या की काली रात, जब देश का आसमान घुप्प स्याह हो गया था और लोग दीयों से अपनी जिंदगियों में रौशनी भरने में लगे थे, तब इन मजदूरों और इनके परिजनों के लिए रात और काली हो गई थी। अमावस्या से पूर्णिमा तक दिन गुजरते गए, इस दौरान इन मजदूरों के परिजन हर पल आस लगाए बैठे रहे कि किसी तरह उनके अपने अंधेरी सुरंग से बाहर निकल आएं। बचाव और राहत कार्य की कोशिशें जारी रहीं। विदेशों से मशीन मंगाई गई, उससे काम नहीं बना तो दूसरे तरीके आजमाए गए। मजदूरों से किसी तरह संवाद कायम रखा गया, उनकी खैर-खबर ली जाती रही। किसी ने बताया कि दैवीय प्रकोप यानी देवता के रुष्ट होने के कारण यह हादसा हुआ तो सुरंग के मुहाने पर बाबा बौखनाग का मंदिर अस्थायी तौर पर बनाया गया। यहां के लोगों में से कुछ का कहना है कि सुरंग बनाने के लिए पहले बने यहां के मंदिर को हटाया गया था, इसलिए यह हादसा हुआ। अब यह सोचने वाली बात है कि प्रकोप का शिकार मजदूर ही क्यों बने। अगर उन्होंने मंदिर पहले तोड़ा भी था, तो वो किसी के आदेश पर ही किया था, और ऐसे में सारा दोष आदेश देने वाले का हुआ, मजदूरों का नहीं। लेकिन जब बात धार्मिक मान्यताओं की हो तो वहां तर्कों को खारिज कर दिया जाता है। मुख्यमंत्री धामी ने अपने ट्वीट में सबसे पहले बाबा बौखनाग की कृपा ही मानी है कि सभी मजदूरों के निकलने की आस बनी है।

कल ही यहां पूर्व सेनाध्यक्ष और केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री वी के सिंह पूजा करते भी दिखे। एक टीवी चैनल ने ये भी दिखाया कि मंदिर के पास ही चट्टान पर एक आकृति उभरी है, जो शिवजी की तरह लग रही है। अमूमन आम लोग इस तरह की बातें करते हैं कि किसी पेड़ पर, फल को बीच में या चट्टान पर किसी देवता या देवी की आकृति नजर आई। यह विशुद्ध आस्था की बातें होती हैं और इनका कोई ठोस वैज्ञानिक आधार नहीं होता। जिस आकृति में एक धर्म के लोगों को अपने ईष्ट नजर आ सकते हैं, वही आकृति दूसरे धर्म के लोगों के लिए महज एक डिजाइन हो सकती है। पत्रकारिता में ऐसी बातों का जरा भी स्थान नहीं होना चाहिए। क्योंकि इनसे हम किसी न किसी तरह अंधविश्वास को बढ़ावा देते हैं। कहने को तो 21 सितंबर 1995 को पूरे देश में भगवान गणेश की प्रतिमाओं ने दूध पीना शुरु कर दिया था, यह खबर दुनिया भर के देशों में भी फैली थी और वहां भी कई भारतीयों ने मूर्ति को दूध पिलाने की कोशिश की थी। अफवाह फैलाने का एक सफल प्रयोग सिद्ध हुआ था और यह तय हो गया था कि भारतीयों के पास अगर चांद तक पहुंच रखने वाला दिमाग है, तो अंधविश्वासों को खुद पर हावी होने देने वाला दिल भी है। इस दिल और दिमाग के बीच जुगलबंदी बिठाते हुए सत्ता का खेल बखूबी खेला जा रहा है।

बहरहाल, जिसकी जो निजी आस्था है, वो उसे अपने तक सीमित रखे, उसका सार्वजनिक बखान बिल्कुल नहीं होना चाहिए। मगर अब न पत्रकारिता में ऐसे मूल्यों को महत्व दिया जा रहा है, न राजनीति में। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक खबर ये है कि सिलक्यारा की सुरंग में बस दो मीटर की खुदाई और करना है, फिर मजदूरों को बाहर निकाला जा सकता है। मजदूर आज की रात खुली हवा में सांस ले पाएंगे और कल का सूरज देख पाएंगे। उनका हौसला बना रहे, इसके लिए एक दूसरे पाइप के जरिए एंबुलेंस और भोजन-पानी पहुंचाया जा चुका है। बाहर निकलते ही मजदूरों के स्वास्थ्य की देखभाल का इंतजाम किया गया है। सुरंग में ये बचाव कार्य भारत का अब तक सबसे बड़ा ऑपरेशन माना जा रहा है। और इस ऑपरेशन में लगे तमाम लोगों की पहचान उनकी योग्यता और काम से हो सकती है, कपड़ों से नहीं।

अगर पहचान करनी ही है तो अब उन कारणों को पहचानना चाहिए, जिसकी वजह से ये हादसा हुआ और 41 जिंदगियां खतरे में पड़ गई। चारधाम यात्रा को साल भर करने की जिद पहाड़ों पर भारी पड़ रही है। हिमालय नया पहाड़ है और इस पर पड़ने वाले दबाव का अंजाम केदारनाथ हादसे में देश भुगत चुका है। प्रकृति और विज्ञान दोनों की चेतावनियों को नजरअंदाज करते हुए पहाड़ में सुरंग खोदी जा रही है। आश्चर्य नहीं होगा, अगर कुछ दिनों की शांति के बाद यहां फिर से काम शुरु हो जाए। और सुरंग बनने के बाद प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री उसका उद्घाटन करते दिखें।

# जमीनी मुद्दों के साथ धर्मनिरपेक्षता पर लौटता राजनीतिक विमर्श

जिन पांच राज्यों की विधानसभाओं के लिये चुनाव निर्धारित हुए हैं उनमें से अंतिम तेलंगाना में गुरुवार को मतदान सम्पन्न हो जायेगा। मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान सभी में मतदान पहले ही हो चुका है। इन सभी प्रदेशों के नतीजे एक साथ 3 दिसम्बर को आयेंगे। इन प्रादेशिक चुनावों का महत्व केवल सत्ता पर काबिज होने का नहीं रह गया है। उसके फलादेश को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखे जाने की ज़रूरत है। इसका महत्व सिर्फ इसलिये भी नहीं है कि ये चुनाव अगले साल के मध्य में होने जा रहे लोकसभा चुनाव के ऐन पहले हुए हैं। कायदे से तो जम्मू-कश्मीर के भी दिसम्बर में किये जाने थे परन्तु निर्वाचन आयोग एवं केन्द्र सरकार की न तो तैयारी दिखती है और न ही मंशा। हर बार की तरह सियासत की मुख्य धारा से अलग और बिलकुल भिन्न तरह के मुद्दों पर लड़ा जाने वाला जम्मू-कश्मीर का चुनाव जब भी होगा, इन राज्यों के मुकाबले अलग तासीर वाला रहेगा।

पिछले करीब साल भर से जो राजनीतिक परिदृश्य निर्मित हुआ है, उससे साफ है कि ये चुनाव लोकसभा-2024 के लिये जो विमर्श रचेंगे, उनमें जमीनी मुद्दों के साथ धर्मनिरपेक्षता का आयाम भी लौटेगा। भावी भारत किस राह चलेगा, यह भी इन्हीं 5-6 महीनों में तय हो जायेगा। वैसे जनसरोकार हो या धर्मनिरपेक्षता- दोनों को ही बेपटरी करने का काम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में बनी केन्द्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी ने किया है। पहले कार्यकाल (2014-19) में उसकी शुरुआत हुई और 2019 में प्रारम्भ हुई उनकी दूसरी कार्यावधि के दौरान उसमें प्रगाढ़ता आई। ऐसे में जब तीसरी बार पीएम बनने मोदी को जनादेश लेने के लिये जनता के बीच जाने में आधा साल भी नहीं बचा है, ऐसे कोई चिन्ह दिखलाई नहीं देते कि वे किसी नयी राह पर चलकर लोगों से वोट मांगेंगे। इसका कारण यही है कि इस बीच उन्होंने न तो यथार्थवादी मुद्दों पर काम किया और न ही साम्प्रदायिक सौहार्द्र व सामाजिक सद्भाव को महत्ता दी। इसके उलट उन्होंने सामजिक विभाजन तथा ऊर्ध्वाधर व क्षैतिज दोनों ही तरह से समाज को बांटने का काम किया है। इसके भरपूर दृष्टांत पिछले नौ-साढ़े नौ साल के दौरान देखने को मिले। इसलिये यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या अगले चुनावों में ऐसा एजेंडा निर्धारित हो पायेगा जिससे देश अपनी खोई हुई लय को पा जाये? यूं तो दोनों ही मसले समान महत्व के हैं परन्तु कह सकते हैं कि जनहित के मुद्दों से हटने के कारण लोगों का जो आर्थिक नुकसान हुआ है उसकी तो बड़े प्रयासों से भरपायी हो सकती है, लेकिन लोगों के बीच जो विभाजन और सामाजिक विखंडन हुआ है, उसको ठीक करने में लम्बा समय लगेगा। वैसे भी आने वाली सरकारें अगर जमीनी मुद्दों पर नये सिरे से पहल करती है तो उसका कोई विरोध न होगा क्योंकि आर्थिक लाभ सभी को सुहाता है- वैचारिक मतभेदों के बावजूद; परन्तु लोगों को फिर से जोड़ने एवं समाज को एक सूत्र में पिरोने की अगर कोशिशें होती हैं तो उसका विरोध उन्हीं शक्तियों द्वारा जारी रहेगा जो पिछली करीब एक शताब्दी से सक्रिय रही हैं और जिन्होंने देश को कभी एक न होने देने के लिये एड़ी-चोटी का जोर लगाये रखा।



डॉ. दीपक पाचपोर

**ध्रुवीकरण की काट तो सशक्तिकरण ही है। जातिगत जनगणना, न्याय योजनाएं, कर्ज माफी, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, न्याय योजनाएं आदि ऐसे अनेक मुद्दे हैं जो कांग्रेस के हाथ मजबूत कर सकते हैं। कर भी रहे हैं। इन्हीं के बल पर कांग्रेस राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के अलावा तेलंगाना भी जीत सकती है। कर्नाटक के चुनावी नतीजों ने कांग्रेस का ठोस मुद्दों की राजनीति में जो विश्वास मजबूत किया है, उसे आगे बढ़ाने में इन पांच राज्यों के परिणाम मदद करेंगे।**

इन पांच राज्यों के चुनावों के परिणामों के जैसे अनुमान लगाये जा रहे हैं, अगर वैसा हुआ तो धर्मनिरपेक्षता के भी केन्द्र में लौटने की आशा बंधती है। इसका कारण यह है कि इन चुनावों में मतदाताओं की दिलचस्पी केवल आर्थिक मुद्दों पर नहीं थी। यह सच है कि लोग शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महंगाई, भ्रष्टाचार, केन्द्रीकृत पूंजीकरण पर बातें करने लगे हैं और अब इन्हें जीवन के ज़रूरी हिस्से मानने लगे हैं। फिर भी, कर्नाटक चुनाव से जनता के बीच जो हिलोरें उठी थीं वे इन राज्यों तक पहुंचते-पहुंचते बड़ी लहरें बन चुकी हैं जिनमें भाजपा की नाव डूबती नज़र आ रही है- पांचों राज्यों में। मिजोरम तथा तेलंगाना में तो वह वैसे भी मैदान से बाहर हो चुकी है। राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में वह विकास पर कोई बात नहीं कर पाई, जबकि उसके तीनों मुख्यमंत्रियों ने इन सूबों पर लम्बा वक्त राज किया है- क्रमशः वसुंधरा राजे सिंधिया, शिवराज सिंह एवं डॉ. रमन सिंह। इसकी बजाय उसने ध्रुवीकरण को ही आजमाना तय किया। राजस्थान में कन्हैयालाल की हत्या को उठाया तो छत्तीसगढ़ में कवर्धा व बीरनपुर (बेमेतरा) के मामलों को केन्द्र में रखा। बीरनपुर कांड में मारे गये भुनेश्वर साहू के पिता ईश्वर साहू को उसने साजा विधानसभा क्षेत्र में कद्दावर नेता रवींद्र चौबे के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा। मध्यप्रदेश में कोई घटना विशेष का इसलिये ज़िक्र नहीं किया क्योंकि वहां उसी की सरकार है। तो भी साम्प्रदायिकता का विषय कभी पीछे नहीं छूटा। वहां ध्रुवीकरण की जो भी कोशिशें हुईं वे अपनी सरकार को बचाने, उसे निर्दोष साबित करने और कांग्रेस को दोषी साबित करने वाली थीं। हालांकि वहां भ्रष्टाचार, एक आदिवासी युवक के सिर पर सवर्ण द्वारा पेशाब करने जैसे मामले अधिक मुखर रहे।

दरअसल राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से धर्मनिरपेक्षता का विमर्श शुरू हुआ था। नफरत के खिलाफ निकाली गई मोहब्बत की इस यात्रा का मकसद उसी वैमनस्यता को खत्म करना था जो हिदुओं-गैर हिंदुओं तथा हिंदुओं के भीतर अगड़ों-पिछड़ों के बीच भाजपा ने घुसाया है। सवाल अब यह है कि ऐसे में जब मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और उसके अन्य 27 सहयोगी दल, जो अब संयुक्त प्रतिपक्ष यानी इंडिया के हिस्से हैं तथा वे भी जन सरोकारी राजनीति पर उतरे हुए हैं, उन्हें सकारात्मक जवाब देने भाजपा अपनी राह बदलेगी? सम्भवतः नहीं। इसका कारण यह है कि अब भी पार्टी का प्रमुख या कहें तो एकमात्र चेहरा मोदी ही हैं जिनकी लोकप्रियता का आधार ही उनका ध्रुवीकरण की राजनीति में पारंगत होना है। विकास के मामले में उनका ट्रैक रिकार्ड बेहद खराब है। इसलिये दरकती छवि के बावजूद भाजपा व मोदी अब भी ध्रुवीकरण के ही एजेंडे पर कायम हैं। राममंदिर के शिलान्यास की तिथि नज़दीक आ रही है- 22 जनवरी, 2024 और इसमें मुख्य अतिथि (शायद अकेले) मोदी रहेंगे और पार्टी इस संदेश को देश के घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी कर चुकी है। न करती तो आश्चर्य होता। राजस्थान का चुनाव जिस शाम खत्म हुआ, मोदी का मथुरा में मीरा जन्मोत्सव और उस स्थान पर जाना जहां कृष्ण का जन्म हुआ था, संकेत देता है कि अयोध्या के बाद अब बारी मथुरा की है। अगले दिन तिरुपति बालाजी मंदिर में मोदी का पहुंचना बतलाता है कि भाजपा के पास कोई अन्य मुद्दा शेष नहीं है और 2024 का चुनाव अंततः इन्हीं तरीकों से लड़ा जाएगा।

इसके बावजूद कहा जा सकता है कि ध्रुवीकरण की काट तो सशक्तिकरण ही है। जातिगत जनगणना, न्याय योजनाएं, कर्ज माफी, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, न्याय योजनाएं आदि ऐसे अनेक मुद्दे हैं जो कांग्रेस के हाथ मजबूत कर सकते हैं। कर भी रहे हैं। इन्हीं के बल पर कांग्रेस राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के अलावा तेलंगाना भी जीत सकती है। कर्नाटक के चुनावी नतीजों ने कांग्रेस का ठोस मुद्दों की राजनीति में जो विश्वास मजबूत किया है, उसे आगे बढ़ाने में इन पांच राज्यों के परिणाम मदद करेंगे। भाजपा की दिक्कत यह है कि अब अगर वह अपना एजेंडा बदलना भी चाहे तो उसके पास इस मोर्चे पर साख बनाने का वक्त नहीं है। फिर उनके अपने समर्थक ही उनसे मुंह मोड़ लेंगे।

(लेखक देशबन्धु के राजनीतिक सम्पादक हैं)

# गाजा संघर्ष ने बढ़ाया धार्मिक नेताओं के बीच मतभेद

■ जेम्स एम डोर्सी

7 अक्टूबर को इज़रायल पर हमास के हमले ने सिर्फ मुस्लिम राजनीतिक नेताओं को ही विभाजित नहीं किया है, बल्कि इसने धार्मिक हस्तियों और संस्थानों को भी इस बात पर अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त करने के लिए विवश किया कि 21वीं सदी में इस्लाम का क्या मतलब है, जो इसके बारे में एक गहरे विभाजन को दर्शाता है।

मतभेदों के मूल में इजरायल-फिलिस्तीनी विभाजन के दोनों किनारों पर निर्दोष पीड़ितों के साथ सहानुभूति रखने की क्षमता और इच्छा है, भले ही ध्यान गाजा पर इजरायल के हमले, पश्चिम के दोहरे मानकों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नरसंहार पर और लड़ाई पर दीर्घकालिक रोक लगाने में विफलता पर हो।

यह विभाजन इजरायलियों और यहूदियों के बीच प्रतिबिंबित होता है, जिनमें से कई को निर्दोष फिलिस्तीनी नागरिकों की अत्यधिक पीड़ा के प्रति बहुत कम सहानुभूति है।

निश्चित रूप से, अधिकांश मुस्लिम धार्मिक नेताओं का मानना है कि हमास का हमला 1967 के मध्य पूर्व युद्ध के दौरान जीती गई फिलिस्तीनी भूमि पर दशकों के कब्जे और फिलिस्तीनी प्रतिरोध को दबाने और एक स्वतंत्र राष्ट्र की स्थापना को विफल करने के लिए बनाई गई इजरायली नीतियों से उपजा है।

**गाजा युद्ध ने इजरायल-फिलिस्तीनी विभाजन के दोनों किनारों पर मनुष्यों की सबसे विनाशकारी प्रवृत्ति- अस्तित्व, क्रोध, भय, निराशा और प्रतिशोध- को जन्म दिया है। युद्ध मुस्लिम और यहूदी धार्मिक नेताओं के लिए एक अग्निपरीक्षा है कि क्या वे लड़ाई से ऊपर उठ सकते हैं और मानवीय और नैतिक रूप से बचाव योग्य स्थिति अपना सकते हैं? अब तक, वे काफी हद तक परीक्षण में विफल रहे हैं।**

कई लोग यह भी तर्क देते हैं कि गाजा में अंधाधुंध इजरायली बमबारी और जमीनी हमले ने 14,000 से अधिक गाजावासियों को मार डाला, 30,000 से अधिक अन्य को घायल कर दिया, और जीवन की बुनियादी सुविधाओं के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया। इसने हमास के हमले की क्रूरता को भी पीछे छोड़ दिया, जिसके कारण 1,200 लोगों की मौत हुई जिसमें ज्यादातर नागरिक इजरायली थे।

मुस्लिम धार्मिक नेताओं और विद्वानों के बीच विभाजन मुसलमानों के स्पेक्ट्रम के दो ध्रुवों की प्रतिक्रिया में स्पष्ट है जो खुद को उदारवादी के रूप में परिभाषित करते हैं।

इसमें शरिया और राजनीतिक बहुलवाद में सर्वोच्चतावादी और भेदभावपूर्ण धाराओं को हटाने के लिए इस्लामी न्यायशास्त्र में सुधार की वकालत करने वाले धार्मिक नेताओं और विद्वानों से लेकर निरंकुशों से जुड़े धार्मिक हस्तियां और संस्थान तक शामिल हैं, जिनमें से कुछ अधिक सामाजिक स्वतंत्रता के पक्षधर हैं, लेकिन असहमति को दबाते हैं और धार्मिक कानून में सुधार का विरोध करते हैं।

इस्लाम की 'उदारवादी' व्याख्याओं में विविधता यह परिभाषित करने के संघर्ष को दर्शाती है कि 21वीं सदी में उदारवादी इस्लाम का क्या अर्थ है। यह आस्था की उदारवादी और अधिक उग्रवादी अभिव्यक्तियों के बीच विभाजन को भी प्रतिध्वनित करता है जो तुर्की के राष्ट्रपति रेसेपतैयपएर्दोगन से लेकर ईरान के जिहादियों तक फैली हुई है।

7 अक्टूबर के हमले में नागरिक इजरायलियों की बेतहाशा हत्या के साथ, मुस्लिम ब्रदरहुड से प्रेरित एक इस्लामी समूह हमास, जो अपने राष्ट्रवाद को धार्मिक आवरण में छुपाता है, ने इस्लाम के उदारवादी और अधिक उग्रवादी अभिव्यक्तियों के बीच की रेखाओं को धुंधला कर दिया है।

विभिन्न दृष्टिकोणों की गड़बड़ी अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के अनुपालन को सुनिश्चित करने और आतंकवादियों को शरिया में वैधीकरण खोजने की क्षमता से वंचित करने के लिए मुस्लिम धार्मिक न्यायशास्त्र में सुधार की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।

दुनिया के सबसे बड़े और सबसे उदारवादी, इंडोनेशिया स्थित मुस्लिम नागरिक समाज आंदोलन, नहदलातुलउलमा और काहिरा स्थित इस्लामी शिक्षा के 1,053 साल पुराने गढ़ अल-अजहर की गाजा युद्ध की प्रतिक्रियाओं में विरोधाभास, इस गड़बड़ी को उजागर करता है।

इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के 'न्यायपूर्ण' समाधान का आह्वान करते हुए एक बयान में, नहदलातुलउलमा ने आग्रह किया कि धार्मिक प्रेरणा- जिसमें सार्वभौमिक प्रेम और करुणा, मानव भाईचारा और न्याय के मूल्य शामिल हैं - को हर समय सार्वजनिक जागरूकता में सबसे आगे लाया जाना चाहिए और जमीनी स्तर से लेकर राज्य सत्ता के गलियारों तक, समाज के हर स्तर पर संघर्ष को सुलझाने में मदद करना चाहिए।

बयान में मुसलमानों से 'बढ़ती (इजरायली-फिलिस्तीनी) हिंसा में मारे गये सभी लोगों की आत्माओं के लिए सामूहिक रूप से प्रार्थना करने का आह्वान किया गया।'

इसने आगे वकालत की कि 'हर जगह लोग और सरकारें... नफरत और शत्रुता को बढ़ावा देने के लिए पहचान को हथियार बनाने या धर्म की अपील करने से बचें, जिसमें इज़रायल और फिलिस्तीन के बीच संघर्ष और हिंसा भी शामिल है।'

बयान के बाद, नहदलातुलउलमा ने 'मध्य पूर्व हिंसा और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के खतरों को संबोधित करने में धर्म की भूमिका' पर चर्चा करने के लिए मुस्लिम और गैर-मुस्लिम धार्मिक अधिकारियों को एक शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है।

इसके विपरीत, अलअज़हर ने अपने बयान में कहा, 'हम फ़िलिस्तीनी लोगों के प्रतिरोध के प्रयासों को गर्व से सलाम करते हैं।' इसने फिलिस्तीनियों के प्रति 'ईमानदारी से संवेदना' व्यक्त की, जो 'अपनी मातृभूमि और राष्ट्र की रक्षा के लिए शहीद हो गये' और मारे गये निर्दोष इजरायलियों का कोई उल्लेख नहीं किया गया।

अलअज़हर के ग्लोबल फतवा सेंटर ने हमास के दावे को दोहराते हुए एक धार्मिक राय जारी की कि कोई भी इजरायली निर्दोष नहीं है, क्योंकि इजरायल के बयान उस छवि को पेश करते हैं जिसके अनुसार सभी गाजावासी आतंकवादी और हमास के समर्थक हैं।

फतवे में कहा गया, 'नागरिक' शब्द कब्जे वाली भूमि पर ज़ायोनी निवासियों पर लागू नहीं होता है। बल्कि, वे उस भूमि पर कब्ज़ा करने वाले हैं जो अधिकारों को हड़पते हैं, पैगम्बरों के तरीकों की उपेक्षा करते हैं और ऐतिहासिक यरूशलेम में पवित्र स्थलों पर हमला करते हैं।'

यह स्पष्ट नहीं है कि क्या फतवा 1967 के मध्य पूर्व के दौरान इज़रायल द्वारा जीती गई फिलिस्तीनी भूमि पर बसने वालों का जिक्र कर रहा था या सभी इजरायली यहूदियों को बसने वालों के रूप में परिभाषित किया गया।

हमास के हमले का समर्थन करते हुए, विभिन्न वरिष्ठ अलअज़हर मौलवियों ने यहूदियों को 'वानरों और सूअरों के शापित वंशज' के रूप में वर्णित किया।

किसी भी बिंदु पर गाजा से संबंधित अन्य आधिकारिक अलअज़हर बयानों और व्यक्तिगत विद्वानों की घोषणाओं में धर्म, नस्ल या पंथ की परवाह किये बिना निर्दोष नागरिकों की हत्या की निंदा नहीं की गई।

गाजा युद्ध ने इजरायल-फिलिस्तीनी विभाजन के दोनों किनारों पर मनुष्यों की सबसे विनाशकारी प्रवृत्ति- अस्तित्व, क्रोध, भय, निराशा और प्रतिशोध- को जन्म दिया है।

युद्ध मुस्लिम और यहूदी धार्मिक नेताओं के लिए एक अग्निपरीक्षा है कि क्या वे लड़ाई से ऊपर उठ सकते हैं और मानवीय और नैतिक रूप से बचाव योग्य स्थिति अपना सकते हैं? अब तक, वे काफी हद तक परीक्षण में विफल रहे हैं।

## पावन प्रसंग

# मितव्ययी बनें, आय-व्यय का संतुलन बनाएं

पारिवारिक बंधन का महत्वपूर्ण पहलू धन है। इसी के आधार पर घर की सारी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। देखा जाए तो परिवार की सर्वाधिक शक्ति का उपयोग अर्थोपार्जन में ही जाता है। पुराने जमाने की बात नहीं करें। लेकिन जब से महंगाई ने अपना मुंह बड़ा किया है, तब से परिवार के परिजनों का जीवनयापन बड़ी कशमकशपूर्ण परिस्थिति में होने लगा है, क्योंकि आय के स्रोत सीमित हैं- महंगाई आय के अनुपात से अधिक बढ़ गई है। इस कारण घर खर्च पूरा नहीं पड़ता है। दूसरी ओर शान-शौकत के मूल्यों ने जीवन को विलासी बना दिया है। इन मूल्यों को पूरा करने के लिए परिवार के बजट का अधिकांश भाग खर्च होने लगा है। प्राथमिक आवश्यकता रोटी पर आजकल बहुत कम व्यय होता है। कपड़ा और अन्य विलासी सामानों पर भारी व्यय होने से परिवार के सामने अर्थ समस्या हर घड़ी बनी रहती है। इसकी पूर्ति के लिए परिवार के हर परिजन को कुछ-न-कुछ प्रयत्न भी करने पड़ते हैं।

परिवारों में शान-शौकत के पीछे एक दृष्टिकोण पनप गया है कि बढ़िया फर्नीचर, कीमती वस्तुओं टेलीफोन, फ्रीज आदि द्वारा रिश्तेदारों में और अपने संपर्क के लोगों पर अपना प्रभाव डाले रखना चाहिए। कहीं ऐसा न हो कि उनका परिवार दूसरों के सामने हीन समझा जाए। चाहे पति हो या पत्नी घर में इनमें से कोई एक भी इस शान-शौकत से भरी झूठी जिंदगी का हामी रहा तो घर में बड़ी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं।

विलासी वस्तुओं को अल्प वेतन में तो नहीं खरीद पाता है। अस्तु, वह इन शान-शौकत की वस्तुओं को उधार खरीदने लगता है। इसका परिणाम होता है कि वेतन का दो-तिहाई हिस्सा उधार ब्याज पूरा करने में ही खर्च हो जाता है। शेष वेतन में पत्नी घर का खर्च कैसे चलाए, क्योंकि घर में अच्छा भोजन, अच्छा साधारण रहन-सहन तथा अच्छा वातावरण इन तीनों की पूर्ति के लिए कुछ-न-कुछ वेतन का अधिक भाग व्यय करना पड़ता है। वह सब किस्तों की पूर्ति में खर्च हो जाता है। इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच झगड़ा आदि भी होते रहते हैं। किंतु किया क्या जाए?

शान-शौकत भी रखी जा सकती है, किंतु इसका क्रम में रोटी, कपड़ा, मकान आदि के पश्चात आता है। यदि इन पर खर्च होने के बाद कुछ बचता है, तो शान-शौकत इतनी ऊंची भी न हो कि हैसियत की चादर को ही फाड़ डाले। फिर वक्त जरूरत के लिए बचत का भी बजट रहना चाहिए। घर की अनिवार्य आवश्यकताओं के पश्चात कीमती वस्तुएं परिवार के उपयोग में आने वाली हैं, तो किस्तों की अपेक्षा मासिक बचत करके कुछ महीनों के बाद कीमत चुकाकर ही खरीदना अधिक लाभदायक है क्योंकि किस्तों में तो दुकानदार ब्याज-बट्टा खाता आदि सभी गुंजाइश रखकर किस्त बांधता है। अच्छा यही है कि आवश्यक वस्तुओं की ओर दृष्टि जानी चाहिए।

घर में उधार के कारण पत्नी, बच्चे तथा परिवार के परिजनों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है। बाहर चाहे शान-शौकत दिखाई देती है, किंतु मन के भीतर ऋण का भार कचोटता रहता है। इससे मानसिक अशांति बनी रहती है। इस अशांति का प्रक्षेपण बच्चों-पत्नी पर आए दिन हुआ करता है। कहना चाहिए पारिवारिक जीवन में अव्यवस्थित वातावरण तैयार हो जाता है। क्या ये शान-शौकत की कीमती वस्तुएं मानसिक शांति को दूर कर सकने में मदद कर सकती हैं। प्रदर्शन में दूसरों का अनुकरण न करें। सादगी को आदर्श मानकर अपनी क्षमता और आवश्यकता के अनुरूप खर्च करेंगे तो जीवन सुखी और संतुष्ट बनेगा।

**युग निर्माण योजना**

## आपके पत्र

# हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नही

दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं।

मानसिक विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरीह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है,बल्कि शक्तिसंपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तारवादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है। इजराइल-हमास, रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके वीभत्स उदाहरण हैं जो अपनी व्यवसायिक ,सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं। यह सब अंतरराष्ट्रीय सामूहिक बलात आतंकवाद ही हैं। भारत एक सशक्त और बलशाली देश होने के बावजूद शांति की नीति को अपनाए हुए है और वैश्विक शांति का संदेश भी देने का प्रयास कर रहा है। ऐसे देशों को साधुवाद देना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाबली राष्ट्रों की विस्तारवादी तथा सामंती गतिविधियों की सार्वजनिक निंदा भी की जानी चाहिए।

कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट, हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम में विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य करना ही राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग-अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं, यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, रेल, रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है।

आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं।

**संजीव ठाकुर**

## नियुक्ति और पहचान पत्र के सत्यापन के बाद ही गणना कक्ष में प्रवेश पा सकेंगे उम्मीदवारों के अभिकर्ता

**जबलपुर, देशबन्धु।** विधानसभा चुनाव की मतगणना के लिये उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त गणना अभिकर्ताओं को गणना कक्ष में प्रवेश के पहले रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतगणना अभिकर्ता से रिटर्निंग आफिसर के समक्ष मतदान की गोपनीयता को बनाए रखने के बारे में उसके नियुक्ति पत्र में अंतर्विष्ट घोषणा पर हस्ताक्षर किया जाना अपेक्षित होगा।

नियुक्ति पत्र अथवा पहचान पत्र और घोषणा के सत्यापन के बाद रिटर्निंग आफिसर मतगणना अभिकर्ता को मतगणना हॉल में प्रवेश करने की अनुमति देगा। आयोग के निर्देशों के अनुसार रिटर्निंग अधिकारी किसी भी मतगणना अभिकर्ता को मतगणना हॉल में प्रवेश करने से पहले उसे व्यक्तिगत तलाशी के अध्यधीन करने के लिए अधिकृत है। प्रत्येक मतगणना अभिकर्ता को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा एक बैज दिया जाएगा जिसमें यह दर्शाया जाएगा कि वह किसका अभिकर्ता है और उस मेज की क्रम संख्या भी दर्शायी जाएगी, जिस पर वह मतगणना पर नजर रखेगा। गणना अभिकर्ता को उस मेज पर बैठे रहना होगा जिसके लिये उसे नियुक्त किया गया है। उसे दूर हॉल में चलने-फिरने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि अभ्यर्थी और उसके निर्वाचन अभिकर्ता की अनुपस्थिति में मतगणना अभिकर्ता को रिटर्निंग अधिकारी की मेज पर जाने की अनुमति होगी।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतगणना हॉल के अंदर सख्त अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी को रिटर्निंग अधिकारी के साथ पूरी तरह से सहयोग करना होगा। गणना अभिकर्त्ताओं को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का पालन करना होगा । उन्हें ध्यान रखना होगा कि रिटर्निंग अधिकारी किसी भी व्यक्ति को मतगणना हॉल से बाहर भेज सकता है जो उसके निर्देशों की अवहेलना करता है।

आयोग के निर्देशों में कहा गया है कि मतगणना की प्रक्रिया के दौरान मतगणना अभिकर्ता और अन्य व्यक्तियों को मतगणना हॉल के बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जब एक बार मतगणना अभिकर्ता और अन्य लोग मतगणना हॉल के अंदर होते हैं, तो उन्हें आमतौर पर परिणाम घोषित होने के बाद ही बाहर जाने की अनुमति दी जायेगी।

मतगणना अभिकर्ताओं को मतगणना केंद्र के अंदर मोबाइल फोन, आई पैड, लैपटॉप या ऐसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को ले जाने की अनुमति नहीं है जो ऑडियो या वीडियो रिकॉर्ड कर सकता है। गणना अभिकर्ता को मतगणना कक्ष में पेन, पेंसिल, सादा कागज या नोटपेड ले जाने की ही अनुमति होगी।

### आयोग की वेबसाइट और वोटर हेल्पलाइन एप पर देखे जा सकेंगे विधानसभा निर्वाचन के परिणाम

विधानसभा निर्वाचन के लिए 17 नवम्बर को डाले गये मतों की गणना 3 दिसंबर को सुबह 8 बजे से होगी। मतगणना की शुरुआत डाक मतपत्रों की गणना से होगी। इसके आधे घंटे बाद सुबह 8.30 बजे से ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। मतगणना के परिणाम भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https://results.eci.gov.in और वोटर हेल्पलाइन एप पर देखे जा सकेंगे। वोटर हेल्पलाइन एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा। इसके अलावा https://ceomadhyapradesh.nic.in पर भी मतगणना के परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे।

### गणना कर्मियों के दूसरे चरण का प्रशिक्षण आज

विधानसभा चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर डाले गये मतों एवं डाक मतपत्रों की गणना के लिए नियुक्त गणना पर्यवेक्षकों, गणना सहायकों तथा माइक्रो ऑब्जर्वर का दूसरा चरण का प्रशिक्षण बुधवार 29 नवंबर को राइट टाउन स्थित मानस भवन के सभागार में होगा। प्रशिक्षण दो पालियों में सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक दिया जायेगा। मतगणना के कार्य लिए नियुक्त सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण के तय समय पर मानस भवन सभागार में मौजूद रहने के निर्देश दिये गये हैं।

## आयुध निर्माणी खमरिया में आयोजित तीन दिवसीय एथलेटिक महाकुंभ शुरू

**जबलपुर, देशबन्धु।** आयुध निर्माणी खमरिया में आयोजित तीन दिवसीय एथलेटिक महाकुंभ का शुभारंभ म्युनिशंस इंडिया लिमिटेड के देवाशीष बेनर्जी, निदेशक मानव संसाधन, के द्वारा एक भव्य आयोजन में किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में सर्वप्रथम महाप्रबंधक एम एन हालदार द्वारा मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। आमंत्रित अतिथि में अशोक रोहाणी, विधायक कैंट, संजय हजारी, महाप्रबंधक, ओ एफ के, महेश चंद्र, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एमआईएल, सुकांता सरकार, महाप्रबंधक, जीआईएफ, एम जेड सरवर, महाप्रबंधक, ओएफआईएल, मातृशक्ति के रूप में मौजूद रही इंद्राणी हालदार, अध्यक्षा एमआईएल, डब्ल्यूडब्ल्यू ए,दीपशिखा खमरिया ब्रांच।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांस्कृतिक आयोजन के साथ शुरू हुआ। मौसम के प्रतिकूल होने के बाबजूद काफी संख्या में लोग मौजूद रहे और खिलाड़ियों का हौसला आफजाई किया। आज के इवेंट में शॉट पुट महिला, जैवलिन थ्रो, हैमर थ्रो का गेम का आयोजन हुआ।

## जबलपुर रेस्ट हाउस में सुविधाएं न होने से टीटीई परेशान

**जबलपुर, देशबन्धु।** पश्चिम मध्य रेलवे के उच्च अधिकारियों की लापरवाही और उदासीनता के कारण दिनों दिन अव्यवस्था बढ़ती ही जा रही है। इस अव्यवस्था की बानगी टीटीई रेस्ट हाउस में देखी जा रही है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन के अंतर्गत नागपुर मंडल के ट्रेन टिकट निरीक्षकों द्वारा नागपुर शहडोल ,शहडोल नागपुर, मुगलसराय गया, व अन्य शहरों की कर्मियों द्वारा विभागीय कार्य संपादित करते हैं। इन कर्मचारियों के लिए जबलपुर में विश्राम गृह की व्यवस्था तो की गई है, परंतु मापदंड के अनुसार कमरे, टेबल, कुर्सी, आइना, गरम पानी की व्यवस्था भृत्य और अन्य कई सुविधाएं उपलब्ध नहीं करायी जा रही हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन के जिम्मेदार कर्मियों की एक संयुक्त टीम ने जबलपुर विश्राम गृह की टीम ने निरीक्षण किया और जो भी मापदंड के अनुसार आवश्यकताएं हैं उसका उल्लेख अपनी रिर्पोट में दर्ज की है।

जानकारी के अनुसार 3 कक्ष तकिया, चादरें, कम्बल टेबिल ,कुर्सी, एक बड़ी टेबल लगभग 1 दर्जन कुर्सियां और गर्मी के पूर्व 3 एसी स्थापित किये जाने की मांग की गई है।

पश्चिम मध्य रेलवे के संबंधित अधिकारी इस संबंध में क्या प्रभावी कार्रवाई करते हैं यह एक विचारणीय प्रश्न बना हुआ है। यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक है कि जब बड़े बड़े अधिकारियों को विश्राम ग्रहों में सभी प्रकार की सुविधाएं विभाग द्वारा उपलब्ध करायी जाती हैं तब सभी प्रकार सुविधाओं में छोटे कर्मचारियों की कटौती किये जाने का क्या औचित्य है यह सभी की समझ के परे है।

## सभी अधिकारी अपने-अपने विभागीय लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में कार्य करें: कलेक्टर



**जबलपुर, देशबन्धु।** कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन की अध्यक्षता में लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें वर्चुअल रूप से अनुभाग व तहसील स्तरीय अधिकारी भी जुड़े थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि अति आवश्यक सेवाओं से जुड़े कार्यों के साथ-साथ रूटीन कार्य व आमजन की प्राथमिकताओं को देखें और उस दिशा में कार्य करें। बैठक में उन्होंनें विभागवार सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की, जिसमें मुख्य रूप से आदिम जाति विकास, कृषि, फूड, जल संसाधन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और राजस्व के प्रकरण शामिल थे। साथ ही लंबित पत्रों के निराकरण की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर ने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी चुनाव के बाद अपने-अपने कोर्ट को व्यवस्थित करें और प्रकरणों का निराकरण करें। अन्य विभाग के जिला अधिकारी भी अपने-अपने विभागीय लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में कार्य करें। इस दौरान जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयति सिंह, अपर कलेक्टनर मिशा सिंह, शेर सिंह मीणा, नाथूराम गौड़ सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

**मतगणना की तैयारियों पर दिये आवश्यिक निर्देश**

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा निर्वाचन के मतगणना के लिये समुचित व्यावस्थास करने के निर्देश दिये। उन्होंनें कहा कि मतगणना स्थाल पर आठों विधानसभाओं के मतगणना के लिये जेएनकेव्ही व्ही परिसर में सभी समुचित व्यास्थाऐं करायें।

## डॉ. रचना दुबे पीआरएसआई राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 से सम्मानित



**जबलपुर 28 नवंबर।** चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने की उत्कृष्ट पहल के लिए मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य सूचना शिक्षा संचार ब्यूरो की संचालक सह इनफर्टिलिटी एवं सर्वाइकल कैंसर प्रिवेंशन क्लीनिक की प्रभारी डॉ. रचना दुबे डॉ. रचना दुबे को को डॉ. भीमराव अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर दिल्ली में इंटरनेशनल पब्लिक रिलेशन फेस्टिवल 2023 में नेशनल पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन्हें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में ''आउटस्टेन्डिंग इनीशिएटिव फॉर प्रमोटिंग मेडिकल एण्ड हैल्थ केयर सर्विसेस'' श्रेणी के अंतर्गत प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि डा. रचना दुबे पूर्व में रानी दुर्गावती चिकित्सालय (एल्गिन हॉस्पिटल) में कार्यरत रही हैं। यह पुरस्कार नई दिल्ली में राज्यसभा सदस्य एवं विख्यात संस्कृति कर्मी डॉ. सोनल मानसिंह द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर विदेश मंत्रालय में राजदूत श्री राजशेखर एवं पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत पाठक सहित 500 से अधिक जनसंपर्क प्रोफेशनल्स उपस्थित थे।

## डॉ. मिश्र ने रादुविवि के उन्नयन एवं विस्तार के क्षेत्र में नई दिशा प्रदान की: कुलपति



**जबलपुर, देशबन्धु।** रानीदुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के सफलतम द्वितीय कार्यकाल कुलपति के रूप में 29 नवम्बर 2023 को पूर्ण कर रहे हैं। इसी उपलक्ष्य में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के सभागार में अभिनंदन समारोह का आयोजन कुलपति प्रो. डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस गरिमामय में समारोह में कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने रादुविवि कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र को गुलदस्ता शाल श्रीफल, रोली का टीका एवं मिलेट्स के प्रोडक्ट की टोकनी को उपहार स्वरूप में भेंटकर बधाईयां दी। इस अवसर पर जनेकृविवि के कुलपति डॉ. पी. के. मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि बड़े ही गौरव की बात है कि डॉ. कपिल देव मिश्र का द्वितीय कार्यकाल सफलतापूर्वक बुधवार को पूर्ण हो रहा है, रादुविवि कुलपति डॉ. मिश्र का कार्यकाल अति उत्कृष्टनीय एवं सराहनीय रहा है।

समारोह में रादुविवि के कुलपति प्रो कपिल देव मिश्र ने भी जनेकृविवि के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुये अपने अनुभव साझा किये।

कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा एवं आभार प्रदर्शन कुलसचिव रेवा सिंह सिसोदिया द्वारा किया गया। अभिनंदन समारोह में अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी. के. कौतू, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. आर.एस. शुक्ला, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर, डॉ. पी.बी. शर्मा, कुलसचिव श्री रेवासिंह सिसोदिया, लेखानियंत्रक डी. आर. महोबिया, उपलेखानियंत्रक डॉ. अजय खरे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, डिप्टी रजिस्टार डॉ. आर. के. समैया, डॉ. टी.आर. शर्मा, कार्यपालन यंत्री डॉ. ए.के. राय, तकनीकी अधिकारी डॉ. अनय रावत, सुरक्षा अधिकारी डॉ. वाय. एम. शर्मा, इंजी. एस.के. जैन सहित सभी विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिकों ने रादुविवि कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र को गुलदस्ता देकर ईश्वर से उनकी उत्तरोत्तर उन्नति के लिये शुभकामनायें दी।

### लंबित पेंशन की सूची समय सीमा में देने के निर्देश

**जबलपुर, देशबन्धु।** लंबित पेंशन के प्रकरणों के निराकरण के लिये संभागीय पेंशन अधिकारी अजय सामदेकर ने कहा कि लंबित पेंशन की सूची सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारी 11 दिसम्बअर के पूर्व प्रस्तुति करना सुनिश्चित करें। उन्होनें कहा है कि ऐसे प्रकरणों में जिनमें शासकीय सेवकों द्वारा न्यानयालय में प्रकरण किया गया है, उसमें तत्कानल पीपीओ जारी करवाने की कार्यवाही भी सुनिश्चित करायें। साथ ही कोषालय से आहरित प्रत्याणशित तथा प्रोविजनल प्रकरण का परीक्षण करते हुये निर्धारित प्रपत्र में सभी संबंधित अधिकारी इसकी जानकारी समय सीमा में देना सुनिश्चित करें, क्योंषकि 12 दिसम्बीर को कमिश्नइर श्री अभय वर्मा द्वारा वीसी के माध्यरम से पेंशन प्रकरणों की समीक्षा की जायेगी।

## गोहलपुर में ऑल इंडिया मुशायरे का आयोजन

**जबलपुर, देशबन्धु।** वरिष्ठ कवयित्री शाइरा डॉ. सलमा जमाल की उमरा (मक्का, मदीना) से वापसी पर गोहलपुर में ऑल इंडिया मुशायरे का आयोजन किया गया ।

हाजी अय्यूब अंसारी और असलम माजिद जबलपुरी की सरपरस्ती में आयोजित मुशायरे की अध्यक्षता हाजी मक़बूल रज़्वी ने की। संचालन इज़्हार जबलपुरी और राशिद राही ने किया।

शमा अफ़रोज़ी हाजी फ़ीरोज़ कमाल, याकूब अंसारी कादिर ख़ान आफ़रीदी ने की। सम्मानीय अतिथियों में चितरंजन वार्ड के पार्षद प्रमोद पटेल, हाजी शब्बीर अंसारी, वृंदावन पटेल, शाहनवाज़ अंसारी, डॉ. नुदरत सना ख़ान, मुईन ख़ान, साफ़िया इज़्हार, इशरत परवीन, मेहताबुन निशा ज़ैनुल आबदीन, शहज़ाद प्रमुख रहे।

सभी ने सलमा जमाल का फूल मालाओं, शाल से स्वागत किया व उपहार दिये। मुशायरे में इश्तियाक़ कामिल नागपुर, निसार अहमद निसार, डॉ. रफ़ीक़ नागौरी उज्जैन, जमना प्रसाद झारिया संगम जबलपुरी, अफ़ज़ाल दानिश बुरहानपुर, जावेद नाज़, नईम माहिर सागर, सितारा नाज़ दमोही , इमरान फ़ैज़ नागपुर, राशिद राही, परवेज़ आ़लम परवाज़, अरमान जबलपुरी, शाहनवाज़ मेहवर, शादाब वारसी शामिल रहे । ऑल इंडिया मुशायरा बहुत कामयाब रहा, दर्शकों की अपार भीड़ से वाह वाह के स्वर गूंजते रहे।

## कलेक्टर ने किया कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्ट्रांगरूम का निरीक्षण

**जबलपुर, देशबन्धु।** जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने मंगलवार को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्ट्रांगरूम का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने स्ट्रांगरूम की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया तथा निरीक्षण रजिस्टर पर हस्ताक्षर भी किये। ज्ञात हो कि विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद ईव्हीएम और व्हीव्हीपेट मशीनों को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय परिसर के प्रशासनिक भवन में बने स्ट्रांगरूम में कड़ी सुरक्षा के रखा गया है।

## पमरे में मनाया गया संविधान दिवस



### महाप्रबंधक ने कराया संविधान उद्देशिका का वाचन

**जबलपुर, देशबन्धु।** पूरे भारत वर्ष में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में शासकीय अवकाश के चलते मंगलवार 28 को पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय एवं तीनों मण्डलों जबलपुर, भोपाल तथा कोटा में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पमरे महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय द्वारा मुख्यालय सभा कक्ष में संविधान की उद्देशिका का वाचन किया गया।

इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक आर. एस. सक्सेना, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक डी. सी. अहिरवार, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक पंकज शर्मा, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक सी वेणु गोपाल, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ओम प्रकाश, प्रधान वित्त सलाहकार नवल किशोर श्रीवास्तव, प्रमुख मुख्य इंजीनियर अरविंद कुमार सिंह, प्रमुख मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर अमरेंद्र कुमार, प्रमुख मुख्य यांत्रिक अभियन्ता नितिन चौधरी, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी प्रभात कुमार, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त प्रदीप कुमार गुप्ता, प्रमुख मुख्य संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर धर्म वीर मीना, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी प्रभात एवं अन्य प्रमुख विभागाध्यक्षों तथा महाप्रबंधक सचिव राहुल जयपुरियार सहित अन्य उपस्थित अधिकारियों/रेलकर्मियों द्वारा संविधान की उद्देशिका का वाचन करते हुए दोहराया कि हम भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिये तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर 1949 ईस्वी (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। इसी प्रकार मुख्यालय कार्मिक विभाग में कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया गया।

## स्टेशन पर जन औषधि केंद्र खोलने रेलवे ने आयोजित की प्रीबिड



**जबलपुर, देशबन्धु।** प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (पीएमबीजेओके ) के रूप में रेल यात्रियों को सस्ती एवं उपयोगी दवाये स्टेशन पर ही उपलब्ध करने के लिये रेलवे द्वारा जबलपुर मंडल में जल्द ही क्योस्क प्ररम्भ किये जाने की योजना है। इस संबंध में औषधि व्यवसाय के कार्य में संलग्न व्यवसायियों को समुचित जानकारी देने के लिये मंगलवार को एक प्रीबिड मीटिंग का आयोजन किया गया।

इस प्रीबिड मीटिंग में उक्त कार्य से होने वाले लाभ, एवं रेलवे के विजन के बारे में जानकारी दी गई एवं प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का आक्शन ऑनलाइन कैसे दिया जाएगा, इस संबंध में सीनियर डीसीएम विश्व रंजन ने उपस्थित व्यवसायियो को समुचित जानकारी दी। इस बैठक में अभिषेक गुप्ता, विधि असरानी, आलोक सिंह, निखिल श्रीवास्तव आदि ने मीटिंग में भाग लिया। बैठक में श्री रंजन ने व्यवसायियों उनकी शंकाओ का निराकरण किया एवं इससे होने वाले लाभ एवं भविष्य में इसके विस्तार की संभावनाओ पर चर्चा की। मीटिंग में सहायक वाणिज्य प्रबंधक गुन्नार सिंह सहित वाणिज्य विभाग के निरीक्षक आदि भी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि रेलवे बोर्ड की नयी नीति के अनुसार अब रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए जेनरिक दवाओ की बिक्री प्रारंभ की जा रही है. इसके तहत जबलपुर रेल मंडल के मदन महल स्टेशन को मंडल के पहले जन औषधि केंद्र खोलने के लिये चयनित किया गया है इसे स्टेशन के कोंकोर्स एरिया के प्लेटफार्म नंबर 04 पर बुकिंग ऑफिस के पास प्रारंभ किया जायेगा। इसके संचालन के लिये रेलवे द्वारा जल्द ही ऑन लाईन प्रस्ताव आमंत्रित किये जायेगे। ई ऑक्शन मोड्यूल (लीजिंग) द्वारा तीन वर्ष के लिये दिया जाएगा। जन औषधि केंद्र के लिए स्टॉल रेलवे द्वारा ही बनाकर दिया जाएगा। इस संबंध में इच्छुक व्यक्ति रेलवे कार्य दिवस में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय जबलपुर के वाणिज्य शाखा स्थित एन. एफ. आर. अनुभाग में संपर्क करके विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

## रेलवे डीलक्स टॉयलेट में हेंड ड्रायर की सुविधा प्रारंभ

**जबलपुर, देशबन्धु।** जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 6 के बाहर स्थित डीलक्स टायलेट में यात्रियों को हाथ सुखाने के लिए हेंड ड्रायर की सुविधा मंगलवार से प्रारंभ हो गयी है। जबलपुर स्टेशन के प्लेटफार्म क्र. 06 के बाहर स्थित डीलक्स पेड टायलेट में महिला एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग उपयोगकर्ताओ को बिना अतिरिक्त शुल्क के हेंड ड्रायर की यह सुविधा रेलवे के प्रयासों से प्रदान की गयी है। जिसके तहत वे अपने हाथ को अब टॉवल से पोछने की जगह हेंड ड्रायर की गर्म हवा से हाथ को सुखा सकेगे। यह आधुनिक सुविधा वर्तमान में शहर की बड़ी एवं फाइव तथा थ्री स्टार होटलों, रेस्टोरेंट आदि के समान स्टेशन पर आम यात्रियों के लिए पहली बार प्रारंभ की गयी है।

## जोधपुर-भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस तीन-तीन ट्रिप निरस्त

**जबलपुर, देशबन्धु।** उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर मंडल के फुलेरा-डेगाना जंक्शन रेल खण्ड पर फुलेरा-गोविंदी मारवाड़ स्टेशनों के मध्य प्री नॉन/नॉन इंटरलॉकिंग कार्य व फुलेरा यार्ड रिमॉडलिंग का कार्य किये जाने के चलते पमरे से प्रारंभ/समाप्त होने वाली गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस 9 दिसंबर से 11 दिसंबर तक तथा गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस 10 दिसंबर से 12 दिसंबर तक अपने प्रारंभिक स्टेशन से तीन-तीन ट्रिप निरस्त रहेगी।

## उत्तरकाशी की सुरंग में फंसे श्रम वीरों की सकुशलता के लिए महापौर ने की माँ नर्मदा से प्रार्थना

### संस्कारधानी वासियों की ओर से हुई महाआरती

**जबलपुर, देशबन्धु।** उत्तराखंड के सिल्कारा की एक सुरंग में फंसे 41 श्रमवीर मजदूर जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रहे हैं। 17 दिनों यानी लगभग 421 घंटे से घुप्प अंधकार में कैद हैं, और सुरक्षित बाहर आने के लिए, मां नर्मदा से जबलपुर के लाखों नागरिकों की ओर से संवेदनशील महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु ने मां नर्मदा महाआरती कर प्रार्थना की। ऐसा लग रहा है कि लाखों लोगों की दुआएं मां नर्मदा ने स्वीकार कर ली है। महापौर अन्नु सिंह ने विगत दिनों से लगातार मंदिरों में पूजा और पाठ कर रहे थे, उन्होंने अपना संकल्प तब तक मौन रखा, जब तक सफलता के संकेत नहीं मिले। चार प्रदेशों में रहने वाले 41 श्रमवीरों के लिए महापौर अन्नु सिंह ने व्यक्त की है, कि मां नर्मदा श्रम वीरों के परिजनों माता-पिता को ऐसी संकट की घड़ी में संबल प्रदान करें। उन्होंने श्रमवीरों के जज्बा, धैर्य , संयम और हिम्मत को सलाम किया। महापौर ने कहा कि मजदूरों की सकुशल वापसी पर जबलपुर में भी जश्न मनाया जाएगा। उन्होने इस अभियान से जुड़ी सभी टीमो को कोटी कोटी नमन व सभी लोगों का धन्यवाद किया है। नर्मदा महा आरती में शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष व नगर के प्रथम नागरिक महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, गुडडू तामसेवार, रिंकू टांग, राजेन्द्र रजक संगठन मंत्री मनोज सेठ, प्रमोद पटेल, अनुराग तिवारी, देवेन्द्र काछी, गुरु कुशवाहा, लकी सिंह, अंकित मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

## गौ माता को हरी सब्जियां खिलाकर लिया आर्शीवाद

**जबलपुर, देशबन्धु।** रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर स्टार के द्वारा देव दिवाली कार्तिक पूर्णिमा के उपलक्ष्य में शास्त्री ब्रिज स्थित नरसिंह मंदिर की गौशाला जाकर समिति की सभी महिलाओं ने गौ माता को हरी सब्जी पालक, मैथी, लाल भाजी, चना भाजी, सभी प्रकार की भाजी गौ माता को खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। ऐसे सामाजिक सेवा के कार्य निरंतर हमारी समिति समय-समय पर करती रहती हैं। इस अवसर पर रोटरी स्टार अध्यक्ष रोटेरियन सरिता सिंह राजपूत, सचिव रोटेरियन विषयंती, क्लब के उपध्याक्ष वंदना आनंद, अर्चना सिंह, और क्लब के सदस्य उपस्थित रहें। रोटरी स्टार अध्यक्ष रोटेरियन सरिता सिंह राजपूत का कहना है कि आगे भी समाज के लिए अच्छे-अच्छे काम रोटरी स्टार के सभी सदस्य करते रहते हैं।

## वन पीस वूलन से मिल रहा विंटर में वंडरफुल लुक

### विंटर फैशन-क्रोशिया वूलन टॉप और लूजर टीज से बढ़ रहा विंटर में स्टाइल

**जबलपुर, देशबन्धु।** विंटर सीजन अब स्टाइलिश हो चला है। हैवी स्वेटर और जैकेट की बजाय सिटी गर्ल्स स्वेट टीज और विंटर ड्रेसेज कैरी करना पसंद कर रहीं हैं। विंटर के लिए शहर में डिफरेंट कलेक्शन नजर आ रहा है। ऐसे में विंटर चार्म बढ़ाने के लिए सिटी गर्ल्स स्वेट टीज और वूलन ड्रेसेज की वैरायटीज पर फोकस कर रहीं हैं। इसके साथ ही वूलन कैप, कार्डिगन भी पसंद किए जा रहे हैं।

**एंकल लेंथ वूलन कैप्री**-नॉर्मल फैशन ट्रेंड के साथ-साथ विंटर कलेक्शन में भी इनोवेशन किए जा रहे हैं। विंटर में स्टाइलिश लुक के लिए वन पीस वूलन ड्रेस पर भी फोकस किया जा रहा है। इसके साथ ही लूजर्स, स्वेट टीज और वूलन कैप्री भी स्टाइल बढ़ा रही है।

**लूजर टाइप स्टाइल**-जींस और स्कर्ट के साथ सिटी गर्ल्स लूजर टाइप फैशन फॉलो कर रहे हैं। जींस की जगह वूलन जैगिंग्स ट्रेंड में है। मोटे स्वेटर्स की बजाय अब लूजर टाइप स्टाइल पर फोकस कर रहे हैं। शिवानी सिंह का कहना है कि कॉलेज के अकॉर्डिंग उन्होंने विंटर कलेक्शन भी रेडी किया है। इसमें कार्डियन के साथ लूजर टॉप ज्यादा है।

**पोचू ऑलटाइम हिट**-विंटर सीजन को देखते हुए शहर के मार्केट में तरह-तरह की कैप्स भी मिल रही हैं। पोचू भी लॉन्ग सूट, कुर्ती और साड़ी के साथ कैरी किया जा रहा है। बिजनेस वुमन मानसी सेठी बताती हैं कि बिजनेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वे विंटर में स्वेटर की बजाय कोट और पोचू कैरी करना पसंद करती हैं। इससे विंटर में भी स्टाइलिश लुक मिलता है।

## युवाओं में जरूरी है, लोक संस्कृति का बीजारोपण

**जबलपुर, देशबन्धु।** लोक संस्कृति और लोक परंपरा को बढ़ाने के लिए और युवा पीढ़ी में ये संस्कार रोपित करने के लिए लोक समर्पित सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था द्वारा चण्डी माता पूजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने लोकगीत गाकर शानदार अहीर नृत्य पेश किया। गीतों और दोहों को टेर लगाकर मृदंग की धुन ने आमजन को सम्मोहित किया। संस्था के अमरकांत चौधरी ने कहा कि चण्डी माता पूजन में अहीर नृत्य का विशेष महत्व है, जिससे युवाओं को रूबरू होना चाहिए। इस मौके पर मोनिका, सचिन चौधरी, ज्योत्सना, प्रशांत, अमानी, आयुष, जतिन, ऋषभ, एकता, आकांक्षा, अंकिता, प्रिया, कामिनी, रागिनी मौजूद रहीं।

## ब्राह्मण महिला परिषद का मिलन समारोह संपन्न

**जबलपुर, देशबन्धु।** ब्राह्मण महिला परिषद ने दीवापली के अवसर पर परिषद की सदस्या डा. अंजना तिवारी के जलपरी स्थित नयागांव निवास पर दिवाली मिलन समारोह धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया। समारोह को संबोधित करते हुए डा. तिवारी ने कहा कि इसी दिन भगवान ने मत्स्य अवतार लिया था। भगवान कृष्ण को इसी तिथि को आत्मबोध हुआ तथा देव दीपावली कार्तिक पूर्णिमा के दिन ही माता तुलसी का धरती पर प्राकट्य माना जाता है।

परिषद की सभी सदस्याओं ने इस अवसर पर तुलसी के सामने दीपदान की परम्परा का निर्वाह करते हुए पारस्परिक शुभकामानाओं का आदान-प्रदान किया। इस मौके पर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में क्लब की सदस्याओं ने हिस्सा लिया। दिवाली मिलन समारोह में आयोजिका के अलावा परिषद अध्यक्ष कविता रिछारिया, सुनंदा शर्मा, रमा पटेरिया, आशा शर्मा, छाया तिवारी, जया तिवारी, अंजू पाठक, राजलक्ष्मी, प्रतिभापाणी, प्राची, रूचि तिवारी, प्रज्ञा, कविता, मंजूलमुख, किरण, मुक्ता, वनिता, आरती शर्मा, विनिता, सीमा पचौरी, निती दीक्षित, अराधना, सविता तिवारी, रानी शुक्ला, विनीता तिवारी, सुनीता शर्मा, विनीता मालवीय, यामिनी, प्रणिता बबेले, संगीता तिवारी आदि सदस्याएं उपस्थित थी।

## टनल में फंसे मजदूरों के लिए ब्राह्मण महासभा ने किया हवन

**जबलपुर, देशबन्धु।** ब्राह्मण संस्कार महासभा द्वारा उत्तराखंड की सिलक्यारा टनल में फंसे मजदूरों की सुरक्षित निकासी की कामना से कान्यकुब्ज सभा भवन जबलपुर में महामृत्युंजय मंत्र से हवन किया गया। जिसमें 41 सौ आहुतियां दी गई। इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष के. के. शर्मा, संयोजक वीरेंद्र तिवारी, दिलीप दुबे, डॉ. एच.पी. तिवारी, आनंद शुक्ला, सुशील शुक्ला, श्याम दीक्षित, सतीश अवस्थी, महिला अध्यक्ष प्रमीता शर्मा, राज्य शिक्षा सलाहकार डॉ. श्रद्धा तिवारी, डॉ प्रतिभा उरमलिया, पं विनोद पांडे, एस. पी. शर्मा, विनोद शर्मा, नारायण पांडे, दिवाकर शर्मा, एड. पी. के. तिवारी, आनंद शुक्ला, गिरीश अवस्थी, संदीप अवस्थी, बी. पी. चौबे, रामकुमार व्यास, बृजेन्द्र उरमलिया, एड .अखिलेश उपाध्याय, राकेश खंपरिया व अभिलाष शर्मा सहित बड़ी संख्या में विप्रजन उपस्थित थे।

## नव विधा पूर्णिका की कृतियां विमोचित

### पूर्णिका मंच आभा साहित्य संघ का आयोजन

**जबलपुर, देशबन्धु।** अंतरराष्ट्रीय पूर्णिमा मंच आभा साहित्य संघ के तत्वावधान में पूर्णिका उत्सव का आयोजन कला वीथिका में हुआ। अतिथि भूमिका डॉ. रामायण प्रसाद टंडन, आचार्य भगवत दुबे, दीनदयाल यादव, डॉ. हरिशंकर दुबे, विजय किसलय ने निभाई। कार्यक्रम में एडवोकेट डॉ. सलप नाथ यादव ने नव विधा पूर्णिका की 13 कृतियां विमोचित की गई। इस दौरान अंशुल मिश्र, सतीश तिवारी, पूर्णिका प्रवाह रजनी कटारे, जीवन दर्शन कुंजबिहारी यादव नरसिंहपुर कृतियां शामिल थीं। इस मौके पर अनुराग भारती यादव सम्मान से राजेश पाठक प्रवीण, आशुतोष तिवारी, कविता राय, शिव अलग, निर्मला डोंगरे, कविता नेमा को सम्मानित किया गया।

## आचार्य विद्यासागर के पदारोहण पर सजाई रंगोली

**जबलपुर, देशबन्धु।** खूबसूरत रंगोली सजाकर प्रतिभागियों ने आचार्य विद्यासागर महाराज के 52वें आचार्य पदारोहण दिवस मनाया। प्रतियोगिता अग्रवाल कॉलोनी स्थित संत भवन में आयोजित हुई, जहां समाज के 58 प्रतिभागियों ने हुनर के रंग बिखेरे। कार्यक्रम में जैन मिलन संस्था के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे।

## दैनिक राशिफल

**बुधवार 29 नवम्बर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। अगहन कृष्णपक्ष की द्वितीय। नक्षत्र-मृगशिरा।**

**मेष**

अपने निजी विचारों को छोडकर दूसरों के विचारों को अपनाने की जरुरत है। समाधानकारी व्यवहार अपनाना उचित रहेगा।

**वृषभ**

आपकी वाणी और व्यवहार के कारण असमंजस की स्थिति न उत्पन्न हो, आवेश और उग्रता के कारण किसी से तकरार न हो, इसका ध्यान रखें।

**मिथुन**

आप आर्थिक जिम्मेदारियों के प्रति ध्यान देंगे तथा कहीं निवेश की योजना भी बना सकेंगे। आर्थिक लाभ होने की संभावना हैं।

**क. 269-268**

**कर्क**

आज का दिन लाभकारी है। नौकरी और व्यापार में भी लाभ के संकेत हैं। मित्रों के साथ आनंदपूर्वक समय गुजार सकते हैं।

**सिंह**

आप अपने दृढ़ आत्मविश्वास और मनोबल से सभी काम को सफलतापूर्वक पूरा कर सकेंगे। व्यवसाय के क्षेत्र में आपकी बौद्धिक प्रतिभा दिखेगी।

**कन्या**

आर्थिक लाभ होगा तथा विदेश में रहनेवाले सगे- संबंधियों के समाचार मिलेंगे, इससे आप काफी प्रसन्न रहेंगे।

**तुला**

आज आपको किसी भी नए काम का आरंभ नहीं करने की सलाह दी जाती है। अपनी वाणी और व्यवहार को नियंत्रण में रखें।

**वृश्चिक**

आप आज के दिन पूरी तरह से आमोद-प्रमोद में बिताना पसंद करेंगे। अपने दैनिक कामों से मुक्त होकर अपने लिए थोड़ा समय निकाल सकेंगे।

**धनु**

आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। घर का वातावरण आनंदप्रद रहेगा। शारीरिक रूप से स्वस्थता और मानसिक रुप से खुशी मिलेगी। वातावरण अनुकूल रहेगा।

**मकर**

आज मन में किसी बात की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का मामला कमज़ोर रहेगा। दफ्तर में उच्च अधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा।

**कुंभ**

आपका मन बहुत संवेदनशील रहेगा और आप मानसिक रूप से अस्वस्थ्य रहेंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अच्छा है।

**मीन**

अति आवश्यक काम को पूरा करने के लिए आज का दिन अच्छा है। आपकी रचनात्मक शक्तियों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

**मा. 370-588**

**3,4,6,9,35,40,62,90,31,48,17,05**

## ओपन अंतरशालेय ताइक्वांडो प्रतियोगिता सम्पन्न

**जबलपुर, देशबन्धु।** मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी व जबलपुर ताइक्वांडो यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ओपन अंतर शालेय ताइक्वांडो प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में 15 स्वर्ण, 12 रजत, 2 कांस्य के साथ मदन महल बंगाली काली बाड़ी मार्शल आर्ट एकेडमी ने ओवर ऑल चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया।

आयोजक समिति सचिव जयराज चौधरी ने बताया कि मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी एवं जबलपुर ताइक्वांडो यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में ओपन अंतर शालेय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन श्री जानकी रमण महाविद्यालय में किया गया।

पुरुस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में म.प्र. ताइक्वांडो यूनियन के अध्यक्ष मिलन मुखर्जी, नेमा समाज जबलपुर राकेश नेमा, आंचल विकलांग पुनर्वास केंद्र के संस्थापक राजेन्द्र नेमा, पूर्व प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय जोत्सना मुखर्जी, म.प्र. ताइक्वांडो यूनियन के महासचिव राजकुमार यादव, गोराबाजार थाना प्रभारी लवकेश उपाध्याय, मयंक साहू, सेंट अलॉयसियस कालेज के वरिष्ठ खेल प्रभारी हरीश दुबे, अनुराग श्रीवास्तव मंचासीन रहे। इस मौके पर शिवानी बेन, मास्टर हरिशंकर अहिरवार, अजय ठाकुर, मोहित यादव, मानवराज यादव, अंशिता राय, सावन बर्मन, आस्था बर्मन सहित विभिन्न स्कूलों की छात्र-छात्राएं,शिक्षकगण उपस्थित रहे।

## एमआईएल के कार्यक्रम में इंटक नहीं करेगी सहभागिता

**जबलपुर, देशबन्धु।** आयुध निर्माणी खमरिया द्वारा मिल एथलेटिक मीट का आयोजन पहली बार खमरिया ओलंपिक ग्राउंड में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सभी यूनियन एवं फेडरेशन को आमंत्रित किया गया है। गौरतलब है कि मिल द्वारा आयोजित स्थापना दिवस का विरोध लगातार इंटक यूनियन करते आ रही है और सरकार द्वारा बनाए गए कार्पोरेशन का भी विरोध लगातार इंटक ने किया है। यूनियन के महामंत्री राकेश रंजन ने बताया कि मिल एथलेटिक मीट के किसी भी कार्यक्रम में सुरक्षा कर्मचारी यूनियन इंटक एवं एससी-एसटी कांसिल भाग नहीं लेगी।

**मंजू मलार का उपाध्यक्ष बनीं**-सुरक्षा कर्मचारी यूनियन इंटक की कार्यकारिणी में मंजू मल्हार को उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। वर्तमान में खमरिया की यूनियनों में यह पहला अवसर है, जब किसी महिला को यूनियन की कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। यूनियन के आनंद शर्मा, अमित चौबे, राकेश रंजन, अखिलेश पटेल, राकेश जायसवाल, ह्रदेश यादव, अनिल गुप्ता, सुबोध खरवार, सीताराम सिलावट, ऋषि राम, सोन सिंह मरावी, एकनाथ शिल्के, रूद्र राहुल चौबे, मुकेश विनोदिया, रोहित सेठ, मुकेश कुमार मुखिया, संतोष सिंह, धर्मेंद्र रजक, कँवरपाल, बलवान सिंह, मनोज अहिरवार, धर्मेंद्र कोरी, जीवन सिंह, विनीत यादव, अजय गौतम, राजेंद्र मीणा, राम कुमार मरकाम, राहुल पटेल, ध्रतेश कुमार, रामरतन विनोदिया, रवि रंजन, जगदीश विटोरिया ने स्वागत किया

## यू डाइस अपडेशन में टी.सी. बनी रही रोड़ा: संघ

**जबलपुर, देशबन्धु।** मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि यू डाइस प्लस में क्लास अपडेशन कार्य में जो छात्र-छात्राएं कक्षा दूसरी से आठवीं तक के विद्यार्थी अन्य अशासकीय शालाओं से आये हैं, उन सभी नव प्रवेषी विद्यार्थियों के अपडेशन में टी.सी. की समस्या सामने आ रही है। जिससे नव प्रवेषी छात्र-छात्राओं का यू डाइस अपडेशन नहीं हो पा रहा है। जिस वजह से क्लास अपडेशन का कार्य सौ प्रतिशत नहीं हो पा रहा है। जिससे शिक्षकों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने बताया जो विद्यार्थी पहले अशासकीय शालाओं में अध्ययनरत थे, और किसी कारणवस अपनी फीस जमा नहीं कर पाये, तो उन्हें प्रायवेट संस्थाओं ने टी.सी जारी नहीं की गयी। अब जब बच्चों के पालक प्रायवेट संस्थाओं में जा रहे है, तो पहले फीस चुकाने डाला जा रहा है, फिर टी.सी. देने की बात करते है। ऐसे में एक तरफ टी.सी के अभाव में विद्यार्थियों का यूडाइस अपडेशन नहीं हो पा रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ गरीब परिवार के बच्चों के पालक फीस जमा करने में असमर्थ हैं। ऐसे में यूडाइस अपडेशन का कार्य अटका हुआ है। वहीं यू डाइस अपडेशन का कार्य 100 प्रतिशत नहीं होने की वजह से शिक्षक परेशान हैं। आगे भी यही समस्या बनी रही तो अर्द्ध वार्षिक और वार्षिक परीक्षाओं के समय भी यू डाइस की समस्या बनी रहेगी।

**निजी संस्थाएं टी.सी. देने में कर रही आनाकानी**

## निधन

### ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

**श्रीमती ममता नेमा**- स्टेट बैंक कॉलोनी हाथीताल निवासी श्री एसके नेमा की धर्मपत्नी श्रीमती ममता नेमा (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

**कु. कृष्णा गोंटिया**- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री राजेश गोंटिया की अल्पायु पुत्री कु. कृष्णा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

**श्रीमती केतकी बाई दुबे**- समदड़िया ग्रीन सिटी माढ़ोताल निवासी श्री रामफल दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती केतकी बाई दुबे (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

**श्री युवराज सोनकर**- भरतीपुर पेशकारी स्कूल के पीछे निवासी श्री युवराज सोनकर (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

**श्रीमती सुरिन्दर कौर भौरजी**- मदनमहल गुरूद्वारा के पीछे निवासी श्री सुरिन्दर सिंह भौरजी की धर्मपत्नी श्रीमती सुरिन्दर कौर (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर में संपन्न हुआ।

**श्रीमती मुन्नी सोनकर**- खटीक मोहल्ला घमापुर चौक निवासी श्री सुशील सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी सोनकर (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

**श्री परमानंद रावलानी**- पवनसुत अपार्टमेंट बंदरिया तिराहा रामपुर निवासी श्री परमानंद रावलानी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट में संपन्न हुआ।

**श्री सतीश कुमार केवट**- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री कन्छेदी लाल केवट के पुत्र श्री सतीश कुमार केवट (31) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

**श्री सुनील कुमार तिवारी**- अशोक विहार रामपुर निवासी श्री लक्ष्मी प्रसार तिवारी के पुत्र श्री सुनील कुमार तिवारी (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री राम लाल चौधरी**- पंजाब बैंक कॉलोनी दमोहनाका निवासी श्री राम लाल चौधरी (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

**श्री वीरेंद्र सिंह सिसोदिया**- सैनिक सोसायटी शक्तिनगर निवासी श्री वीरेंद्र सिंह सिसोदिया (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री चोखे लाल पटेल**- आईटीआई माढ़ोताल शारदा मंदिर के पास निवासी श्री चोखे लाल पटेल (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

**श्री हीतेश प्रजापति**- संजय नगर पोलीपाथर निवासी श्री राम किशन प्रजापति के पुत्र श्री हीतेश प्रजापति (29) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री गोपाल प्रसाद जाटव**- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री गोपाल प्रसाद जाटव (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

**श्री कमल कोरी**- बिलपुरा कॉलोनी निवासी श्री कमल कोरी (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट में संपन्न हुआ।

श्री लाला चौधरी- हनुमान टोरिया कांचघर निवासी श्री लाला चौधरी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में हुआ।

**श्रीमती बसंती बाई दानी**- शुक्ला नगर गढ़ा निवासी श्री केवलराम दानी की धर्मपत्नी श्रीमती बसंती बाई दानी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

# मुशाहिद की हत्या करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, चीनू अब भी फरार

## पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिये संदिग्ध ठिकानों पर दे रही दबिश

**जबलपुर, देशबन्धु।** ओमती थाना अंतर्गत सिविक सेन्टर में मुशाहिद खान की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं एक फरार आरोपी को पकडने् पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि लकडग़ंज निवासी मुशाहिद खान अपने दोस्त सोहेल सिद्धिकी व सोहेल खान के साथ सिविक सेंटर में दिलशाद की पान दुकान पर खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। इस दौरान घमापुर क्षेत्र में रहने वाला सूजल सोनकर, चीनू सोनकर, कंजा सोनकर व एक अन्य दोस्त के साथ पहुंचे। जिन्होंने मुशाहिद के बारे में पूछताछ शुरु कर दी। जैसे ही मुशाहिद ने सामने आकर कहा मैं मुसाहिद खान हूं, तो चारों ने मारपीट करते हुए उसके पेट व जांघ व गाल पर चाकू से हमला करना शुरु कर दिया।

सिविक सेन्टर क्षेत्र जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में चाकूबाजी की घटना से शहर में चर्चा का विषय बन गया है। हमला होते देख दोस्त सोहेल, सौरभ पटेल, दिलशाद अली, अनुज कोरी ने बीच बचाव किया तो चीनू ने अनुज कोरी पर हमला कर दिया। हमले के बाद चारों बदमाश मौके से भाग निकले।

सोहेल व अन्य साथी मुशाहिद को जिला अस्पताल ले गए, जहां पर डॉक्टरों ने हालत देखते हुए प्राथमिक उपचार किया, परिजन मुशाहिद को गोलबाजार स्थित निजी अस्पताल ले गए। इसके बाद मेडिकल अस्पताल ले गए, जहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद मुशाहिद को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्होंने पूछताछ के बाद आरोपी सूजल सोनकर उम्र 20 वर्ष निवासी बराट रोड रसल चौक ओमती, अमन तिवारी उर्फ कंजा उम्र 19 वर्ष निवासी लार्डगंज, आदित्य झा उम्र 19 वर्ष निवासी शीतलामाई मंदिर के पास घमापुर को तलाश कर गिरफ्तार कर लिया। वहीं फरार हुए सूजल सोनकर के भाई चीनू को पकड़ने के लिए पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

# दंपत्ति को चाकू मारकर हमला कर किया घायल

**जबलपुर, देशबन्धु।** गोहलपुर थाना अंतर्गत पसियाला सुब्बाशाह आनंद नगर में सायकिल से फेरी कर बर्तन बेचने वाले युवक व उसकी पत्नि पर उसके पड़ोसी ने बुराई रखते हुये चाकू से हमला कर दिया। जिससे उसे व उसकी पत्नि को गंभीर चोटें आयी हैं।

जानकारी के अनुसार गोहलपुर थाना में बीती रात मुस्तफा उम्र 45 वर्ष निवासी पसियाना सुब्बाशाह आनंद नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह साईकिल से फेरी लगाकर स्टील तथा सिल्वर के बर्तन बेचने का काम करता है। उसके पड़ोस में ओमान नामक युवक अपने परिवार के साथ रहता है। ओमान आपसी बुराई को लेकर देर शाम लगभग 4-30 बजे जब वह घर पर खाना खा रहा था, पत्नी पास में ही बीड़ी बना रही थी तभी ओमान उसके घर आकर गालीगलौज करने लगा, उसने विरोध किया तो ओमान झूमाझपटी कर हाथ में लिये पत्थर से सिर में चोट पहुंचा दी, उसकी पत्नी रन्नो बानो बीच बचाव करने आयी तो ओमान ने चाकू उसकी पत्नि को भी चाकू मारकर घायल कर दिया। जिससे उसकी पत्नी गिर गयी, जिससे कमर एवं पीठ मे अंदरूनी चोट आ गयी, मारपीट कर ओमान जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया। घायलों की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

# आज से महिला अग्निवीरों की भर्ती रैली, 805 उतरेंगी मैदान में

**जबलपुर, देशबन्धु।** मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की 805 महिला उम्मीदवार रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के खेल परिसर में पहुंचेंगी। जहां महिला उम्मीदवार 16 सौ मीटर की दौड़ को पूरा करना होगा। साथ ही 3 फीट ऊंची कूद, 10 फीट लंबी कूद के बाद आगे की प्रक्रिया में महिला उम्मीदवारों को शामिल होने का मौका मिलेगा।

सेना पुलिस में महिला अग्निवीर बनने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की महिला उम्मीदवार आज से दम दिखाएंगी। साथ ही 3 फीट ऊंची



कूद, 10 फीट लंबी कूद के बाद आगे की प्रक्रिया में महिला उम्मीदवारों को शामिल होने का मौका मिलेगा। हालांकि भर्ती रैली को लेकर रानी दुर्गावती खेल परिसर में सेना भर्ती कार्यालय की तरफ से पूरी तैयारी कर ली गई है। वहीं बिगड़ते मौसम को देखते हुए अब सेना भर्ती कार्यालय प्लान बी पर भी काम कर रहा है। जानकारी के अनुसार उम्मीदवारों के दस्तावेजों से लेकर बायोमेट्रिक जांच के लिए अलग से सेल बनाए गए हैं। जिसमें सेना के कर्मचारी तैनात रहेंगे। वहीं प्रमाण पत्रों की जांच के बाद महिला उम्मीदवार मैदान में दौड़, लंबी कूद और ऊंची कूद की प्रक्रिया में शामिल हो पाएंगी।

वहीं सोमवार की शाम से ही बारिश के बाद ट्रैक को दुरुस्त करने का भी काम किया जा रहा है। हालांकि सुबह बारिश एक बार फिर हुई। जिसके बाद एक बार फिर सेना भर्ती कार्यालय मैदान में मशक्कत करते हुए दिखाई दिए। रैली भर्ती में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की महिला उम्मीदवार भाग ले रही है। जिसमें छत्तीसगढ़ की 103 और मध्यप्रदेश की 702 महिला उम्मीदवार मैदान में होगी।

# बदमाशों ने सेवानिवृत्त शिक्षक से विवाद कर धारदार हथियार घोंपा

**जबलपुर, देशबन्धु।** गोहलपुर थाना में मंगलवार शाम हाजी शमशुल हसन उम्र 68 वर्ष निवासी लंगर कमेटी नई बस्ती ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह शासकीय कला निकेतन पॉलीटेक्निक कॉलेज जबलपुर में लेक्चरर के पद से सेवानिवृत्त है।

मंगलवार दोपहर लगभग 1-30 बजे उसकी गाड़ी घर के बाजू से गली लंगर कमेटी नई बस्ती में खड़ी थी। जिसको लेकर उसके पड़ौस में रहने वाले गुलाम हुसैन, तनवीर एवं तौफीक तीनों उसे हटाने के लिये बोलने लगे। तथा तीनों उसके साथ गालीगलौज करने लगे, उसने विरोध किया तो तनवीर ने किसी धारदार हथियार से हमलाकर उसके चेहरे में चोट पहुंचा दी।

आसपास के लोगों ने बीच बचाव किया तो तनवीर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने वृद्ध की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज करते हुये मामले को जांच में लिया है।

# बीमारी के चलते महिला की मौत

**जबलपुर, देशबन्धु।** तिलवारा थाना में मंगलवार को अर्जुन चौधरी उम्र 42 वर्ष निवासी गढ़ा फाटक वर्तमान पति शनि मंदिर के आगे विसर्जन कुण्ड के पास ने सूचना दी, कि उसकी पत्नी रानू चौधरी उम्र 26 वर्ष की अचानक सांस बढ़ने से सोमवार शाम एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज उपचार के लिये लेकर गया था जहां डॉक्टर ने चैक कर उसकी पत्नी को मृत घोषित कर दिया।

# तस्करी कर रहा था आंध्रप्रदेश का युवक, क्रेटा कार से पुलिस ने बरामद किया भारी मात्रा में गांजा





**जबलपुर, देशबन्धु।** शहर में शराब व गांजा बड़ी मात्रा में खपाए जा रहे हैं। जिसकी तरह अन्य प्रदेश के अन्य जिलों व राज्यों से की जा रही है। इसी कड़ी गढ़ा थाना अंतर्गत बड्डा दादा मैदान शिव मंदिर के पास एक तस्कर की लग्जरी कार से लाखों रूपये का गांजा बरामद किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी मूलत: आंध्रप्रदेश का निवासी है, जो कि कुछ समय से शहर में रहकर गांजा तस्करी कर रहा था।

जानकारी के अनुसार गढ़ा पुलिस ने बड्डा दादा ग्राउन्ड शिव मंदिर के पीछे दबिश देकर एक गांजा तस्कर को दबोचा है। पुलिस अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि बड्डा दादा ग्राउन्ड शिव मंदिर के पीछे एक कार में अवैध शराब होने की सूचना मिली थी। जिस पर पुलिस ने तत्काल ही मौके पर दबिश दी। जहां पुलिस को क्रेटा कार क्रमांक एमपी 20 जेडजी 9299 खड़ी दिखी। पुलिस को देख कर तस्कर भागने लगा। जिसे पुलिस ने पकड़ लिया।

पिछली सीट पर रखा मिला थैला

पुलिस ने जब आरोपी से पूछताछ की तो उसने अपना नाम बुलराजू गगरा पिता वेंकटराव उम्र 52 वर्ष निवासी हाल शास्त्री नगर त्रिपुरी वार्ड मीत चौक थाना तिलवारा स्थाई पता ग्राम चागलू थाना चागलू जिला पश्चिम गोदावरी आंन्द्रप्रदेश का होना बताया। पुलिस को कार की पिछली सीट पर एक गहरे हरे रंग का बड़ा थैला मिला। जिसमें गांजे के पैकेट रखे हुए थे। पुलिस ने उक्त थैले से नौ किलों दो सौ ग्राम गांजा बरामद किया है। जिसकी कीमत करीब पौने दो लाख रूपये बतायी जा रही है। पुलिस ने कार व गांजा जप्त करते हुए आरोपी से गांजे के संबंध में पूछताछ शुरु कर दी है।



# डिफेंस इस्टेट ऑफिस से मिले बेदखली के नोटिस से भड़के केंट के रहवासी

**जबलपुर,देशबन्धु।** डिफेंस इस्टेट ऑफिस कार्यालय से केंटोनमेंट के संजय गांधी नगर और मोदीबाड़ा के रहवासियों को पिछले दिनों मिले बेदखली के नोटिस से हड़कंप मच गया है। इस मामले में मंगलवार को कांग्रेस नेताओं के साथ डीईओ कार्यालय का घेराव करने पहुंचे क्षेत्रीय लोगों ने जमकर नारेबाजी की।

पूर्व पार्षद अमरचंद कविता बावरिया ने बताया कि सदर संजय गांधी नगर कटंगा के करीब डेढ़ सौ घरों को डीईओ ऑफिस के द्वारा नोटिस दिया गया और उसमें यह लिखा गया कि 7 दिन के अंदर मकान खाली कर दें। अगर मकान खाली नहीं किए जाते हैं तो अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व केंट बोर्ड उपाध्यक्ष अभिषेक चिंटू चौकसे ,अमर चंद कविता बावरिया ,संतोष विनोदिया ने बताया कि संजय गांधी नगर में लोग पिछले 60 वर्षों से निवास कर रहा है। यहां पर पूर्वजों के समय से निवास किया जा रहा है। आर्मी ने बगीचे खाली कराए गए थे, तब सरकार द्वारा नई बसावट के लिए पहाड़ को जमीन पर मकान बनाने की अनुमति प्रदान की गई थी। इसके बाद कैंट बोर्ड द्वारा टैक्स लिया जा रहा है। हमारी सारी सुविधा के लिए छावनी परिषद ने सड़क नाली लाइट व्यवस्था कर मूलभूत सुविधा देने लगी है। यह नजूल भूमि होने के कारण मध्य प्रदेश शासन ने 1984 में पट्टे भी दिए गए थे। इसका सर्वे 68 केंट में बसाया गया था। जिसकी अवधि समाप्त सन 2014 में समाप्त हो गई है। पुन: सन 2018 में 30 वर्षों लिए शासन से पुणे प्राप्त हो गए हैं। चर्चा के उपरांत डीईओ ने आश्वासन दिया है कि इसकी जांच करके जल्द से जल्द निराकरण करेंगे। इस अवसर पर पूर्व पार्षद किरण ठाकुर, कांग्रेस के सुरेंद्र यादव, राजेंद्र पिल्ले, जब्बार अंसारी, देवी प्रसाद, कंचन डेविड मीना देशमुख ,राहुल रजक ,गीता श्रीवास सुमित्रा कुशवाहा विकास पिल्लै हिमांशु रजक रज्जू रिजवान बानो भी अलीम खान विकास पासी उपस्थित थे।

# एमयू के छात्र आदिवासियों की बीमारियों पर करेंगे शोध

**जबलपुर,देशबन्धु।** मेडिकल यूनिवर्सिटी आदिवासी और जनजातीय समुदाय के स्वास्थ्य को लेकर काम करेगी। डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान महाराष्ट्र और मेडिकल यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू होगा। प्रदेश में 22 आदिवासी बाहुल्य जिले हैं। छात्र आदिवासियों को होने वाली आनुवांशिक बीमारियों जैसे सिकलसेल समेत मौसमी बीमारियों के बारे में जानेंगे। एमओयू के बाद महाराष्ट्र से छात्र यहां आकर शोध कर सकेंगे।

आदिवासियों को मिलेगा लाभ

विशेषज्ञों के अनुसार जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र मंडला, डिंडोरी, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर समेत अन्य इलाकों में एमयू व डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान महाराष्ट्र के छात्रों के शोध से आदिवासियों की बीमारियों के सम्बंध में ज्यादा जानकारी सामने आएगी। इससे उनके इलाज में मदद मिलेगी।

इसके साथ ही कई बीमारियों के इलाज को लेकर उनकी भ्रांतियां दूर की जाएंगी। अभी कुछ रोगों के इलाज को लेकर कई प्रकार की भ्रांतियां होने के कारण आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के रहवासी इलाज के लिए समय पर अस्पताल नहीं पहुंचते। वे इलाज के लिए महत्वपूर्ण समय झाड़-फूंक में लगा देते हैं। इससे कई बार मरीज की बीमारी बढ़जाती है। डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान महाराष्ट्र और एमयू के बीच लंबे समय से एमयूओयू के लिए बातचीत का दौर चल रहा था। इसे मेडिकल यूनिवर्सिटी की कार्य परिषद की स्वीकृति मिल चुकी है।

आदिवासियों की सामान्य बीमारियों से लेकर आनुवांशिक बीमारियों व उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने शोध किया जाएगा। इसे लेकर मेडिकल यूनिवर्सिटी और वैधकीय प्रतिष्ठान के छात्र मिलकर काम करेंगे।

**डॉ. पुष्पराज बघेल,**
**रजिस्ट्रार, मेडिकल यूनिवर्सिटी**

# मोटर सायकिल की भिड़ंत में दो घायल, अस्पातल में भर्ती

**जबलपुर, देशबन्धु।** पाटन थाना में शेखर तिवारी उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम डूंडी पाटन ने बताया कि मंगलवार को अपने घर में था तभी चाचा रामनरेश तिवारी ने फोन कर बताया कि मेरा और देवीदीन प्रसाद साहू का ग्राम नुनसर अंश मैरिज गार्डन के पास एक्सीडेण्ट हो गया है, तो वह अंश मैरिज गार्डन के पास नुनसर पहुचा देखा कि चाचा रामनेश तिवारी एवं देवीदीन प्रसाद साहू रोड किनारे घायल अवस्था में पड़े थे, चाचा ने बताया कि देवीदीन प्रसाद साहू के साथ मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 केएम 9715 मे अपने काम से जबलपुर जा रहे थे सुबह लगभग 10 बजे अंश मैरिज गार्डन के पास पहुंचे तभी पीछे से आ रही मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 एन डब्ल्यु 7287 का चालक तेज गति लापरवाही पूर्वक चलाते हुये पीछे से टक्कर मार दिया। जिससे मैं एवं देवीदीन प्रसाद साहू दोनों मोटर सायकिल सहित गिर गये। जिससे दोनों को हाथ पैर एवं शरीर में चोटें आ गयीं हैं। उसने अपने चाचा रामनरेश तिवारी एवं देवीदीन प्रसाद साहू को उपचार के लिये गैलेक्सी अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने रिपोर्ट पर मोटर सायकिल चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

# सुपर मोम इवेंट के ऑडिशन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया

**जबलपुर, देशबन्धु।** कायनोश्योर इवेंट ग्रुप के द्वारा सुपर मोम इवेंट का आडिशन आयोजित किया गया। जिसमें होटल दरबार में ऑडिशन के लिये बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान कार्यक्रम के आयोजक सहित सहियोगी ग्ररुप के सदस्य उपस्थित रहे।

वहीं इस मौके पर मौजूद ऑडिशन देने आई महिलाओं ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया, कि घरेलू कामकाजी महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच नहीं मिल पाता है। वही इवेंट के माध्यम से महिलाओं को मंच मिला है और वो अपनी प्रतिभा को दिखा सकती है, इस एडिशन में जबलपुर के अलावा दूसरे जिलों की महिलाओं ने भी शामिल होकर, इस एडिशन में भाग लेकर उन्होंने अपनी शानदार प्रस्तुति दी, इस एडिशन का अगला कार्यक्रम दिसंबर में होगा। इस अवसर पर ग्ररुप के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# नाबालिगाओं से छेड़छाड़ करने वाले दो आरोपियों को सजा

## एक को तीन साल तो दूसरे को एक साल का कठोर कारावास

**जबलपुर, देशबन्धु।** पाक्सों की अदालत ने दो अलग-अलग मामलों में नाबालिगाओं से छेड़खानी व अश्लील बाते करने वाले दो आरोपियों को दोषी करार दिया है। अदालत ने पाटन थाने में दर्ज मामले में आरोपी बंटू उर्फ संतोष पटेल तीन साल के सश्रम कारावास व दो हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। वहीं बरेला थाने में दर्ज प्रकरण में आरोपी राजू पटेल को एक साल के सश्रम कारावास व दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अदालत को अभियोजन पक्ष की ओर से बताया गया कि 23 मार्च 2019 को जब नाबालिगा बेयरहाउस पास सरकारी नल से पानी भर रहीं थी। उसी समय उसके मोहल्ले का आरोपी बंटू पटेल वेयरहाउस की तरफ से आया और पीड़िता को जमीन पर पटक-कर अश्लील हरकतें करने लगा। किसी तरह धक्का देकर पीड़िता भागी और मामले की शिकायत पाटन थाने में दर्ज करायी। जिसके बाद अदालत ने आरोपी बंटू उर्फ संतोष पटेल को तीन साल के सश्रम कारावास व दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

**पैसा का लालच देकर बनाना चाह रहा था शरीरिक संबंध-**

वहीं दूसरे मामले में अदालत को बताया गया कि पीड़िता ने बरेला थाने में शिकायत दर्ज करायी थी। जिसमें उसने बताया था कि 30 अप्रैल 2019 को उसके घर से दादी की मौत की खबर आई थी। जिस पर वह मशरुम कंपनी से छुट्टी मांगकर घर जाने के लिये रोड पर खड़ी थी। उसी समय एक ऑटो चालक आया और मनेरी तरफ ले जाऊंगा कहकर जबरदस्ती उसे ऑटो में बैठा लिया। इसके बाद बरेला तक लेकर गया और गंदी बाते करते रहा। इसके बाद पीड़िता को पैसों का लालच देकर शरीरिक संबंध बनाने की बाते करने लगा। जब पीड़िता जोर-जोर से रोने लगी तो पहाड़ीखेड़ा तालाब के पास उतारकर भाग गया। शिकायत पर बरेला पुलिस ने छेड़खानी व पाक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई पश्चात् अदालत ने आरोपी राजू पटेल को एक साल के सश्रम कारावास व दो हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। दोनों ही मामलों में शासन की ओर से अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी स्मृतिलता बरकड़े ने पैरवी की।

# कटनी नगर निगम सहित अन्य से हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

## कब्रिस्तान पहुंच मार्ग न होने का मामला

**जबलपुर, देशबन्धु।** कटनी स्थित मुख्य कब्रिस्तान का पहुंच मार्ग न होने के मामले का हाईकोर्ट ने काफी गंभीरता से लिया। चीफ जस्टिस रवि विजय मलिमथ व जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने मामले में नगर निगम कटनी सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। यह जनहित याचिका मदन मोहन चौबे वार्ड निवासी नाजिम खान की ओर से दायर की गई है। जिसमें





कहा गया कि कटनी मुड़वारा के मुख्य कब्रिस्तान तक पक्की सड़क नहीं बनी है। इस वजह से जनाजा लेकर जाने वालों को काफी परेशानी होती है। पूर्व में अभ्यावेदन दिया गया था, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिस पर हाईकोर्ट की शरण ली गई है। आवेदक की ओर से कहा गया कि कब्रिस्तान का कच्चा पहुंच मार्ग कटनी-वीना रेल लाइन के बाजू से बना हुआ है। बारिश के मौसम के समय कीचड़ होने के कारण परेशानी काफी बढ़ जाती है। ऐसे में मजबूरी में रेलवे लाइन के ऊपर से जाना पड़ता है। इससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। पक्की सड़क बनाने की मांग रेलवे, नगर निगम व राज्य शासन के बीच उलझी है। यदि रेलवे अनापत्ति प्रदान कर दे तो नगर निगम सड़क बनाने तैयार है। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

## ठंड ने पकड़ी रफ्तार, ठिठुरे लोग धूप को तरसे

**गांधीग्राम,देशबन्धु।** सोमवार की रात्रि व मंगलवार की सुबह हुई बरसात से एवं बादलों के छूटते ही ठंड ने अपनी रफ्तार पकड़ ली है वर्तमान में लगातार दो दिनों से ठंड में अपेक्षाकृत काफी तेजी आ गई है। मौसम का मिजाज दिनप्रति ठंडा होता जा रहा है।आसमान में बादलों के छटते ही ठंड में इजाफा होता जा रहा है। मंगलवार की सुबह बढ़ी ठंड से बचाव के लिए लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए।बढ़ी ठंड से बचने के लिए लोग धूप खिलने का इंतजार करते समय किंतु पूरे दिन धूप को तरस गए धूप नहीं निकली। ठंड से लोग जमकर ठिठुरते रहे। वर्तमान में ठंड की गति काफी इजाफा हुआ है व अब ठण्ड ने रफ्तार पकड़ लिया है। लोगों के ठण्ड से बचने कोट,ऊनी स्वेटर,मफलर के साथ हाथ पोश पहनने के बाद भी ठंड के कारण सुबह घर से बाहर निकलने वाले स्टैंडों पर काम के लिए जाने लोगों व अपडाउनर्स को व बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन पर पहुंचे यात्रियों को ठंड की वजह से परेशानियां झेलनी पड़ रही है। तिराहों-चौराहों पर खड़े लोग भी चाय की भट्टियों से चिपके रहे। ठंड के चलते शाम ढलते ही बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। दिन भर ठंड का सितम बढ़ता जा रहा है। सर्दी के मौसम में बाजारों में चाय-काफी व चाट की बिक्री बढ़ गई है। रेलवे स्टेशनों पर ठंड के बीच ट्रेन का इंतजार करने वाले यात्री चाय का सहारा लेते हुए ठंड से राहत महसूस कर रहे हैं।

गांधीग्राम से जुड़े हुए आसपास के 10 से 15 गांव के लोग गांधीग्राम आकार नियमित रूप से जबलपुर की यात्रा करते हैं।इनमें मुख्य रूप से कर्मचारी, अप डाउनर्स, पान कृषक, आदि जब यह सुबह के वक्त गांधीग्राम आते हैं तो यहां पर कूड़ा कंजई तिराहा,बस स्टैंड आदि में लोग ठंड में ठिठुरते नजर आए।

## एन एच 30 हाईवे पर वाहनों से गिरी मिट्टी से मचा कीचड़

### फिसल रहे बाइक चालक/ वाहनों के पलटने की आशंका

**गांधीग्राम,देशबन्धु।** राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 हाईवे पर फोरलेन के सिहोरा जबलपुर मार्ग के गांधीग्राम -बम्होरी, धमकी हाईवे चौराहे पर खनिजभारयुक्त वाहनों की आवाजाही से वाहनों से गिरी हुई गीली ब्लूडस्ट,आयरन ओर,मुरम,मेगनीज आदि व पटरी की मिट्टी की परत के रूप में सड़क पर जमा था, सोमवार को रात में वा मंगलवार को सुबह हुई बारिश की वजह से वे हाईवे पर वाहनों की आवाजाही से हाईवे पर सुबह से दलदल की स्थिति रही।हाईवे मार्ग दलदल में तब्दील हो गया।यह सब प्रशासन व सम्बंधित विभाग की उदासीनता का जीता जागता उदाहरण हैं।इसी प्रकार की स्थिति हाईवे से गांधीग्राम बस्ती के लिए बनाए गए डायवर्सन मार्ग के निर्मित है ,डायवर्सन भी दलदल में तब्दील हो गया है।

*दिन रात यहाँ से मुरम,मिट्टी, ब्लूडस्ट के हाइवा, डम्फर आदि वाहनों की आवाजाही लगी रहती है।गीली मुरम,ब्लूडस्ट आदि सड़क व डायवर्सन मार्ग पर गिरते हुए जाती है, साथ ही पटरी पर एकत्रित मिट्टी दलदल का स्वरूप ले चुकी है।जिससे दुपहिया वाहन चालकों, बड़े वाहनों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खनिज भारयुक्त वाहनों से गिरने वाली गीली खनिज तथा सड़क किनारे डंप हुई एवम ओवरलोड खनिज परिवहन होता है जो सड़क पर गिरता रहता है पानी बरसते ही मिट्टी बहकर सड़क पर आ गई और मार्ग पर वर्तमान में वाहनों की आवाजाही की वजह से संपूर्ण फोरलेन सड़क मार्ग वा डायवर्सन मार्ग दलदल में तब्दील हो गया है।

*दोपहिया वाहन फिसल रहे व बड़े वाहनों के पलटने का खतरा- हाईवे व डायवर्सन मार्ग पर पानी बरसते उक्त मार्ग पर फैली हुई खनिज,मिट्टी दलदल में तब्दील होने से मार्ग पर फिसलन की स्थिति निर्मित हो गई है।अत्यधिक स्लोप में बना होने के कारण दुपहिया वाहन चालकों के ब्रेक लगाते ही फिसलकर वाहन नीचे आ जाते हैं व गिर रहे हैं। *यहाँ से आने जाने वाले वाहन चालकों को हाईवे चौराहे व डायवर्सन पर दलदल युक्त होने के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।रात्रि में वाहन चलाना बहुत ही दुश्कर लगता है।शासन प्रशासन से आग्रह है कि यथाशीघ्र हाईवे से दलदल रूपी कीचड़ व डायवर्सन मार्ग में दलदल कर रूप में फैली हुई मिट्टी को हटाकर यातायात को सुगम व सुविधाजनक बनाया जावे।

## सार-समाचार

### मनीषा साहू ने पूरे देश में किया टॉप

**सिहोरा,देशबन्धु।** शा.श्याम सुंदर अग्रवाल पीजी महाविद्यालय की रसायन शास्त्र विभाग के पीजी अंतिम वर्ष में अध्यनरत छात्रा कुमारी मनीषा साहू ने द्वारा संचालित कोर्स प्रिंसिपल आफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री नामक विषय की परीक्षा में पूरे देश में प्रथम स्थान हासिल किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम. के. श्रीवास्तव और रसायन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ सुनु आर. के. मैथ्यू सहित महाविद्यालय परिवार ने छात्रा को महाविद्यालय का नाम रोशन करने करने के लिए बधाइयां प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

### संविधान दिवस के कार्यक्रमों का आयोजन

**सिहोरा,देशबन्धु।** शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में राजनीति शास्त्र विभाग एवं महिला सशक्तिकरण समिति द्वारा 26 नवंबर 2023 के संविधान दिवस के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया 7 दिनांक 25 दिसंबर को संविधान की उद्देशिका का पाठ एवं शपथ ग्रहण किया गया । इस अवसर पर महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसका विषय भारतीय संविधान एवं महिलाओं को प्रदत्त अधिकार था।

निबंध प्रतियोगिता में कु. आंशी मिश्रा कु. राशि जैन कु. हुमा सिद्दीकी एवं छात्र रमन कुमार यादव ने निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया । इसी कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 28/ 11/ 2023 को माननीय सुश्री रेशमा खातून प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट व्यवहार न्यायालय सिहोरा एवं माननीय श्री सृष्टि अग्निहोत्री प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट व्यवहार न्यायालय सिहोरा, ने अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय में पधारकर भारतीय संविधान दिवस के समापन समारोह के कार्यक्रम में भारतीय संविधान पर विस्तार से छात्र-छात्राओं से चर्चा की । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर राजनीति शास्त्र विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ नीता तिवारी महिला सशक्तिकरण समिति की संयोजक डॉ. गीता पांडे डॉ. स्वाती महोबिया डॉ.गार्गी भट्टाचार्य डॉ. पूजा चौकसे, डॉ. अनंदीलाल कुर्मी, एवं अन्य प्राध्यापक साथी उपस्थित रहे । आभार प्रदर्शन डॉ. एस के महरौलिया के द्वारा किया गया।

### राकेश चौहटेल का निधन

गांधीग्राम स्मीपस्थ ग्राम बम्होरी( गांधीग्राम ) निवासी दिवंगत भगवान दीन चौहटैल के पुत्र राकेश चौहटैल का 43 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया! आप ऋषभ एवं रेशमा चौहटैल के पिता एवं संजय चौहटैल के बड़े भ्राता थे, जिनकी अंत्येष्टि बम्होरी मुक्ति धाम में की गई!

### ब्रेक फेल होने से पेड़ से टकराई बस, कई यात्री घायल

**रीवा देशबन्धु।** शहर से लगं निपनिया मोहल्लेउ में रौसर मोड के पास आज सुबह एक तेज रफ्तार यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा गई। हादसे में बस सवार करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गये। जिन्हें उपचार के लिये अस्पताल पहुंचाया गया है। हादसे का कारण बस का ब्रेक फेल होना बताया गया है। मिली जानकारी के अनुंसार बस क्रमांक एमपी 17 पी 1279 ताला मुकुंदपुर से चलकर रीवा की ओर जा रही थी। मंगलवार की सुबह निपनिया मोहल्ले में बस का ब्रेक अचानक से फेल हो गया। ऐसे में बस सड़क किनारे लगे पेड़ में जा घुसी। हादसे के दौरान बस में करीब 40 यात्री सवार थे। जिनमें से एक दर्जन घायल हो गये। हादसे के दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। आसपास के लोग पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य करते हुये पुलिस को सूचना दिया।

## 3 दिसंबर तय करेगा-किसकी होगी विजय

### 95 विस क्षेत्र के सभी 19 प्रत्याशी अपनी जीत को लेकर आशान्वित

### गली मोहल्लों,चाय पान की टपरी पर जीत हार की अटकलें तेज

**पाटन देशबन्धु।** पाटन विस चुनाव में वैसे तो मुख्य मुकाबला बीजेपी कांग्रेस में ही था लेकिन सभी 19 प्रत्याशी अपनी अपनी जीत को लेकर आशान्वित दिख रहे हैं।

इस समय कुछ छुट भैया नेता हार जीत को लेकर बेहद चिंतित दिख रहे हैं। चुनाव के शुरुवाती दिनों में खुले मंच से 40 से 50 हजार की जीत का दावा करने वालों के माथे पर चिंताओं की लकीरें साफ़ देखी जा सकती हैं। भाजपा लाडली बहनों के सहारे अपनी नैया पार होने के सपने सजोए बैठी है वही कांग्रेस भाजपा सरकार एवं मौजूदा विधायक के प्रति लोगों की नाराजगी एवं भाजपा के रूठे नेता और कार्यकर्ता की वजह से अपने वोट बैंक में बढ़त देख रही है। वैसे तो पाटन विधानसभा क्षेत्र हमेशा क्षेत्रीय मठाधीशों की वजह से सुर्खियों में रहा है। यहां के मतदाता द्वारा प्रत्येक छोटे बड़े चुनाव में अपनी परिपक्वता का परिचय देकर सही निर्णय लिया है। 2023 के विस चुनाव में भी मतदाता की यही स्थिति रही। काफी सोच विचार के बाद लोगों ने मतदान किया। इस क्षेत्र में कुल 19 उम्मीदवार चुनावी मैदान में अपना भाग्य आजमा रहे थे। यदि छुट पुट घटनाओं को छोड़ दे तो हम कह सकते है सौहार्दपूर्ण वातावरण में सभी उम्मीदवारों ने अपना अपना प्रचार प्रसार किया और अपने

समर्थकों के साथ वोट मांगने गली मोहल्लों और किसानों से मिलने उनके खेत खलहनों तक दस्तक दी,पूरा विस क्षेत्र चुनावी प्रचार के विभिन्न रंगों से सराबोर रहा वही 17 नवंबर को विस क्षेत्र के 303 मतदान केंद्रों पर शांति पूर्वक मतदान संपन्न हुआ और उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया था। फिर 18 दिस.से राजनीतिक समीक्षा का दौर जारी हो गया। 19 प्रत्याशियों में कौन सा उम्मीदवार भोपाल विस 95 की कुर्सी पर आसीन होगा इन अटकलो पर चंद दिनों में विराम लगने वाला है। जो जिस प्रत्याशी का समर्थक है उसका ऐसा मानना है कि उसका उम्मीदवार तो सबसे आगे है और उसी की जीत पक्की है। वही मतदाताओं की चुप्पी उम्मीदवारों में असमंजस का प्रादुर्भाव कर रही है। इसी कारण सभी उम्मीदवार अपनी अपनी जीत सुनिश्चित समझ रहे हैं। पाटन मझौली विस क्षेत्र में राजनीतिक समीकरण परिवर्तित जरूर हुए हैं क्योंकि कुछ प्रभावशाली नेताओं ने अपना पाला बदलकर इस चुनाव में अपना प्रभाव अवश्य छोड़ा है। इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता है कि इस चुनाव में बाहरी और क्षेत्रीय प्रत्याशी का मुद्दा पूरे समय गरमाया रहा और प्रचार के दौरान भाजपा खुद अपनों से लड़ते दिख रही थी। अब मतगणना का दिन 3 दिसंबर शनै शनै-निकट आ रहा है। हर कस्बा, गांव, खिरकों, गांवों की चौपाल पर जीत हार की चर्चाएं अब चरम सीमा पर पहुंच गई हैं। चाय पान की दुकानों पर दिन भर यही चर्चाएं सुनने को मिल रहीं हैं। तर्क वितर्क की चर्चाओं में दुकानदारों की बिक्री भी खूब जमकर हो रही है जिससे दुकानदार भी गदगद नजर आ रहे हैं। कोई कांग्रेस-भाजपा में टक्कर बता रहा है तो कोई बसपा और आप की स्थिति भी मजबूत बता रहा है वही निर्दलीय उम्मीदवार भी पूरी तरह अपनी जीत पक्की मानकर चल रहे हैं। अटकलों के बाज़ार पर तो 3 दिसंबर को ही विराम लगेगा जब मतगणना के परिणाम हमारे सामने आएंगे वही दिन तय करेगा किसकी मेहनत रंग लाई, फिर उसी के सर पर बंधेगा पाटन मझौली विधान सभा के विजयश्री का ताज।

## स्कूल वाहन व यात्री बस में टक्कर, ड्राइवर घायल

### मामला सिवनी-बालाघाट रोड का

**सिवनी, देशबन्धु।** जिला मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर बालाघाट मार्ग पर स्थित बंजारी माता मंदिर के पास मंगलवार सुबह करीब 8 बजे स्कूली बस और इंदौर से लौट रही यात्री बस की आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई। जिस दौरान वाहनों की टक्कर हुई उसे दौरान में वर्षा हो रही थी, संभवत: तेज वर्षा के कारण दोनों वाहनों की आमने-सामने से टक्कर हुई है। गनीमत की बात हो रही कि स्कूली बस में सिर्फ तीन बच्चे सवार थे जिन्हें गंभीर चोट नहीं है। जबकि स्कूल बस ड्राइवर के पैर में गंभीर चोट आई है जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार डूंडा सिवनी थाना अंतर्गत बरघाट रोड में मंगलवार सुबह करीब आठ बजे स्कूल बस और यात्री बस की आमने सामने टक्कर हो गई। हादसे में स्कूल बस चालक का पैर कट गया है। लूघरवाड़ा के उदय पब्लिक स्कूल की बस क्रमांक एमपी 22 पी 0420 बरघाट से तीन छात्रों को लेकर स्कूल आ रही थी तभी इंदौर से

बालाघाट जा रही नंदन ट्रैवल्स की बस क्रमांक एमपी 22 पी 4101 ने स्कूल बस को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूल बस का चालक बरघाट निवासी दशरथ टेंभरे गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि तीनों छात्र सुरक्षित हैं। मौके पर पुलिस जांच कर रही है। हादसे में स्कूली बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया वहीं यात्री बस को भी नुकसान हुआ है।

## गांजा सहित आरोपी पकड़ाया

**सिवनी, देशबन्धु ।** लखनादौन पुलिस ने मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। पुलिस ने घेराबंदी कर एक व्यक्ति को गिरफ्त में लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लखनादौन पुलिस को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में गांजे का अवैध कारोबार हो रहा है। मुखबिर की सूचना पर थाना लखनादौन पुलिस ने 1 किलो 100 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की।

## पाटन में दुकान निर्माण ठेकेदार की मनमानी का विरोध

**पाटन देशबन्धु।** किसी ने सच ही कहा है पाटन अजब है गजब है इसकी बानगी उस समय देखने को मिली जब लगभग 51 लाख की लागत से पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेडियम के सामने मार्केट के फस्ट फ्लोर पर दुकानों का निमार्ण होना था जिसके विधिवत टेंडर निकाय से जारी हुए उक्त दुकानों के निर्माण कार्य का टेंडर ब्लू एस्केप इंटरनेशनल, प्रोपराइटर नितेश मेहता जबलपुर को मिला था।

चुकी पूर्व में निर्मित दुकानें जर्जर अवस्था में थी जिसकी वजह से निकाय प्रशासन ने प्रथम तल पर निर्मित होने वाली दुकानों की मजबूती के लिहाज से ग्राउंड फ्लोर की दुकानों से कलम खड़े करके दिनांक 17 एवं 18 नवंबर के दिन ठेकेदार ने स्लैब की ढलाई कर दी गौर करने वाली बात यह थी कि निकाय के उपयंत्री एवं जिम्मेदार अधिकारियों की ड्यूटी विधान सभा चुनाव में लगी थी वोटिंग के दौरान ठेकेदार को स्लैब ढलाई की अनुमति किसने दी और किस अधिकारी कर्मचारी की देखरेख में उक्त स्लैब की ढलाई ठेकेदार के द्वारा की गई। क्या ठेकेदार के द्वारा निकाय के तय मापदंडों के अनुसार लोहा एवं सीमेंट, रेत गिट्टी लगाकर

### आठ दिन में ही खुलवा दी स्लैब सेटिंग

ठेकेदार ने दुकानों का स्लैब ढाला है। हद तो तब हो गई जब ठेकेदार के द्वारा मात्र 8 दिन में ही स्लैब की सेटिंग खुलवाने अपने कर्मचारी लगा दिए और काम की रफ्तार इतनी तेज थी की चंद घंटों में 5 दुकानों की सैंटिंग खोल दी गई जब तक मार्केट वालो को इसकी भनक लगी तो उन्होंने अपना विरोध दर्ज कराया जिसकी वजह से ठेकेदार के कर्मचारी 12 दुकानों की सैंटिग नहीं खोल पाए और 5 दुकानों की खुली सैंटिंग आटो क्रमांक एमपी 20 एलबी 3712 में लेकर चले गए उसी दौरान मार्केट वालो ने ठेकेदार के कर्मचारियों को पकड़ लिया वही निर्माणधीन साईट पर काफी देर तक बबाल मंचा रहा तभी कुछ लोगों ने निकाय के ज़िम्मेदार अधिकारियों एवं उक्त ठेकेदार को मोबाइल पर कॉल किया लेकिन किसी के भी मोबाईल रिसीव नहीं हुए। तभी ठेकेदार के कर्मचारियों ने स्लैब को सहारा देने के लिए सैंटिंग की फंटी अड़ा दी ऐसी इंजीनियरिंग और ठेकेदारी तो सिर्फ पाटन नगर परिषद में ही देखने को मिल सकती है।

नगर वासियों का ऐसा कहना है कि ठेकेदार को निकाय प्रशासन के द्वारा घटिया कार्य करने एवं सैंटिग को 21 दिनों की वजाय मात्र 8 दिनों में खोलने की छूट निकाय के प्रिय ठेकेदारों को दी जाती है। वही कुछ ठेकेदारों के टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद मिलने वाले टेंडर भी नियम को ताक पर रखकर निकाय प्रशासन के द्वारा कैंसिल करा दिए जाते हैं। पाटन निकाय का प्रिय ठेकेदार ही पाटन नगर परिषद में काम कर सकता है। जब इस संबंध में सीएमओ नीलम गोवर्धन सिंह चौहान से बात की गई तो उन्होंने बताया कि ऐसा तो हो ही नहीं सकता हैं आप फोटो और वीडियो भेजिए में दिखवाता हूं।

## फ्रांस में तीन युवा पुत्रियों की पिता ने की हत्या

**क्रेटेइल, ( एजेंसियां )।** फ्रांस में अपनी तीन युवा पुत्रियों की हत्या करने वाले व्यक्ति ने रविवार को पुलिस के समक्ष समर्पण कर दिया। स्थानीय मीडिया ने अभियोजकों और पुलिस सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक पेरिस के दक्षिणपूर्वी उपनगर अल्फोर्टविले निवासी 41 वर्षीय व्यक्ति ने उत्तरी तटीय शहर डाइपे के पुलिस थाने में जाकर कबूल किया कि उसने अपनी तीन पुत्रियों की हत्या कर दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों को मृत पाया। एक सरकारी अभियोजक ने चार, 10 और 11 वर्ष की तीन युवा पुत्रियों की मौत की पुष्टि की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जांच के शुरुआती निष्कर्षों के अनुसार तीनों युवतियों की चाकू मारकर हत्या की गयी। आरोपी पिता को 2021 में घरेलू हिंसा का मामले में दोषी ठहराया गया था।

# पाकिस्तान पर क्यों अमेरिका मेहरबान, 15 साल बाद बड़े पैकेज संग लौटा बलूचिस्तान



**नई दिल्ली।** हाल ही में पाकिस्तान में अमेरिका के राजदूत डोनाल्ड ब्लूम ने दक्षिणी-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा का दौरा किया था। अपनी यात्रा के दौरान ब्लूम ने पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में 40 लाख डॉलर यानी 114 करोड़ पाकिस्तानी रुपये की आर्थिक सहायता पैकेज का ऐलान किया।

यह धनराशि पाकिस्तान के पुलिस बलों के लिए प्रशिक्षण और अन्य क्षमता निर्माण पर खर्च की जाएगी। इसके अलावा, 800 अतिरिक्त लोगों को शिक्षित और प्रशिक्षित करने के लिए भी इस राशि का इस्तेमाल किया जाएगा। दरअसल, अमेरिका आंतरिक और सीमा पार आतंकवाद से निपटने, बलूचिस्तान में अपनी स्थिति को मजबूत करने और उस क्षेत्र में चीन की उपस्थिति को नियंत्रित करने की एक महत्वपूर्ण पहल के साथ इस क्षेत्र में वापसी कर रहा है।

पिछले महीने अमेरिकी राजदूत ने ग्वादर का दौरा किया था और हाल ही में 20 नवंबर को फिर से उन्होंने क्वेटा का दौरा किया और प्रांतीय मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इसी दौरे पर अमेरिकी राजदूत ने बलूचिस्तान के विकास के लिए 4 मिलियन डॉलर की घोषणा की। अपनी यात्रा पर ब्लूम ने कहा कि दोनों देश पिछले कुछ समय से आतंकवाद से निपटने के लिए मिलकर काम करते रहे हैं,और आगे भी सहयोग बना रहेगा।

**15 साल बाद बलूचिस्तान की तरफ मुड़ा अमेरिका-** 15 साल की अनदेखी के बाद, अमेरिका फिर से चीन और उसके सीपीईसी प्रोजेक्ट को रोकने के लिए बलूचिस्तान में कूद पड़ा है। ब्लूम का बलूचिस्तान दौरा यह दर्शाता है कि क्षेत्र में चीन का मुकाबला करने के लिए ही अमेरिका ने महत्वपूर्ण ग्वादर बंदरगाह में अधिक रुचि ली है।

दरअसल, होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार पर ग्वादर पोर्ट का होना रणनीतिक और व्यापारिक नजरिए से बहुत अच्छा स्थान है। दूसरी तरफ यह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी है।

**ग्वादर के जरिए चीन तक पहुंच-** बलूचिस्तान में अमेरिकी राजदूत की यात्रा और आर्थिक पैकेज के ऐलान को अमेरिका द्वारा चीन तक पहुंचने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका की रुचि इस क्षेत्र में कम हो चुकी थी लेकिन सीपीईसी लागू होने के बाद से पाकिस्तान में, खासकर बलूचिस्तान में चीन की ताकत बहुत बढ़ गई है। इसलिए, ग्वादर बंदरगाह पर अमेरिकी राजदूत की यात्रा अमेरिका और पाकिस्तान के संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है।

**ग्वादर का क्या महत्व?** - अरब सागर के किनारे बसा ग्वादर बंदरगाह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा और पड़ाव है। यह चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल की एक प्रमुख परियोजना का हिस्सा है। ग्वादर बंदरगाह, होर्मुज स्ट्रेट के मुहाने पर बसा है और यह व्यापार से लेकर भू-राजनीति और सामरिक नजरिए से काफी महत्वपूर्ण है। यहां पाकिस्तान, चीन और अमेरिका असीमित संभावनाएं देख रहे हैं। दुनिया इस एक गहरे समुद्री बंदरगाह के रूप में भी देखती है, जिसे पाकिस्तान ने 2007 में खोला था लेकिन ग्वादर का विकास इस तथ्य से धीमा हो गया है कि यहां के युवाओं के पास कई कौशल और शैक्षणिक विकल्प और करियर की संभावनाएं नहीं हैं। कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास और ग्रामीण सामुदायिक विकास परिषद ने अब यहां मिलकर इंग्लिश एक्सेस माइक्रोस्कॉलरशिप कार्यक्रम की शुरुआत की है।

माइक्रोस्कॉलरशिप कार्यक्रम क्या है

इस परियोजना के तहत ग्वादर के 48 गरीब लेकिन प्रतिभाशाली बच्चे जो मध्य विद्यालय स्तर के विद्यार्छी हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका में एक कक्षा का अनुभव करने में सक्षम होंगे। एक सामाजिक कार्यकर्ता के मुताबिक, अमेरिका इस परियोजना के जरिए स्थानीय समुदाय को अधिक शक्ति देने और स्कूल के विकास में सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा, राजदूत ब्लोम की ग्वादर यात्रा क्वेटा में एक बड़ी घोषणा के बाद हो रही है।

**बलूचिस्तान में चार मोर्चे पर हो सकती है जंग-** कुछ रणनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस क्षेत्र में अमेरिका के प्रवेश से एक तरफ बलूच विद्रोहियों और अलगाववादियों का विद्रोह बढ़ेगा और दूसरी तरफ बलूचिस्तान में चीन और अमेरिका के छद्म युद्ध की वजह से तालिबान के खिलाफ एक शून्य पैदा होगा। हालाँकि, ग्वादर एक बेहतरीन स्थान पर है और अपनी भू-रणनीतिक स्थिति और समुद्री बंदरगाह के कारण इसमें काफी संभावनाएं हैं। चूंकि, ग्वादर के विकास में चीन पहले से लगा हुआ है और अब अमेरिका ने भी एंट्री ली है। ऐसे में यह क्षेत्र एक आर्थिक हब बनकर भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। हालंकि, इस व्यापारिक और सामरिक लड़ाई में वह चीन और अमेरिका की व्यापारिक लड़ाई का अखाड़ा भी बन सकता है।

## खत्म हो रहा तेल का खेल, पर सऊदी अरब ने कैसे ओडीएसपी प्लान से निकाल ली काट

अमेरिका, भारत और चीन जैसी दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों का विकल्प तलाश रही हैं। इलेक्ट्रिक गाड़ियों और हाइड्रोजन से वाहन चलाने की तकनीक विकसित होने से तेल की मांग कम होने का खतरा है। इसका सबसे ज्यादा असर सऊदी अरब, कतर, ईरान, इराक जैसे उन देशों पर होगा, जो कच्चे तेल के कारोबार से ही अर्थव्यवस्था चला रहे हैं। इस बीच सऊदी अरब ने इस खतरे से बचने के लिए भी प्रयास शुरू कर दिए हैं। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान पहले ही विजन 2030 के तहत इस पर काम कर रहे हैं। यही नहीं सऊदी अरब ने अब इस संकट से निपटने के लिए ओडीएसपी प्लान लॉन्च किया है। इसके तहत सऊदी अरब अफ्रीका में निवेश कर रहा है ताकि वहां तेल की मांग में इजाफा हो और फिर सप्लाई करके कारोबार को बचाया जा सके। चैनल 4 न्यूज और सेंटर फॉर क्लाइमेट रिपोर्टिंग की जांच में यह बात कही गई है। अफ्रीकी देशों में कार, बस और विमानों में तेल की खपत को बढ़ावा देने पर इसके तहत काम होगा। इस स्कीम को ऑइल डिमांड सस्टेनेबिलिटी प्रोग्राम यानी ओडीएसपी का नाम दिया गया है। सऊदी अरब के अधिकारियों का कहना है कि हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य आर्टिफिशियल तरीकों से कुछ बड़े बाजारों में तेल की डिमांड को बढ़ाना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सऊदी अरब हाइपरसोनिक एयर ट्रैवल को बढ़ावा देगा। इन विमानों में आम प्लेन्स की तुलना में तीन गुना ज्यादा ईंधन की खपत होगी। इसके अलावा कार कंपनियों से भी सऊदी अरब हाथ मिलाना चाहता है ताकि वे ऐसे इंजन तैयार करें, जिनमें तेल की खपत कम होती हो। सऊदी अरब का मानना है कि तेल की खपत कम होने से लोगों में पेट्रोल और डीजल वाली कारों का क्रेज बरकरार रहेगा।

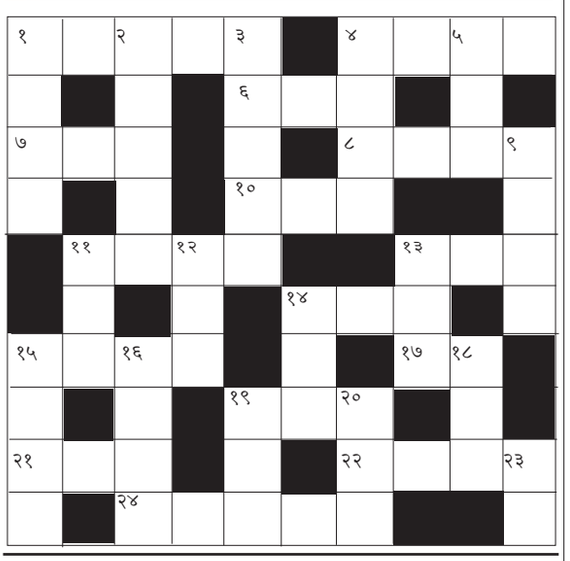

## हमास युद्ध में इजराइल को 53 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान त्न सेंट्रल बैंक

**यरूशेलम, (आईएएनएस)।** इजरायल के केंद्रीय बैंक ने कहा है कि हमास के साथ इजरायल के युद्ध में यहूदी राष्ट्र को लगभग 197 बिलियन शेकेल (53 बिलियन डॉलर) का नुकसान होने का अनुमान है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ऑफ इज़राइल के अनुसार, इस राशि में लगभग 107 बिलियन शेकेल रक्षा व्यय, 22 बिलियन शेकेल क्षति मुआवजा और 25 बिलियन शेकेल अन्य नागरिक व्यय शामिल हैं। इसके अलावा, सरकारी ऋण पर ब्याज 8 अरब शेकेल तक पहुंचने की संभावना है, जबकि संघर्ष के कारण राजस्व का नुकसान 35 अरब शेकेल होने का अनुमान है। पूर्वानुमान इस आधार पर तैयार किया गया कि इजरायली अर्थव्यवस्था पर युद्ध का सीधा प्रभाव अगले साल 2024 तक बना रहेगा।

## अमेरिकी सिखों ने खालिस्तानियों को लताड़ा, भारतीय राजदूत के साथ बदसलूकी पर गुरुद्वारा सख्त

**नई दिल्ली।** खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू के समर्थकों ने अमेरिका के गुरुद्वारे में भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू के साथ धक्का-मुक्की की। गुरुवर्व के मौके पर वह न्यूयॉर्क के एक गुरुद्वारे में पहुंचे थे तभी वहां सिख फॉर जस्टिस के कुछ खालिस्तान समर्थक उनसे भिड़ने की कोशिश करने लगे।

हालांकि उनकी सारी चाल वहां मौजूद सिखों ने फेल कर दी। इस घटने के बाद गुरुद्वारे में संधू का सम्मान किया गया। अब गुरुद्वारा प्रबंधन ने भी बयान जारी कर इस घटना की निंदा की है और कहा है कि जो लोग इसमें शामिल थे उनके खिलाफ कड़ा ऐक्शन लिया जाएगा। अमेरिका के सिखों के संगठन ने एक बयान जारी करते हुए सोमवार को कहा कि गुरुद्वारा सभी के लिए है। यह किसी की निजी राजनीती का मंच नहीं है। बता दें कि संधू के साथ धक्का मुक्की करते हुए खालिस्तान समर्थक चिल्ला रहे थे कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या उन्होंने करवाई। वे गुरपतवंत सिंह पन्नू और



निज्जर को लेकर सवाल पूछ रहे थे। कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की 18 जून को कुछ अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

इसका आरोप कनाडा ने भारत पर लगाया। हालांकि भारत अब तक कह रहा है कि यह आरोप निराधार है और कनाडा कोई सबूत नहीं दे पाया है। इसके बाद अमेरिका में पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर एक रिपोर्ट मिली जिसमें इंडियन कनेक्शन की बात कही गई थी। अब संधू के साथ इस तरह की घटना के बाद सिख ऑफ अमेरिका के संस्थापक और चेयरमैन जसदीप सिंह जस्सी ने कहा, हम गुरुद्वारा साहिब प्रबंधन से निवेदन करते हैं कि इन बदमाशों के खिलाफ कड़ा ऐक्शन ले जो कि शांतिप्रिय समुदाय को बदनाम कर रहा है। इनके खिलाफ कार्रवाई जरूरी है ताकि लोग बिना किसी भय के गुरुद्वारे में आ सकें।

उन्होंने कहा, राजदूत संधू को गुरुद्वारे में सरूपा साहिब से सम्मानित किया गया। कुछ उपद्रवियों ने गुरुद्वारे की शांति भंग की है और नियमों का उल्लंघन किया है। बता दें कि धक्का मुक्की की घटना के बाद सिख समुदाय के लोगों ने ही उन उपद्रवियों को गुरुद्वारे से बाहर निकाल दिया था। सिख समुदाय ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। इसी तरह की घटना सितंबर में भारतीय उच्चायुक्त वीके विक्रम दुराइस्वामी के साथ हुई थी।

उन्हें कुछ लोगों ने ग्लासगो के गुरुद्वारे में प्रवेश करने से रोका था। इसके बाद विदेश मंत्री ने यूके को इस घटना से अवगत

## सिर्फ यूरोप तक सिमटी नहीं है दुनिया, विदेश मंत्री जयशंकर की बात रूसी विदेश मंत्री ने क्यों दोहराई

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने ग्लोबल साउथ और ग्लोबल ईस्ट जैसे खिलाड़ियों के उदय के कारण वैश्विक संरचना और बहुध्रुवीयता में आए बदलाव के बारे में विस्तार से बात करते हुए भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की बात का समर्थन किया है। मॉस्को में प्रिमाकोव रीडिंग्स इंटरनेशनल फोरम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, दुनिया यूरोप से कहीं अधिक है और दुनिया पश्चिम से भी कहीं अधिक है।

रूसी विदेश मंत्रालय ने कार्यक्रम में लावरोव के हवाले से कहा, दुनिया में मौजूदा समय में कई ध्रुव हैं। वर्तमान संस्करण का मुख्य अंतर वास्तव में वैश्विक अनुपात हासिल करने का मौका है और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांत पर भरोसा करना है, जिसमें राज्यों की संप्रभुता एक समान है। पहले, वैश्विक महत्व के निर्णय स्पष्ट कारणों से, पश्चिमी समुदाय से आने वाली प्रमुख आवाज वाले देशों के एक छोटे समूह द्वारा लिए जाते थे।

गौरतलब है कि यूक्रेन में संघर्ष के बीच रूसी तेल खरीदने के भारत के रुख का बचाव करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने भी इसी तरह का बयान दिया था। जयशंकर ने कहा था, यूरोप को इस मानसिकता से बाहर निकलना होगा कि यूरोप की समस्याएं दुनिया की समस्याएं हैं लेकिन दुनिया की समस्याएं यूरोप की समस्याएं नहीं हैं। लावरोव ने आगे कहा कि आज ग्लोबल साउथ और ग्लोबल ईस्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले नए खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर कदम रखा है और उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। रूसी विदेश मंत्री ने कहा, हम उचित रूप से उन्हें वैश्विक बहुमत कहते हैं। वे महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने, स्वतंत्रता का प्रदर्शन करने और किसी और की सनक के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने में अपनी संप्रभुता को मजबूत कर रहे हैं। लावरोव ने कहा, इसके समर्थन में, मैं अपने भारतीय सहयोगी, विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर को उद्धृत करूंगा जिन्होंने कहा था कि दुनिया सिर्फ यूरोप से कहीं अधिक है।

**आयोजन**

दुबई में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन का आयोजन

## आलोचकों ने अल जाबेर के जीवाश्म ईंधन के प्रति 'समर्थन' पर चिंता जताई

**नई दिल्ली,** (एजेंसियां)। दुबई में संयुक्त अरब अमीरात द्वारा आयोजित दो सप्ताह तक चलने वाले 2023 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन या सीओपी28 वार्ता से दो दिन पहले आलोचकों ने सीओपी के मनोनीत अध्यक्ष सुल्तान अल जाबेर द्वारा जीवाश्म ईंधन के प्रति समर्थन पर चिंता जताते हुए कहा कि वे इसे ग्रह को बचाने के लिए काम करने वाले शीर्ष जलवायु वार्ताकार के हितों के टकराव के रूप में देख रहे हैं।

### शीर्ष जलवायु वार्ताकार के हितों के टकराव के रूप में देख रहे

जाबेर दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनियों में से एक, अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडनॉक) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।

बीबीसी की सोमवार को आई एक रिपोर्ट के अनुसार, यूएई ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता के मेजबान के रूप में अपनी भूमिका का उपयोग तेल और गैस सौदे करने के अवसर के रूप में करने की योजना बनाई है।

बीबीसी को लीक हुए ब्रीफिंग दस्तावेजों से पता चला है कि 15 देशों के साथ जीवाश्म ईंधन सौदों पर



चर्चा करने की योजना का खुलासा हुआ है। सीओपी28 शिखर सम्मेलन के लिए जिम्मेदार संयुक्त राष्ट्र निकाय ने बीबीसी को बताया कि मेजबानों से पक्षपात या स्वार्थ के बिना कार्य करने की अपेक्षा की जाती है। बीबीसी ने यूएई टीम का हवाला देते हुए कहा कि उसने व्यावसायिक वार्ता के लिए सीओपी28 बैठकों का उपयोग करने से इनकार नहीं किया है और कहा है कि निजी बैठकें निजी हैं।

बैठकों में क्या चर्चा हुई, इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि इसका काम सार्थक जलवायु कार्रवाई पर केंद्रित है। बीबीसी के मुताबिक, सीओपी28 - यूएई ने तेल सौदा करने के लिए जलवायु वार्ता का उपयोग करने की योजना बनाई है। बीबीसी के साथ काम करने वाले सेंटर फॉर क्लाइमेट रिपोर्टिंग के स्वतंत्र पत्रकारों द्वारा प्राप्त किए गए दस्तावेज में कहा गया है कि यूएई की सीओपी28 टीम ने 30 नवंबर से शुरू होने वाले शिखर सम्मेलन से पहले कम से कम 27 विदेशी सरकारों के साथ बैठकों के लिए एजेंडे तैयार कर लिए हैं। दस्तावेज में प्रस्तावित बातचीत के बिंदु शामिल थे, जैसे कि चीन कहता है कि संयुक्त अरब अमीरात की राज्य तेल कंपनी एडनोक, मोजाम्बिक, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में अंतर्राष्ट्रीय एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) के अवसरों का संयुक्त रूप से मूल्यांकन करने के लिए तैयार है।

दस्तावेज कोलंबियाई मंत्री को यह बताने का सुझाव देते हैं कि एडनॉक कोलंबिया को उसके जीवाश्म ईंधन संसाधनों को विकसित करने में समर्थन देने के लिए तैयार है। जर्मनी और मिस्र सहित 13 अन्य देशों के लिए चर्चा के बिंदु हैं।

## आज का इतिहास

1516 - फ्रांस और स्विट्जरलैंड ने फ्रेईबर्ग के शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये।
1759 - दिल्ली के बादशाह आलमगीर द्वितीय की हत्या हुई।
1775 - सर जेम्स जे ने अदृश्य स्याही का अविष्कार किया।
1830 - पोलैंड में रूस के शासन के खिलाफ नवंबर विद्रोह शुरु हुआ।
1870 - ब्रिटेन में आवश्यक शिक्षा कानून लागू हुआ।
1889 - बेंगलुरू के लालबाग़ गार्डन में %ग्लास हाउस% की आधारशिला रखी गई।
1916 - अमेरिका ने डोमिनिकन रिपब्लिक में मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की।
1944 - अलबानिया को नाजी कब्जे से छुड़ाया गया।
1947 - भारतीय उपमहाद्वीप का विभाजन होने पर निज़ाम ने भारत में शामिल होने की अपेक्षा स्वतंत्र रहना चाहा।
1949 - पूर्वी जर्मनी में यूरेनियम खदान में विस्फोट से 3700 लोग मरे थे।
1961 - दुनिया के पहले अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन भारत आये थे।

## सुडोकू 6390

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | | | 5 | | | | 9 | |
| 5 | | | 9 | | | | 3 | 1 |
| | | | | | | 8 | | |
| 3 | 6 | | | 5 | 4 | | 1 | |
| | | 1 | 8 | | 6 | 9 | | |
| | 7 | | 1 | 3 | | | 4 | 6 |
| | | 5 | | | | | | |
| 7 | 1 | | | | 3 | | | 9 |
| | 3 | | | | 5 | | | 2 |

**: नियम :**

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

**हल आज ही के अंक में**

## वर्ग पहेली 6390



**बायें से दायें:-**

१. छै माह में होने वाला, छ:माही
४. असंगत, बेमेल, संबंधहीन
६. एक प्रकार का नेत्ररोग, जिसमें रोगी को रात में कुछ दिखाई नहीं देता
७. अपराध, दोष, कसूर (उर्दू)
८. श्रेष्ठ नर्तकत शिव
१०. बिचौलिया, बीच में स्थित
११. डरावना
१३. घृणा उत्पन्न करने वाला, घिनौना साहित्य में प्रयुक्त एक रस
१४. साधुओं का भोज
१५. मधुर ध्वनि, पक्षियों के चहचहाने की आवाज
१७. नवीन, नवल
१९. स्वर्ण, धतूरा
२१. वृद्धि होना
२२. चलते-चलते सहसा रुक जाना
२४. छ: माह का समय जिसमें सूर्य, विणुवत रेखा से दक्षिण की ओर रहता है

**ऊपर से नीचे:-**

१. दोष, ऐब, बुराई
२. बायें हाथ से काम करने वाला
३. कमल जैसे सुंदर हाथ
४. मातहत
५. बधिर
९. किसी के जन्मदिन पर मनाने वाला समारोह
११. नाकाम
१२. कमल
१३. उजाड़, जनशून्य (उर्दू)
१४. भंग करना, तोड़ना, नाश, क्षय
१५. हाथ जोड़ कर या हाथ बांधे हुए
१६. यु द्ध में होने वाली आवाज
१८. मांगने वाला, प्रार्थी
१९. दया, अनुकंपा
२०. मुश्किल
२३. अनेक

### वर्ग पहेली-6389

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ न | व | २ प्र | सू | ३ ता | ■ | ४ अं | ग | ५ रा | ज |
| ष्ट | ■ | या | ■ | ६ प | यो | द | ■ | जी | ■ |
| ७ नि | वा | स | ■ | रो | ■ | ८ रू | का | व | ९ ट |
| धि | ■ | र | ■ | १० ध | म | नी | ■ | ■ | टो |
| ■ | ११ वि | त | १२ र | क | ■ | ■ | १३ भू | चा | ल |
| ■ | धु | ■ | च | ■ | १४ स | वा | ल | ■ | ना |
| १५ प | र | १६ ख | ना | ■ | ह | ■ | १७ ना | १८ द | ■ |
| रि | ■ | लि | ■ | १९ ई | ना | २० म | ■ | हा | ■ |
| २१ प | पी | हा | ■ | जा | ■ | २२ ति | क | ड़ | २३ मी |
| क्व | ■ | २४ न | वो | द | क | ■ | ■ | ■ | न |

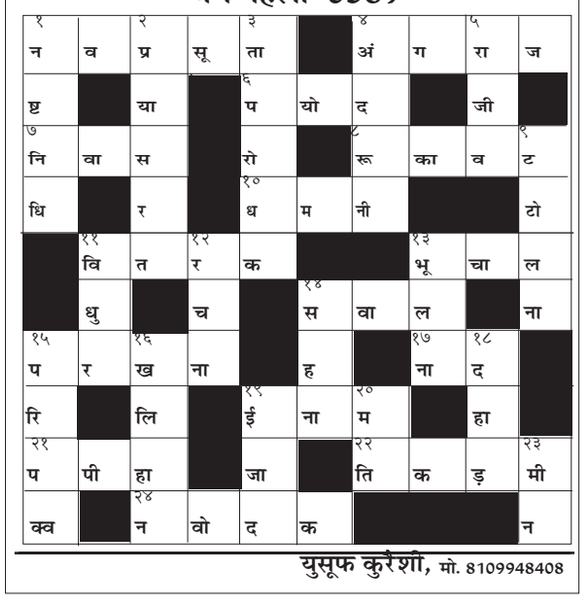

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

# खेल जगत

## मैं कबड्डी खेल को आजमाना पसंद करूंगा : डेविड वार्नर

**मुंबई।** ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत से बेहद प्रभावित हुए और जब उन्हें आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के बीच में प्रो कबड्डी लीग टूर्नामेंट की झलकियां दिखाई गईं तो उन्होंने कहा, मुझे यह लड़का पसंद है। इस बीच, दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेविड मिलर ने कहा, इस खेल में बहुत अधिक चपलता और शक्ति की आवश्यकता है। मैं इस खेल के लिए एडेन मार्करम को नामांकित करूंगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह यह खेल खेलना चाहेंगे, ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा, मैं निश्चित रूप से इस खेल को आजमाना चाहूंगा। इसके अलावा, वार्नर ने अपने साथियों स्टीव स्मिथ और पैट कमिंस के साथ मिलकर मार्कस स्टॉयनिस को कबड्डी के लिए नामांकित किया। दक्षिण अफ्रीका के स्पिन गेंदबाज केशव महाराज पवन सहरावत से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने कहा, मुझे उनकी हाई-फ्लाई पसंद है।

# भारत ने ऋतुराज के शतकीय प्रहार से ऑस्ट्रेलिया को दिया 223 रनों का लक्ष्य

- खराब शुरूआत के बाद ऋतुराज ने भारत को संभाला
- यशस्वी जयसवाल 6 और ईशान किशन बिना खाता खेले हुए आउट
- आखिरी ओवर भारत ने मैक्सवैल के ओवर में जोड़े 30 रन

**गुवाहाटी।** भारत ने तीसरे टी-20 मुकाबले में मंगलवार को सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ की नाबाद 123 रनों की पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 223 रन बनाने का लक्ष्य दिया।

आज यहां बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मैथ्यू वेड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने हालांकि दूसरे ओवर में यशस्वी जयसवाल छह रन का विकेट गंवा दिया। जयसवाल को बेहरेनडोर्फ ने वेड के हाथों कैच आउट कराया, उस समय टीम का स्कोर महज 14 रन था। तीसरे ओवर में इशान किशन शून्य को केन ने स्टोइनिस के हाथों कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऋतुराज के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट लिये 57 रनों की साझेदारी की। 11वें ओवर में हार्डी ने सूर्यकुमार यादव 39 रन पर वेड के हाथों कैच आउट कराकर भारत को तीसरा झटका दिया। यादव के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आये तिलक वर्मा ने ऋतुराज का भरपूर साथ दोनों बल्लेबाज अंत तक क्रीज पर बने रहे।

ऋतुराज ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी-20 शतक बनाया। उन्होंने 57 गेंदों में 13 चौकों और सात छक्कों की मदद से 123रन बनाकर नाबाद रहे और वहीं तिलक वर्मा ने 24 गेंदों में चार चौकों की मदद से 31 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों बल्लेबाजों ने मैदान में चारों ओर शॉट लगाते हुए निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट पर 222 रन का स्कोर खड़ा किया। भारतीय पारी के आखिरी ओवर में ऋतुराज ने मैक्सवैल के ओवर में 30 रन जोड़ो, जिस कारण से एक 200 के आसपास दिखाई दे रही भारतीय टीम का स्कोर 222 परों तक पहुंच गया।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से केन रिचर्डसन, जेसन बेहरेनडोर्फ और आरोन हार्डी ने एक-एक विकेट लिया।

### फिलिप, मैक्डरमोट, ग्रीन और ड्वार्शुइस टी-20 टीम में होंगे शामिल

**सिडनी।** जोश फिलिप, बेन मैकडरमॉट, क्रिस ग्रीन और बेन ड्वार्शुइस को भारत में चल रही टी-20 श्रृंखला के आखिर मुकाबलों के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया जायेगा और कई खिलाड़ी स्वदेश लौटेंगे। न्यू साउथ वेल्स और सिडनी थंडर के ऑफस्पिनर क्रिस ग्रीन भारत में टी-20 टीम में बुलाए जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया में पदार्पण की संभावना हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश फिलिप और बेन मैकडरमॉट भी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन द्वारशुइस के साथ दौरे में शामिल हो रहे हैं। वहीं खिलाड़ियों का एक समूह मंगलवार को गुवाहाटी में तीसरे मैच के बाद स्वदेश रवाना हो रहा है। सीन एबॉट, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, स्टीवन स्मिथ और एडम जम्पा एकदिवसीय विश्वकप जीत के बाद स्वदेश लौट आएंगे। जबकि ट्रैविस हेड टीम में बने रहेंगे और ओपनिंग भी करेंगे। मैक्डरमोट और फिलिप भारत पहुंच गये हैं जबकि ग्रीन और ड्वार्शुइस चौथे मैच के लिए रायपुर पहुंचने पर टीम से जुड़ेंगे। 30 वर्षीय ग्रीन ने टी-20 क्रिकेटर के रूप में जाने जाते है हालांकि पिछले 12 महीनों में वह न्यू साउथ वेल्स की शेफील्ड शील्ड टीम में एक नियमित खिलाड़ी हैं। बीबीएल में उन्होंने थंडर के लिए 29.56 की औसत और 7.14 की इकॉनमी रेट से 66 विकेट लिए हैं। क्रिस ग्रीन दुनिया भर में टी-20 मैच खेल चुके हैं फिलिप, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज है उन्होंने 2021 की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना टी-20 खेला था। उन्होंने अपने दूसरे और तीसरे मैच में 45 और 43 रनों के साथ कुछ प्रभावशाली पारियां खेलीं। लेकिन वेस्ट इंडीज और बंगलादेश के दौरे की अपनी अगली सात पारियों में 13रन से अधिक नहीं बना सके। उन्होंने सीज़न की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ए के लिए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ शतक भी बनाया।

# हैरी ब्रूक और नट शिवर ब्रंट ने जीता बॉब विलिस पुरस्कार

**लंदन।** इंग्लैंड के क्रिकेटर हैरी ब्रूक को 2023 क्रिकेट राइटर्स क्लब अवार्ड्स में बॉब विलिस ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है। हरफनमौला नट शिवर-ब्रंट ने लगातार दूसरे वर्ष महिला क्रिकेट पुरस्कार जीता। एक शानदार वर्ष के बाद, जिसमें ब्रूक ने तीन अलग-अलग प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ब्रूक को बॉब विलिस ट्रॉफी प्रदान की गई, जो इंग्लैंड के वर्ष के पुरुष या महिला खिलाड़ी को दी जाती है।

सीडब्ल्यूसी यंग क्रिकेटर ऑफ द ईयर जीतने के तुरंत बाद, 24 वर्षीय ब्रूक ने वर्ष के समग्र क्रिकेटर की ट्रॉफी अपने घर ले ली। इंग्लैंड को टी20 विश्व कप जीतने में मदद करने और अपने पहले 12 टेस्ट मैचों में चार शतक बनाने के बाद ब्रूक नवंबर 2022 में गेंदों का सामना करने के मामले में 1,000 टेस्ट रन तक पहुंचने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बन गए।

इसके अलावा, ब्रूक ने 41 गेंदों पर शतक बनाकर नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स को द हंड्रेड जीतने में मदद की, जिससे उनके लिए इंग्लैंड के विश्व कप रोस्टर में शामिल होने का द्वार खुल गया। ब्रूक ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि टी20 विश्व कप इसमें सबसे ऊपर है। विश्व कप जीतना, एशेज श्रृंखला में खेलना और इस वर्ष मेरे पास जो कुछ चीजें हैं उनमें से कुछ का अनुभव करना एक सपने के सच होने जैसा है।

यह मेरे जीवन का अब तक का सबसे आनंददायक समय रहा है। जिस तरह से हम वहां गए और अपना क्रिकेट खेलने की कोशिश की वह वास्तव में मजेदार रहा। 6-0 से पिछड़ने के बावजूद, महिला एशेज में इंग्लैंड के लिए शिवर-ब्रंट के प्रदर्शन ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया के साथ श्रृंखला 8-8 से बराबर करने में मदद की, जिससे उन्हें लगातार दूसरे वर्ष महिला क्रिकेट पुरस्कार मिला।

साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका में टी20 विश्व कप सेमीफाइनल तक की यात्रा के दौरान शिवर-ब्रंट इंग्लैंड की अग्रणी रन स्कोरर भी रही थीं।

शिवर-ब्रंट ने कहा, ऐसा लगता है कि यह अभी भी मेरे लिए वास्तविक नहीं है।

बस इसके बारे में एक त्वरित विचार करें और वास्तव में उस वर्ष की विशालता के बारे में सोचें जो घटित हुआ। उम्मीद है कि यह महिला क्रिकेट की यात्रा के संदर्भ में कई पहला में से पहला है। समरसेट के किशोर विकेटकीपर-बल्लेबाज जेम्स रीव को एक सफल सीज़न के बाद वर्ष का युवा क्रिकेटर नामित किया गया।

रीव ने काउंटी चैंपियनशिप में समरसेट के लिए 1,000 से अधिक रन बनाए और 57.15 के औसत के साथ अग्रणी डिवीजन वन रन-स्कोरर तालिका में तीसरे स्थान पर रहे।

# शिवा थापा और अमित पंघाल ने जीत के साथ की शुरुआत

**नई दिल्ली।** छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिवा थापा (63.5 किग्रा) और 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल (51 किग्रा) ने 7वीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में तीसरे दिन विजयी नोट पर अपने अभियान की शुरुआत की।

असम का प्रतिनिधित्व करते हुए शिवा ने अभिनाश जामवाल के खिलाफ दबदबे वाले अंदाज में शुरुआत की। लेकिन, जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा हिमाचल प्रदेश के मुक्केबाज ने उल्लेखनीय वापसी की और रेफरी को प्रभावित करते हुए शिवा को प्रत्येक अंक के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

पूरे मुकाबले में कड़ी प्रतिस्पर्धा रही लेकिन अत्यधिक अनुभवी शिवा ने खेल के महत्वपूर्ण क्षणों में अपना संयम बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंद्वी को 4-3 के विभाजित निर्णय से हरा दिया। अब मंगलवार को राउंड-16 के मुकाबले में उनका मुकाबला कर्नाटक के संतोष एचके से होगा।

अमित, जो एसएससीबी के लिए खेल रहे थे, महाराष्ट्र के शिवाजी के खिलाफ थे। हमेशा की तरह दृढ़ दिख रहे थे।अमित ने 5-0 की जीत के साथ मुकाबला समाप्त किया। अब राउंड 16 के मुकाबले में उनका मुकाबला मंगलवार को पंजाब के जयशंदीप सिंह से होगा।

हिमाचल प्रदेश के टोक्यो ओलंपियन आशीष कुमार (80 किग्रा) ने अपने प्रतिद्वंद्वी पंजाब के अर्शदीप सिंह को हराया। आशीष अपने खेल में शीर्ष पर थे और उन्होंने जीत हासिल करने के लिए कार्यवाही में अपना दबदबा बनाया। मंगलवार को राउंड-16 के मुकाबले में उनका मुकाबला चंडीगढ़ के नीतीश कुमार से होगा ।

एशियाई चैंपियनशिप 2022 के कांस्य पदक विजेता गोविंद साहनी (48 किग्रा) जो आरएसपीबी (रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड) के लिए खेल रहे हैं, त्रिपुरा के सायन लोध के लिए मजबूत साबित हुए। गोविंद ने आक्रामक रुख के साथ आगे बढ़ना शुरू किया और अपने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया।

कुछ ही समय में गोविंद ने रेफरी के साथ मुकाबले के फैसले को पहले ही राउंड में रोककर खेल समाप्त कर दिया। अब राउंड 16 के मुकाबले में उनका मुकाबला मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के विशाल से होगा।

# विश्व कप खिताब जीतने के बाद मेरी कप्तानी बेहतर हो रही है : पैट कमिंस

**नई दिल्ली।** ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप 2023 विजेता कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि छठा वनडे विश्व कप खिताब जीतने के बाद उनकी कप्तानी बेहतर हो रही है।

कमिंस को एक कप्तान के रूप में उनके अनुभव की कमी के कारण संदेह की नजर से देखा जाता था, खासकर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में, भले ही वह एक प्रभावशाली रिकॉर्ड के साथ दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज थे।

उन्होंने 2023 विश्व कप से पहले केवल दो एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व किया था। ऑस्ट्रेलिया अपने शुरुआती दो विश्व कप मैच हार गया, जिससे वह तालिका में सबसे नीचे चला गया और उसके नेतृत्व पर और अधिक संदेह पैदा हो गया।

सोमवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में ट्रॉफी प्रेजेंटेशन में मिचेल स्टार्क के साथ कमिंस ने खुलासा किया कि भारत पर अंतिम जीत उनके लिए करियर का मुख्य आकर्षण थी। कमिंस को लगता है कि हर मैच में उनकी कप्तानी बेहतर होती जा रही है। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को सिर्फ 240 पर रोककर छह विकेट से हरा दिया।

कमिंस ने स्थानीय मीडिया से कहा, अभी भी ऊंचाई पर हूं, अभी भी हर सुबह गुनगुनाहट के साथ जागता हूं। यह निश्चित रूप से करियर का एक बड़ा आकर्षण है। मैं निश्चित रूप से हर मैच में कप्तानी के साथ बेहतर होता जा रहा हूं।

आप अपनी जीत से बहुत कुछ सीखते हैं, और अपनी हार से तो और भी अधिक सीखते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि मैं बेहतर हो रहा हूं। उनके सामरिक विकल्पों, जिसमें भारत के खिलाफ मैच में शुरुआत में स्पिन का उपयोग करना शामिल था, जब उनके तेज गेंदबाज हावी थे, और पहले कुछ ओवरों में एक गेंदबाज के रूप में खुद का कम उपयोग करना, आलोचकों द्वारा बारीकी से जांच की गई थी। फिर भी, कमिंस ने इन कठिनाइयों पर विजय प्राप्त की और दबाव में एक कप्तान के रूप में अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को छठी विश्व कप जीत दिलाई। कमिंस ने यह भी कहा कि वे 2023 के दौरान व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला के लिए आराम करने की योजना नहीं बना रहे हैं।

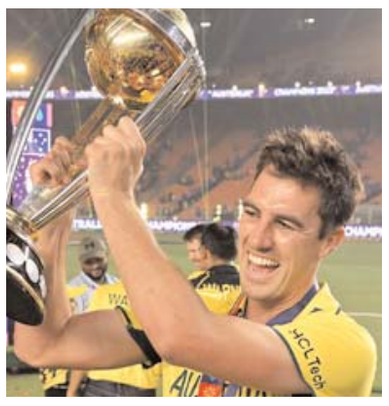

कमिंस ने कहा, रेस्टेड और रोटेटेड शब्द काफी बार उछाले जाते हैं, लेकिन आप कभी भी टेस्ट क्रिकेट को पूरी तरह से फिट होने से नहीं चूकते। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में हमें खेल से आराम दिया गया है, हम जो काम करने में सक्षम हैं वह उन छोटे अंतरालों के कारण है। हम पूरी तरह से फिट हैं। हमें आराम नहीं मिलेगा।

### टी20 टीम में बदलाव के फैसले का स्वागत किया

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भारत के खिलाफ तीसरे टी20 मैच से पहले विश्व कप विजेता खिलाड़ियों को वापस बुलाने के क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के फैसले का स्वागत करते हुए कहा, खिलाड़ियों को खेल से कुछ विश्राम की जरूरत है। विश्व कप विजेता टीम के सात सदस्य सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भारत में ही रुके थे। हैरानी की बात यह है कि भारत ने अपनी विश्व कप टीम से केवल 3 खिलाड़ियों को ही मैदान में उतारा। सूर्यकुमार टी20 सीरीज में टीम का नेतृत्व कर रहे हैं जबकि ईशान किशन और प्रसिद्ध कृष्णा अन्य दो खिलाड़ी हैं। अहमदाबाद में विश्व कप फाइनल के ठीक 4 दिन बाद टी20 श्रृंखला शुरू हुई। यह समझ में आने योग्य था कि ऑस्ट्रेलिया ने विशाखापत्तनम में श्रृंखला के शुरुआती मैच के लिए अपने अधिकांश विश्व कप सितारों को आराम दिया था। हालाँकि, ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को भारत के खिलाफ तीसरे टी20 मैच से पहले टी20 टीम में बदलाव की पुष्टि की क्योंकि स्टीव स्मिथ, एडम ज़म्पा, ग्लेन मैक्सवेल, सीन एबॉट, जोश इंग्लिस और मार्कस स्टॉयनिस स्वदेश लौटने के लिए तैयार हैं। फॉक्स क्रिकेट ने कमिंस के हवाले से कहा, मैं उनसे नाराज़ नहीं हूं)। पिछले कुछ महीने काफी व्यस्त रहे हैं। ये अभी भी ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले हैं और यह बहुत अच्छा है कि ये दौरे कुछ युवा लोगों या उन लोगों के लिए अवसर प्रदान करते हैं जो शायद पहले एकादश में नहीं हैं। मुझे लगता है कि ये महत्वपूर्ण दौरे हैं और आप इनसे बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, लेकिन वे इंसान हैं। वे रोबोट नहीं हैं। विश्व कप में सब कुछ लगाना और फिर कुछ दिन बाद खेलना। विकेटकीपर बल्लेबाज जोश फिलिप और बेन मैकडरमैट पहले ही टीम में शामिल हो चुके हैं और तीसरे टी20 के लिए उपलब्ध हैं।

## सार संक्षेप

### धोखाधड़ी के एक मामले में पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज श्रीसंत को अंतरिम जमानत मिली

**कोच्चि।** केरल उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पूर्व भारतीय क्रिकेटर एस श्रीसंत को धोखाधड़ी के एक मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम जमानत दे दी। अदालत ने यह आदेश तब पारित किया जब उसे सूचित किया गया कि मामला दोनों पक्षों के बीच सुलझ गया है। याचिकाकर्ता को दोषी शिकायतकर्ता को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया गया है क्योंकि लोक अभियोजक ने कहा कि मामला सुलझ गया है। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया, %%यथाशीघ्र आवेदन दाखिल करें। 8 दिसंबर, 2023 को पोस्ट करें। अंतरिम आदेश दिया गया। %% श्रीसंत, जो वर्तमान में देश में लीजेंड्स लीग में खेल रहे हैं, ने अग्रिम जमानत याचिका दायर करते हुए दावा किया कि उन्हें कन्नूर टाउन पुलिस द्वारा दर्ज मामले में झूठा फंसाया गया है। मामला एक विला निवेश परियोजना से जुड़ा है और बाद में मामला अदालत के बाहर ही सुलझ गया। 2013 में आईपीएल स्पॉट फिक्सिंग मामले में फंसने के बाद श्रीसंत का अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म हो गया। कई साल बाद उन्हें बरी कर दिया गया और 2020 में केरल रणजी टीम में वापसी हुई, उन्होंने केवल दो साल बाद संन्यास ले लिया।

### तमीम इकबाल की नजर बीपीएल के जरिये क्रिकेट में वापसी पर

**नई दिल्ली।** बांग्लादेश के करिश्माई बाएं हाथ के बल्लेबाज तमीम इकबाल की नजर बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के 2024 संस्करण के जरिये प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी पर है। तमीम 23 सितंबर से क्रिकेट से बाहर हैं और उनकी फिटनेस से जुड़े मुद्दों के कारण उन्हें बांग्लादेश की विश्व कप 2023 टीम से भी बाहर कर दिया गया था। स्थानीय मीडिया ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख नजमुल हसन पापोन के साथ बैठक में तमीम के हवाले से कहा, मैं शायद अपना क्रिकेट खेल बीपीएल से शुरु करूंगा।

# राष्ट्रीय शिविर में पेरिस ओलंपिक के लिए नई सोच के साथ तैयारियों में जुट जाएंगे : फुल्टन

- यह समझने की कोशिश करेंगे की हम कैसे और बेहतर टीम बन सकते हैं

सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली। भारत के 39 कोर ग्रुप के पुरुष हॉकी संभावितों का 15 दिसंबर से वेलेंसिया (स्पेन) में खेले जाने वाले पांच देशों के टूर्नामेंट की तैयारियों के लिए सीनियर राष्ट्रीय पुरुष हॉकी शिविर बुधवार से साई बेंगलुरू में होगा। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को सीनियर राष्ट्रीय हॉकी शिविर के लिए उन्हीं 39 कोर ग्रुप के संभावितों को बरकरार रखा है जो कि हांगजू(चीन) से पहले एशियाई खेलों के लिए कोर ग्रुप का हिस्सा । सीनियर कोर ग्रुप के ये कोर ग्रुप के ये संभावित वेलेंशिया में होने वाले टूर्नामेंट की तैयारियों के लिए जुट जाएंगे। कप्तान अनुभवी ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के दो तथा मनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास और अभिषेक के एक एक गोल से भारत की पुरुष हॉकी टीम ने जापान को हांगजू(चीन) में एशियाई खेलों के फाइनल में 5-1 से हरा स्वर्ण जीत सीधे 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई किया था। भारत के पुरुष चीफ हॉकी कोच क्रेग फुल्टन ने बुधवार से शुरू होने वाले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी शिविर की बाबत कहा, हांगजू एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद लड़कों को राष्ट्रीय शिविर से लंबा ब्रेक मिला। इस दौरान हमारी भारतीय टीम के बहुत से खेले चेन्नै में सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में खेले ही मुझे भी कुछ उदीयमान व नौजवान खिलाडियों के खेल को करीब से देखने को मिला। अब हम सभी साई बेंगलुरू में सीनियर राष्ट्रीय शिविर में पेरिस ओलंपिक के लिए नई सोच के साथ अपनी तैयारियों में जुट जाएंगे। जैसा कि मैंने कहा है यह एक प्रक्रिया है। हम अपने एशियाई खेलों के शानदार अभियान पर फिर से विचार कर यह समझने की कोशिश करेंगे कि हम कैसे बतौर टीम और बेहतर होने के लिए मेहनत कर सकते हैं।'

भारत के कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने कहा, हमारे लिए बीते कुछ हफ्ते बहुत बढ़िया रहे, हमें अपने अपने परिवारों के साथ अच्छा वक्त बिनो को मिला। साथ ही चेन्नै में अपने राज्य पंजाब के सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में खेलने का मौका मिला। अब हम बेहतर टीम बनने की चाह लिए फिर सीनियर राष्ट्रीय शिविर में लौट आए हैं।

भारत के लिए वेलेंशिया (स्पेन)में होने वाला पांच देशों का यह हॉकी टूर्नामेंट पेरिस ओलंपिक खेलों की तैयारियों के लिए खासा अहम है। चेन्नै में पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में बढ़िया प्रदर्शन के बावजूद एशियाई खेलों के लिए नजरअंदाज किए गए आक्रामक मिडफील्डर आकाशदीप सिंह, सेल्वम कार्ति, जुगराज सिंह के साथ अब पूरी तरह फिट स्ट्राइकर सिमरनजीत सिंह और सुरेन्दर कुमार के लिए स्पेन दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी दावेदारी साबित करने का मौका होगा।

### शिविर के लिए चुने गए कोर ग्रुप के 39 संभावित हैं

**गोलरक्षक :** पीआर श्रीजेश, कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेरा, पवन, प्रशांत कुमार चौहान।

**रक्षापंक्ति :** जर्मनप्रीत सिंह, सुरेन्दर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराजसिंह, मनदीप मोर। नीलम संजीप खेस, संजय, यशदीप सिवाच, डिप्सन टिर्की, मंजीत।

**मध्यपंक्ति :** मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरंगथम रबिचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, राज कुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंट सिंह, मोहम्मद रहील मोसीन, मनिंदर सिंह।

**अग्रिम पंक्ति :** सेल्वम कार्ति, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक , दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकरा, पवन राजभर।

### सुडोकू 6390 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 2 | 3 | 5 | 1 | 7 | 6 | 9 | 4 |
| 5 | 4 | 7 | 9 | 6 | 8 | 2 | 3 | 1 |
| 1 | 9 | 6 | 3 | 4 | 2 | 8 | 7 | 5 |
| 3 | 6 | 9 | 2 | 5 | 4 | 7 | 1 | 8 |
| 4 | 5 | 1 | 8 | 7 | 6 | 9 | 2 | 3 |
| 2 | 7 | 8 | 1 | 3 | 9 | 5 | 4 | 6 |
| 9 | 8 | 5 | 4 | 2 | 1 | 3 | 6 | 7 |
| 7 | 1 | 2 | 6 | 8 | 3 | 4 | 5 | 9 |
| 6 | 3 | 4 | 7 | 9 | 5 | 1 | 8 | 2 |

| SENSEX | BSE | 66174.20 ▲ 204.16 | 19889.70 ▲ 95.00 | MCX | Gold | 61590 ▲ 50 | silver | 74534 ▼ 272 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

देशबन्धु

# अर्थ जगत

## रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर से उबरा, डॉलर के मुकाबले छह पैसे मजबूत

**मुंबई।** शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा और विदेशी पूंजी निवेश आने के बीच मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले छह पैसे मजबूत होकर 83.34 के भाव (अस्थायी) पर बंद हुआ। इस तरह रुपया अमेरिकी मुद्रा के समक्ष अपनी सबसे निचली स्थिति से उबरने में सफल रहा। पिछले कारोबारी दिवस शुक्रवार को रुपया 83.40 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में कमजोरी आने और कच्चे तेल की कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब रहने से रुपये को समर्थन मिला।

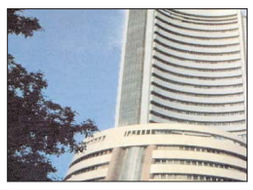



## रेपो रेट 6.5 फीसदी पर बरकरार रखेगा आरबीआई : एक्सपर्ट्स

**चेन्नई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखेगी और अगले महीने होने वाली बैठक में अपना रुख नहीं बदलेगी। मुद्रास्फीति औसतन पूरे साल के लिए 5.5 फीसदी रहेगी। ऐसा विशेषज्ञों ने कहा है। उन्होंने कहा, अक्टूबर में मुद्रास्फीति दर घटकर 4.7 प्रतिशत हो गई है, लेकिन फिर भी केंद्रीय बैंक रेपो दर में संशोधन नहीं करेगा। वह महंगाई को लेकर चौकन्ना है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने आईएएनएस को बताया, हम आगामी नीति में रेपो रेट और रुख दोनों पर यथास्थिति की उम्मीद करते हैं। मुद्रास्फीति चिपचिपी विकेट पर है, विशेष रूप से खाद्य मुद्रास्फीति चिंता का विषय बनी हुई है। अनाज और सब्जी दोनों के दाम बढ़ रहे हैं। पूरे साल के लिए मुद्रास्फीति औसतन 5.5 प्रतिशत होगी। इसलिए रेपो दर में बदलाव की कोई गुंजाइश नहीं है। उनके मुताबिक, राहत देने वाली बात ये है कि कोर इंफ्लेशन कम रहेगी। इस साल नवंबर के लिए आरबीआई के अर्थव्यवस्था की स्थिति मासिक बुलेटिन का हवाला देते हुए श्रीराम फाइनेंस के कार्यकारी उपाध्यक्ष उमेश रेवनकर ने कहा कि इससे कम दर व्यवस्था की वापसी की उम्मीद जगी है।

## जंक फूड से होने वाले नुकसान में तीसरे स्थान पर भारत, बचाव के लिए सख्त नियम जरूरी



***नई दिल्ली।*** *मेक्सिको को 2016 में स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ा। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन में अतिरिक्त वजन और मोटापे के मामले में यह देश दूसरे स्थान पर पहुंच गया था। लोग बेतरतीब बीमार हो रहे थे। जवाब में, उन्होंने राष्ट्रीय महामारी विज्ञान आपातकाल की घोषणा की। दो साल पहले, उन्होंने चीनी कर पेश किया था, और 2020 में, कॉर्पोरेट प्रतिरोध के बावजूद, उन्होंने जंक फूड पर चेतावनी लेबल लगाने के लिए मतदान किया।*

एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियां भारत जैसे उभरते बाजारों पर नजर रख रही हैं, जहां जंक फूड से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूकता कम है और उपभोक्ता संरक्षण नियम कमजोर हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड की खपत 2011 के बाद से 90 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गई है। हालांकि इन फूड पदार्थों की खुदरा बिक्री महामारी के दौरान धीमी हो गई थी, लेकिन बाद में वापस तेज हो गई। इन फूड की ग्रोथ रेट जरूरी खाने वाली चीजों के बराबर है, जिसकी मात्रा में इसी अवधि के दौरान 106 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यदि अर्थव्यवस्था 6 प्रतिशत की दर से बढ़ती है और लोगों के पास खर्च करने के लिए ज्यादा पैसा है, तो भारत में विभिन्न अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड कैटेगरी का मूल्य अगले दशक में बहुत बढ़ जाएगा। कैटेगरी में, पांच में से चार की बिक्री 1 ट्रिलियन रुपये से ज्यादा होने की उम्मीद है, जिसमें चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी सबसे आगे हैं। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि खराब खान-पान का बड़ा आर्थिक प्रभाव पड़ता है। अनहेल्दी डाइट से मोटापे और बीमारियों के कारण सैकड़ों अरब डॉलर की लेबर प्रोडक्टिविटी की हानि होती है। 154 रैंक वाले देशों में, भारत अनहेल्दी डाइट से संबंधित अनुमानित नुकसान में तीसरे स्थान पर है। खान-पान की खराब आदतों के कारण 2020 में भारत को 669 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। संयुक्त राज्य अमेरिका इस मामले में पहले नंबर पर है और उसके बाद चीन का नंबर आता है। भारत, कम से कम 2017 से, जंक फूड की खपत पर अंकुश लगाने के लिए सख्त नियमों पर विचार कर रहा है। केरल ने 2016 में टैक्स लगाया था लेकिन 11 महीने बाद इसे रद्द कर दिया गया।

## 40 प्रतिशत से ज्यादा महंगी हुई अरहर दाल, राहत के लिए सरकार उठाने जा रही बड़ा कदम



**नई दिल्ली।** आम आदमी को राहत पहुंचाने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। सरकार, अरहर दाल की अपनी खरीद को बढ़ाकर 8-10 लाख टन करने की तैयारी में है। पहले कुछ ही लाख टन अरहर दाल खरीदने की योजना थी। अरहर दाल की खरीद को बढ़ाकर सरकार इसकी कीमतों को काबू में रखना चाहती है। सरकार ने अरहर दाल की खरीद बढ़ाने की तैयारी ऐसे समय में की है, जब अरहर के पैदावार क्षेत्र में गिरावट आई है और इसका प्रॉडक्शन कम रह सकता है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में यह बात एक सीनियर ऑफिसर ने कही है।

**40 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गए हैं अरहर दाल के खुदरा दाम-** अरहर दाल के रिटेल प्राइस (खुदरा दाम) पिछले साल के मुकाबले 40 पर्सेंट से ज्यादा बढ़ गए हैं। पिछले साल अरहर दाल की कीमत 112 रुपये प्रति किलो थी, जो कि इस साल बढ़कर 158 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। बतौर कैटेगरी दलहन में रिटेल इनफ्लेशन बढ़कर सालाना आधार पर अक्टूबर में 18.79 पर्सेंट पर पहुंच गई थी।

**प्राइस स्टैबिलाइजेशन फंड के जरिए होगी खरीद-** अरहर दाल की यह खरीद मार्केट रेट्स पर प्राइस स्टैबिलाइजेशन फंड के जरिए होगी। ऑफिसर ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया है कि मार्केट रेट्स, मिनिमम सपोर्ट प्राइस से कहीं ज्यादा है।

अरहर दाल की यह खरीद नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (नैफेड) और नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के जरिए की जाएगी।

ऑफिसर ने कहा कि यह सरकारी एजेंसियां सीधे किसानों से खरीद करेंगी। अरहर दाल खरीदने की शुरुआत खरीफ की फसल आने के साथ शुरू होगी।

## अंतिम दौर की खरीदारी से शेयर बाजारों में रौनक लौटी, सेंसेक्स 204 अंक चढ़ा

***मुंबई।*** *मुंबई विदेशी पूंजी का निवेश होने के बीच वाहन, बिजली और धातु शेयरों में अंतिम दौर की खरीदारी आने से मंगलवार को घरेलू मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दो सत्रों की गिरावट से उबरते हुए बढ़त के साथ बंद हुए।*

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 204.16 अंक यानी 0.31 प्रतिशत बढ़कर 66,174.20 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 66,256.20 के ऊपरी और 65,906.65 के निचले स्तर पर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी 95 अंक यानी 0.48 प्रतिशत बढ़कर 19,889.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, टाइटन और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से बढ़त के साथ बंद हुईं। दूसरी तरफ आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक और पावर ग्रिड के शेयरों में गिरावट का रुख रहा। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कंपोजिट चढ़कर बंद हुए जबकि जापान का निक्की और हांगकांग का सूचकांक हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुए थे। इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.19 प्रतिशत चढ़कर 80.93 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। गुरु नानक जयंती के अवसर पर सोमवार को शेयर बाजार बंद रहे थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 2,625.21 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी थी। पिछले कारोबारी दिवस शुक्रवार को सेंसेक्स 47.77 अंक की गिरावट के साथ 65,970.04 पर बंद हुआ था जबकि निफ्टी 7.30 अंक फिसलकर 19,794.70 अंक पर रहा था।

## न्यूनतम निर्यात मूल्य लागू होने से प्याज निर्यात को झटका



***नई दिल्ली।*** *नवंबर 2023 के पहले 21 दिनों में भारत से प्याज का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के करीब बराबर ही रहा। केंद्र ने प्याज निर्यात के लिए 800 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) लागू कर दिया है, जिसके लागू होने और फसल कटाई में देर होने के कारण निर्यात को झटका लगा।*

विभिन्न निजी एजेंसियों और अनुसंधान संस्थाओं से प्राप्त ब्योरा बताता है कि अगस्त में 40 फीसदी का भारी-भरकम निर्यात शुल्क लगाए जाने के बाद प्याज का निर्यात सुस्त हो चुका था। अक्टूबर के आखिर में एमईपी लागू होने से इसका निर्यात काफी घट गया।दुबई की कृषि व्यापार कंपनी सिल्करूट डॉट एजी के आंतरिक शोध के आंकड़े बताते हैं कि सितंबर में भारत ने करीब 1,66,711.31 टन प्याज का निर्यात किया जो पिछले साल सितंबर में हुए निर्यात से 48.11 फीसदी कम रहा। उसके बाद अक्टूबर में 2,79,039.50 टन प्याज निर्यात हुआ, जो अक्टूबर, 2022 में निर्यात प्याज की तुलना में करीब 11.80 फीसदी कम रहा। मगर असली झटका नवंबर में न्यूनतम निर्यात मूल्य लागू होने के बाद लगा है। 21 नवंबर तक भारत से प्याज का निर्यात पिछले साल 1 से 21 नवंबर के बीच निर्यात के मुकाबले करीब 85 फीसदी घटकर महज 19,347 टन रह गया। मुख्य तौर पर बांग्लादेश, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात और श्रीलंका जैसे देशों को भारत से प्याज का निर्यात किया जाता है। नवंबर के पहले तीन हफ्तों में इन देशों को प्याज का निर्यात एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले बहुत कम रहा।

बांग्लादेश को 21 नवंबर तक करीब 263 टन प्याज का निर्यात किया गया जबकि पिछले साल 21 नवंबर तक वहां 49,000 टन प्याज भेजा गया था। इस बार नेपाल को तो केवल 88 टन प्याज भेजा गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 8,654.5 टन प्याज निर्यात किया गया था। देसी बाजार में प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाम कसने के लिए केंद्र सरकार ने 19 अगस्त को 40 फीसदी आयात शुल्क लगा दिया था। देश के प्रमुख प्याज उत्पाद राज्य महाराष्ट्र में किसानों का विरोध-प्रदर्शन देखते हुए सरकार ने 2 लाख टन अतिरिक्त प्याज खरीदने का फैसला किया। आयात शुल्क लगने से पहले प्याज का निर्यात मूल्य करीब 320 डॉलर प्रति टन यानी करीब 2,650 रुपए प्रति क्विंटल था। बाद में 29 अक्टूबर को सरकार ने प्याज के लिए 800 डॉलर प्रति टन न्यूनतम निर्यात मूल्य की अधिसूचना जारी कर दी। इस हिसाब से देसी बाजार में कीमत करीब 67 रुपए प्रति किलो होती है। आदेश के मुताबिक एमईपी 31 दिसंबर तक लागू रहेगा।


## महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज

फोन- 4067270, 9826035338

**प्रति क्विंटल-** राहर दाल एवरेज 13000-14000, मीडियम बोल्ड 15000-16000, फाइन 17000-17500, एक्स्ट्रा बोल्ड 17500-18000, चना दाल एवरेज 7400-7600 चना दाल मार्का 7600-7800, मसूर दाल एवरेज 7800-8000, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका 11000-12000, फाइन 12500-13000, उड़द धुली 11500-12500, फाइन 13000-13500, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 10000-10200, मूंगदाल धुली 10500-10800, फाइन 10800-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3000-3200, बेस्ट 3200-3400, बीपीटी चालू 3200-3400, फाइन 4000-4200,एचएमटी-5000-5300 फाइन-5500-5800 दुबराज भाटापारा 5000-5200, जेजेएल चालू 5500-6000, फाइन 6000-6500, बासमती कनकी चालू 3000-3500, बासमती कनकी मीडियम 4000-4500, बेस्ट 4500-5500, मोगरा- 4000-4500, दुबार- 5500-6000, तिबार- 7000-8000, बासमती 10000-11000, बेस्ट 12000-12500 पोहा- 4000-4200, फाइन 4200-4400, मुरमुरा- 5800-6500, फाइन- 7000-7500, रु.- लाई- 6000-6500 रु., फाइन- 8000-8500 रु.।

## सोहन लाल एण्ड संस

रसल चौक फोन- 9425156095 सोना बुलियन ( प्रति 10 ग्राम ) फाइन भाव- 62500 चांदी रिफाइन - 74600

## दुल्हन श्री आभूषण

कमानिया गेट, सराफा बाजार- मो. 9425860998,9826307100 सोना बुलियन ( प्रति 10 ग्राम ) फाइन भाव- 62500 चांदी रिफाइन - 74600


## रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

| मुद्रा | रुपया |
|---|---|
| एक अमेरिकी डॉलर | 83.33 |
| एक यूरो | 91.25 |
| एक ब्रिटिश पाउंड | 105.11 |
| एक आस्ट्रेलियन डॉलर | 55.05 |
| एक जापानी येन | 00.56 |


## परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने फोन- 2412223,9329428085

जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 92 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 110 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-120 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -76 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 150 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

## अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स

शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070 भाव प्रति क्विं.- 5.5 एम एम 6400, 6 एम एम 6400, 8 एम एम 5880, 10 एम एम 5760,12 एम एम, 5700 एवं 16 एम 5700 रु.। तार- 76 रु. किलो।

## सीतारमण ने वैश्विक निवेशकों को दिया बड़ा भरोसा- 2024 में अच्छे बहुमत से सत्ता में लौट रहे हैं मोदी

***नई दिल्ली।*** *अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर लगातार अच्छी खबरें मिल रही हैं। वैश्विक एजेंसियां जहां भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ा रही हैं वहीं देश में महंगाई लगातार कम हो रही है और रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। यह सब तब है जब लगभग विश्व का हर छोटा-बड़ा देश तमाम तरह के झंझटों का सामना कर रहा है मगर भारत की आर्थिक नीतियों की बदौलत देश लगातार तरक्की के रास्ते पर है। भारत में विदेशी निवेश भी अपने सर्वोच्च स्तर पर है, देश में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों को देखते हुए कहीं विदेशी निवेशक सतर्क ना हो जाएं या अपना निवेश घटाने नहीं लगें, इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वैश्विक निवेशकों को बड़ा भरोसा भी दिलाया है।*

निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2024 में 'अच्छे बहुमत' के साथ सत्ता में वापसी करने का दावा करते हुए कहा है कि इसे लेकर वैश्विक निवेशकों को घबराने की जरूरत नहीं है। सीतारमण ने यह भी कहा कि सरकार आर्थिक वृद्धि की रफ्तार तेज करने के लिए व्यवस्थागत सुधार लागू करने को प्रतिबद्ध है। वित्त मंत्री ने इंडिया ग्लोबल फोरम की तरफ से आयोजित एक ऑनलाइन चर्चा में शामिल होते हुए कहा, निवेशकों को अप्रैल-मई 2024 में होने वाले आम चुनावों के नतीजों को लेकर थोड़ा भी घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, निवेशकों का उम्मीद भरा इंतजार करना सामान्य है और मैं इसे समझ सकती हूं। लेकिन मेरे साथ कई लोगों की भारतीय अर्थव्यवस्था पर नजर है, राजनीतिक माहौल पर नजर है, जमीनी स्तर की वास्तविकताओं को देख रहे हैं। आज स्थिति यही है कि प्रधानमंत्री मोदी वापस आ रहे हैं और अच्छे बहुमत के साथ आ रहे हैं।



सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने कई पहल की हैं जिससे हर भारतीय के जीवन में बदलाव आया है और कारोबारी माहौल में सुधार हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस सरकार ने एक के लिए नहीं बल्कि सबके लिए काम किया है। रोजगार के मोर्चे पर उन्होंने कहा कि सरकार हर महीने आयोजित होने वाले रोजगार मेलों के जरिये इस साल दिसंबर तक देश के युवाओं को 10 लाख नौकरियां देने के लिए प्रतिबद्ध है। इनमें से लगभग आठ लाख नौकरियां इस साल अब तक दी जा चुकी हैं। वित्त मंत्री ने जलवायु कार्रवाई के बारे में कहा कि भारत अपने पैसे से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जीवाश्म ईंधन की जगह स्वच्छ ऊर्जा अपनाने को वित्तपोषण के लिए उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक चुनौती बताया। सीतारमण ने भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप संपर्क गलियारा (आईएमईसी) पर इजराइल और फलस्तीन में चल रहे संघर्ष के असर के बारे में पूछे जाने पर कहा कि यह एक दीर्घकालिक परियोजना है और यह किसी एक प्रमुख घटना पर निर्भर नहीं होगा।

हम आपको याद दिला दें कि प्रस्तावित गलियारे के निर्माण पर सितंबर में नयी दिल्ली में आयोजित 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे। यह एक बहुआयामी आर्थिक गलियारा है जिसमें जहाज, रेल और सड़क के कई नेटवर्क शामिल हैं।

## एचडीएफसी बैंक को निजी बैंकरों की शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए सर्वश्रेष्ठ निजी बैंक (एशिया) चुना गया

**मुंबई।** भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक को प्रोफेशनल वेल्थ मैनेजमेंट (पीडब्लूएम) द्वारा आयोजित ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड्स 2023 में दो पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इन पुरस्कारों निजी बैंकरों की शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए सर्वश्रेष्ठ निजी बैंक (एशिया) विकास रणनीति के लिए निजी बैंक (एशिया)शामिल हैं: इसके अतिरिक्त, बैंक को भारत में सर्वश्रेष्ठ निजी बैंक की श्रेणी में काफी सराहना भी मिली।

**फाइनेंशियल टाइम्स द्वारा प्रकाशित** - दुनिया का अग्रणी वैश्विक व्यापार प्रकाशन - प्रोफेशनल वेल्थ मैनेजमेंट (पीडब्लूएम) निजी बैंकों और उन क्षेत्रीय वित्तीय केंद्रों की विकास रणनीतियों का विश्लेषण करने में माहिर है जिनमें वे काम करते हैं। ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड्स ने खुद को दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित निजी बैंकिंग पुरस्कारों के रूप में मजबूती से स्थापित कर लिया है और अब अपने पंद्रहवें वर्ष में हैं। प्रविष्टियों का मूल्यांकन उत्तरी अमेरिका, एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व में स्थित प्रतिष्ठित उद्योग न्यायाधीशों के एक स्वतंत्र पैनल द्वारा किया जाता है। उद्योग न्यायाधीशों के उद्धरण में कहा गया है कि वे पिछले साल एचडीएफसी बैंक की विकास रणनीति से प्रभावित थे, जिसके कारण इसके ग्राहक आधार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और देश भर में इसके हब और स्पोक स्थानों का काफी विस्तार हुआ, साथ ही अभिनव निवेशक शिक्षा पहल भी हुई। उद्योग न्यायाधीशों ने बैंक को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), अहमदाबाद और बैंगलोर जैसे शैक्षणिक निकायों के साथ साझेदारी में किए गए संबंध प्रबंधकों के लिए विभिन्न शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए पुरस्कृत भी किया।

## त्यौहारी सीजन में इस साल मोटर वाहन खुदरा बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर : फाडा

***नई दिल्ली।*** *भारत में मजबूत मांग के दम पर इस साल त्यौहारी सीजन में मोटर वाहन की खुदरा बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। ट्रैक्टर के अलावा सभी खंडों में सालाना आधार पर वृद्धि दर्ज की गई है। वाहन डीलर के निकाय फाडा ने मंगलवार को यह बात कही। इस साल 42 दिन के त्योहारी सीजन में मोटर वाहन की कुल बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 37,93,584 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल यह 31,95,213 इकाई थी।*



नवरात्रि के पहले दिन से शुरू होकर और धनतेरस के 15 दिन बाद समाप्त हुए त्योहारी सीजन में यात्री वाहन की खुदरा बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 5,47,246 इकाई हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 4,96,047 इकाई थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, ''नवरात्रि के दौरान खराब प्रदर्शन के बावजूद दिवाली तक स्थिति में सुधार हुआ और 10 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि त्योहारी में स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों की मांग सबसे अधिक रही। इसी तरह दोपहिया वाहनों का पंजीकरण सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर इस साल 28,93,107 इकाई हो गया, जो 2022 में 23,96,665 इकाई था। उन्होंने कहा, ''कई श्रेणियों में रिकॉर्ड तोड़ बिक्री दर्ज की गई, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों ने खासकर दोपहिया वाहनों की खरीद में वृद्धि में योगदान दिया। इस दौरान वाणिज्यिक वाहन की बिक्री सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 1,23,784 इकाई रही। समीक्षाधीन अवधि में तिपहिया वाहनों का पंजीकरण 41 प्रतिशत बढ़कर 1,42,875 इकाई हो गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 1,01,052 इकाई था। हालांकि, ट्रैक्टर की बिक्री पिछले साल की त्योहारी अवधि में 86,951 इकाइयों से मामूली गिरावट के साथ 86,572 इकाई हो गई। सिंघानिया ने कहा, ''नवरात्रि में ट्रैक्टर की बिक्री में 8.3 प्रतिशत की कमी देखी गई लेकिन इसमें उल्लेखनीय सुधार हुआ तथा बाद में वह 0.5 प्रतिशत की गिरावट तक सीमित रही।


देशबन्धु

## ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट

**टेलर्स वारिस**

शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596

मो.-9424392281, 9425152707

देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज

क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें

बिना ऑपरेशन

**डॉ. विश्वास**

राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे

मो: 9827042596

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।

देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अत: विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

मुंबई की फार्मा कंपनी को जबलपुर ब्रांच हेतु

**आवश्यकता है**

उम्र 18 से 27, योग्यता- 12वीं, ग्रेजुएट

Posts-Computer Operator Accountant, Office Ass., HR, Advisor, Health Advisor, Admin.

MO: - 7880251021 8767693588


प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * ( * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार )
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

# नर्मदा के प्रति श्रृद्धालुओं की ये कैसी आस्था?

## भक्ति के नाम पर फैला दी गंदगी, जिम्मेदार मौन

देशबन्धु मुद्दा

**जबलपुर, देशबन्धु।** मध्यप्रदेश की जीवन दायनी कहलाये जाने वाली नर्मदा नदी दुर्दशा का शिकार होती जा रही है। यहां साफ-सफाई का अभाव होता जाता रहा है। मां रेवा के भक्त 24 घंटे यहां दर्शन और पूजन के लिये आते हैं। भक्तों में शहर के बड़े नेता, समाजसेवी, अधिकारी सभी वर्ग के लोगों का यहां लगातार आना जाना होता है।

यहां तक की किसी भी राजनैतिक रैली की शुरूआत नर्मदा तट से प्रारंभ होती है। लेकिन यहां पर फैली गंदगी श्रृद्धालुओं को नहीं दिखाई दे रही है। श्रृद्धा के नाम पर नर्मदा तट में लगातार गंदगी की जा रही है। नगर निगम प्रशासन के दावे भी ये मंजर देखकर खोखले साबित हुये। पूजन अर्चन करने की आड़ में यहां गंदगी फैलायी जा रही है। और स्थानीय लोग मौन हैं। सामाजिक संगठन भी गायब है। जो नर्मदा भक्त होने का दावा करते हैं। वर्तमान में ठंड शुरू हो गई है।

प्रवासी पक्षियों का भी ग्वारीघाट में आना शुरू हो गया है। बताया जा रहा है कि यह प्रतिवर्ष यहां आते हैं। रोजाना सैकड़ों श्रृद्धालु इन्हें दाना भी डालते है। लेकिन घाट में सफाई पर ध्यान कोई नहीं देता। सब अपना पल्ला झाड़ रहे हैं।

### कचरे के डिब्बे पड़े खाली, गंदगी पड़ी बाहर

नगर निगम प्रशासन ने नर्मदा नदी में गंदगी को रोकने के लिये कचरे के डब्बे लगवा दिये हैं। लेकिन यहां आने वाले श्रृद्धालु इसका उपयोग ही नहीं करते। पूजन सामग्री तटों पर ही फेंक कर चले जाते हैं। यहां साफ-सफाई न होने से यह गंदगी बढ़ती जा रही है। यहां कचरे के डिब्बे के बाहर फूल माला, खंडित मूर्तियां व अन्य सामग्री पड़ी रहती है। जिसे घाट पर घूम रहे आवारा मवेशी खा रहे हैं और बीमार हो रहे हैं।

### तटों पर पॉलिथिन फैंक रहे लोग

दर्शन और पूजन करने वाले पूजन सामग्री लाकर नर्मदा नदी में बड़े भक्ति भाव से पूजा पाठ करते हैं। दीप दान फूल माला इत्यादि घाट पर चढ़ाते हैं। लेकिन पॉलिथिन घाटों पर फेंक कर चले जाते हैं। जिससे घाटों पर सैकड़ों की तादात में पॉलिथिन बिखरी पड़ी हैं। इसको उठाने वाला कोई नहीं। राजनीति चमकाने के लिये कुछ युवा नेता व इसके अलावा सामाजिक संगठन अपनी वाहवाही लूटने के लिये यहां सफाई अभियान चलाते हैं। उसके बाद फिर गायब हो जाते हैं।

### प्रशासन के दावों की खुली पोल

नगर निगम प्रशासन ने हमेशा यही कहा है कि उनके द्वारा समय-समय पर ग्वारीघाट व अन्य तटों की सफाई कराई जाती है। तो फिर सफाई कहां गायब हो गई। नर्मदा तटों में गंदगी का अंबार लग गया है। लेकिन सफाई कर्मी गायब है।

### गायब हो गये सामाजिक संगठन

नर्मदा भक्ती दम भरने वाले सामाजिक संगठन अब गायब हो गये हैं। हिंदुत्व की बात करने वाले भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे बैठे हैं। जिससे यह प्रतीत होता है कि रोजाना समय पर नर्मदा दर्शन कर पूजा पाठ करना सिर्फ दिखावा बनता जा रहा है। जब राजनीति की बात आती है तब ही हिंदुत्व और नर्मदा नदी की याद आती है।

# ठंडक और बारिश के चलते प्रदेश के 20 जिलों में येलो अलर्ट

## भोपाल-इंदौर सहित कई जिलों में स्कूलों का समय बदला

**जबलपुर, देशबन्धु।** मध्यप्रदेश में मौसम में आगे कुछ खास परिवर्तन देखने को नहीं मिलेगा, आगे भी बारिश का अनुमान है। एक नया सिस्टम भी जल्द ही सक्रिय होगा। ऐसे में प्रदेश के अधिकांश जिलों में बादल छाए रहेंगे। कई जिलों में कोहरा छाने की संभावना है।

प्रदेश के आसपास के राज्य गुजरात और राजस्थान में बना चक्रवाती हवाओं का गहरा और पश्चिमी विक्षोभ से बना सिस्टम अब कमजोर पड़ने लगा है। लेकिन प्रदेश में बारिश की गतिविधियां आगे भी बनी रहेंगी। मौसम विभाग ने डिंडोरी, कटनी मंडल, नरसिंहपुर, जबलपुर, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, गुना, अशोकनगर शिवपुरी, सीधी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया और दमोह जिले में येलो अलर्ट किया गया है। जबकि बालाघाट, सिवनी और छिंदवाड़ा जिले में ऑरेंज अलर्ट किया गया है। वहीं, पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के नर्मदापुरम, भोपाल और चंबल संभागों के जिलों में अधिकांश जगहों पर, इंदौर और जबलपुर संभागों के जिलों में अनेक स्थानों पर, उज्जैन सागर और ग्वालियर संभागों के जिलों में कुछ स्थानों पर और शहडोल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं पर वर्षा दर्ज की गई। अन्य संभागों के जिलों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा।

भोपाल, इंदौर, शहडोल, जबलपुर और नर्मदापुरम संभागों के जिलों में विशेष रूप से अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। वहीं, शहडोल संभाग के जिलों में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई। शेष सभी संभागों के जिलों में न्यूनतम तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। भोपाल, उज्जैन, रीवा, जबलपुर और ग्वालियर संभागों के जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक रहा।

बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, बैतूल और मंडला जिलों में अधिकांश स्थानों पर बारिश का अनुमान है। जबकि डिंडोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, हरदा और बुरहानपुर जिलों में अनेक स्थानों पर बारिश का अनुमान है। वहीं, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, दमोह और खंडवा जिलों में कुछ स्थानों पर बारिश का अनुमान है। इसके साथ ही विदिशा, रायसेन, सीहोर, भोपाल, राजगढ़, खरगोन, बड़वानी, धार, इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मालवा, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, भिंड, शिवपुर कला, सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, पन्ना और सागर जिलों में कहीं-कहीं बारिश का अनुमान है।

**यहां सबसे ठंडा-गरम-** प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस खरगोन में दर्ज किया गया। जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस खजुराहो में दर्ज किया गया।

### स्कूल टाइमिंग में किया गया बदलाव

भोपाल में जिला कलेक्टर आशीष सिंह ने स्कूल टाइमिंग में बदलाव किया है। शीतकालीन मौसम शुरू होने और तापमान में गिरावट आने के चलते जिले के सभी स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया है। नर्सरी से लेकर पांचवी तक की कक्षाएं अब सुबह नौ बजे से लगेंगी। ये नियम सरकारी, प्राइवेट, सीबीएससी और आईसीएसई सभी स्कूलों पर लागू होगा। ठंड को देखते हुए इंदौर में भी नर्सरी से पांचवी तक के बच्चों के स्कूल टाइम में बदलाव किया गया है। कलेक्टर ने आदेश जारी कर कहा कि आगामी आदेश तक नर्सरी से पांचवीं तक की कक्षाएं सुबह नौ बजे के बाद लगेंगी।



# दमोह से जबलपुर जा रही यात्री बस अनियंत्रित होकर खाई में पलटी, 15 से अधिक यात्री घायल

**जबलपुर, देशबन्धु।** दमोह में एक यात्री बस के खाई में पलटने का मामला सामने आया है। इस घटना में 15 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि एक ट्रक जबलपुर से दमोह की ओर आ रहा था और बस से क्रासिंग के समय चालक ने बस मोड़ी जो खाई में जाकर पलट गई।

दमोह से जबलपुर जा रही एक यात्री बस मंगलवार दोपहर जिला मुख्यालय से 40 किमी आगे दाने बाबा के पास अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। इस हादसे में 15 से अधिक यात्री घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को 108 की मदद से इलाज के लिए जबेरा स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया है। जानकारी के अनुसार, दमोह से जबलपुर की ओर जा रही मां वैष्णो देवी कंपनी की बस जबेरा थाना अंतर्गत दाने बाबा के पास स्टेयरिंग की टाई रॉड टूटने से अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में बस पर सवार दर्जनों यात्री घायल हो गए। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर जबेरा तहसीलदार विवेक व्यास और जबेरा थाना प्रभारी विजय अहिरवार सहित पुलिस स्टाफ पहुंचा। फिर यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलवा कर 108 की मदद से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जबेरा भेजा गया। जहां पर पदस्थ बीएमओ डॉक्टर डीके राय, डॉक्टर प्रशांत हजारी के द्वारा सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि एक ट्रक जबलपुर से दमोह की ओर आ रहा था और बस से क्रासिंग के समय चालक ने बस मोड़ी जो खाई में जाकर पलट गई। बताया गया है कि 55 सीटर बस में 70 से अधिक यात्री सवार थे।

# अज्ञात वाहन से टकराने पर चीतल की मौत

**अनूपपुर, देशबन्धु।** जिला मुख्यालय से 18 किमी दूर पर स्थित किरर घाट मे मंगलवार की सुबह अज्ञात वाहन की ठोकर से मादा चीतल की मौत हो गई, राहगीर द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग ने कार्यवाही करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में दाह संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार शहडोल-अमरकंटक मार्ग स्थित किरर गांव के वनचौकी के समीप मंगलवार की सुबह राजेंद्रग्राम से शहडोल की ओर जा रहे अज्ञात वाहन से टकराने पर वन्यप्राणी चीतल मौत हो गई। घटना की जानकारी राजेंद्रग्राम निवासी प्रमोद शर्मा जो परिवार के साथ जा रहे थे ने मादा चीतल को मृत स्थिति में रोड मे पड़ा देखने पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल को सूचना दिए जाने पर उन्होने वन विभाग किरर के कर्मचारियों को सूचित करते हुए स्वयं घटना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान मृत मादा चीतल के शव का पंचनामा एवं पशु चिकित्सक डॉक्टर योगेश चन्द्र दीक्षित एवं उनके सहायक संतकुमार श्याम के द्वारा शव विच्छेदन की कार्यवाही की गई।



प्रभारी एसडीओ वन अनूपपुर बादसाह रावत, तहसीलदार अनूपपुर गौरीशंकर शर्मा, वन परिक्षेत्र अधिकारी अनूपपुर स्वर्णगौरव सिंह, परिक्षेत्र सहायक किरर देवेंद्र कुमार पांडे, वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल, वनरक्षक किरर हरिशंकर महरा, मो. रहीस खान, वनचौकी किरर के वन कर्मचारियो एवं सुरक्षा श्रमिको की उपस्थिति में दाह संस्कार किया गया।

# विद्युत पोल हटाए बिना सड़क निर्माण पर हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

**जबलपुर, देशबन्धु।** विद्युत पोल को हटाये बिना सड़क निर्माण किये जाने को हाईकोर्ट में जनहित याचिका के माध्यम से चुनौती दी गई है। दायर मामले में कहा गया कि सड़क के बीच में विद्युत पोल होने के कारण दुर्घटनाएं घटित होती है। चीफ जस्टिस रवि विजय कुमार मलिमथ व जस्टिस विशाल मिश्रा ने युगलपीठ ने मामले में अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

यह जनहित याचिका भोपाल निवासी अमन शर्मा की ओर से दायर की गई है। जिसमें कहा गया कि अवधपुरी से अनुपम नगर जाने वाले तीन किलोमीटर लम्बे मार्ग का निर्माण किया गया है। सड़क निर्माण का ठेका तीन करोड़ से अधिक की राशि में दिया गया था। ठेकेदार ने विद्युत पोल को शिफ्ट किये बिना ही सड़क का निर्माण कर दिया। जिसके कारण विद्युत खम्बे सड़क के बीच में लगे हुए है। जिसके कारण अक्सर दुर्घटनाएं घटित होती रहती है। याचिका में राहत चाही गई कि सड़क में लगे विद्युत पोल को शिफ्ट किया जाये। मामले में नगरीय प्रशासन विभाग, कलेक्टर भोपाल, निगमायुक्त भोपाल, एसडीओ एमपी नगर तथा ठेकेदार को अनावेदक बनाया था।

मामले की सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता भूपेन्द्र कुमार शुक्ला ने पक्ष रखा।

# कटनी में डेंगू का प्रकोप, मरीजों की संख्या बढ़कर हुई 37

**कटनी, देशबन्धु।** कटनी जिले में एक बार फिर डेंगू के मरीजों में इज़ाफा देखने को मिला है। जिले में अब तक डेंगू के 37 मरीज सामने आ चुके हैं, जिनका इलाज जारी है। जानकारी अनुसार कटनी जिले में लगातार डेंगू के बढ़ते मामले जिला प्रशासन की अव्यवस्थाओं की पोल खोलते दिखाई दे रहे हैं। दरअसल जिले में सबसे ज्यादा केस नवंबर माह में सामने आए हैं, जो अभी तक सात मरीज हैं जो डेंगू बीमारी से ग्रसित पाए गए।

वहीं, पुराने 30 मरीजों को मिलाकर अब तक 37 मरीज दर्ज हो चुके हैं, जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया गया है। बावजूद इसके न तो नगर निगम स्वास्थ्य अमले ने जमीन में उतर का कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव कराया न ही फॉगिग मशीन चलवाई, जबकि बस स्टैंड के सामने कई इलाके हैं, जहां पानी का भराव और फैले कबाड़ के चलते डेंगू के लावा पनप रहे हैं। जिससे आस पास के क्षेत्र में लोग डेंगू जैसी बीमारियों का शिकार होते जा रहे हैं, पूरे मामले सीएचएमओ द्वारा बताया गया कि जिले में बढ़ते डेंगू के मरीजों का इलाज कराया जा रहा है। वहीं, इसे रोकने के लिए अभियान चलाकर कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव करवाया जाएगा।

# नीति आयोग की रिपोर्ट में कटनी स्वास्थ्य व्यवस्था की खुली पोल, सीएमएचओ को जारी हुआ पत्र

**कटनी, देशबन्धु।** नीति आयोग की रिपोर्ट में कटनी जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खुल गई। स्वास्थ्य केंद्र को लेकर सीएमएचओ को पत्र जारी हुआ है। मध्यप्रदेश में कटनी जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था कितनी बदहाल है, इसका खुलासा नीति आयोग द्वारा जारी हुई लिस्ट से हुआ है। इसमें रीठी स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति काफी खराब बताई गई है, जिसे लेकर नीति आयोग ने कटनी सीएमएचओ राजेश आठ्या को पत्र जारी करते हुए उन्हें व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश जारी किए गए हैं।



कटनी में छह स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं, जिसके प्रत्येक केंद्रों में चार से पांच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाए गए हैं। लेकिन तमाम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में न तो डॉक्टर मिलते हैं और न बेहतर इलाज। इन सब विषयों की जांच के लिए बाहर से आई टीम ने जिले के सभी ब्लॉक में बनी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जांच की, जिसमें सबसे खराब स्थिति रीठी स्वास्थ्य केंद्र मिली।

रीठी ब्लॉक का अधिकांश हिस्सा पहाड़ी इलाकों में शामिल है। जहां गरीब तबके के लोग निवास करते हैं। हालांकि क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए शासन ने लाखों करोड़ों खर्च किए। लेकिन जमीनी स्तर में स्थिति जस की तस बनी हुई है। पूरे मामले पर सीएमएचओ राजेश आठ्या ने बताया कि नीति आयोग द्वारा देश भर के करीब 500 स्वास्थ्य केंद्र की जांच कराई गई थी, जिसमें कटनी जिले के सभी ब्लॉक में निरीक्षण में पहुंची थी। जहां रीठी स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं में कमी मिली और उसे बेहतर करने के निर्देश दिए हैं, जिसके बाद दो डॉक्टर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तो एक रीठी स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ किया है। वहीं, उमरियापान और विजयराघवगढ़ स्वास्थ्य केंद्र की भी स्थिति ठीक नहीं है, जिसे बाद में सुधार कार्य करवाया जाएगा।


आसान किस्तों में उपलब्ध

मिश्रा इन्टरप्राइजेज

सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है

1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।

एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड
पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496



14 आयुर्वेदिक दर्दनाशक तेलों का मिश्रण

मामजेसिक

तीव्र दर्दनाशक तेल/क्रीम

कमर, पीठ, गर्दन, जोड़ों एवं घुटने का दर्द, कंधे एवं कूल्हों का दर्द, अंदरुनी चोट, मोच-सूजन, मॉंसपेशियों में खिंचाव-लचकना पिंड़लियों, पंजों, हड्डियों एवं पसलियों में दर्द, हाथ-पैर में झुनझुनी, कम्पन्न, कमजोरी, जाँघों में दर्द हेतु अत्यंत प्रभावशाली एवं गहराई तक असरकारक

५० मिली. मामजेसिक लिनिमेन्ट

लकवा रोगियों हेतु अत्यंत आवश्यक

चिपचिपाहट रहित

मामजेसिक

तीव्र दर्दनाशक तेल/क्रीम

सभी मेडीकल स्टोर्स में उपलब्ध

व्यवसायिक पूछताछ

9826035091



J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

| | |
|---|---|
| मुर्गा छोटा | - रु. 114 |
| मुर्गा मीडियम | - रु. 104 |
| मुर्गा बड़ा | - रु. 86 |
| मुर्गा जम्बो | - रु. 74 |

मो.-9039925000, 9425800409



सोनू पोल्ट्री

| | |
|---|---|
| बड़ा ब्रॉयलर | - रु. 82 |
| मीडियम ब्रॉयलर | - रु.100 |
| छोटा ब्रॉयलर | - रु. 110 |

मोबाइल नं. 9300692405



FOR ENQUIRY CALL 0761-4069888,89

FOLLOW BY SAMDAREEYA_CINEMAS

समदड़िया सिनेमा

WEDNESDAY SHOW OFFER RS. @ 90/- (VALID WITH PURCHASE OF FOOD COUPONS)

16 seater Recliner Theatre Available for Private Screening for Families and Groups BOOK NOW. 6232124487

NAPOLEON IN HINDI 10:15 AM 10:15 PM IN ENGLISH 01:00 PM

12TH FAIL 10:00 AM 03:00 PM 05:00 PM 07:30 PM

TIGER-3 10:30 AM 12:00 PM 02:00 PM 03:00 PM 04:30 PM 06:00 PM 08:00 PM 10:45 PM

FARREY 10:00 AM 12:45 PM 05:45 PM 10:55 PM

KHICHDI-2 08:00 PM

ANARI IS BACK 10:15 PM

STARFISH 08:45 PM